राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्षः 11 अंकः 218 पृष्ट : 08, नई दिल्ली, शनिवार , 19 फरवरी 2022 मूल्यः 1.50/-

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने आवास पर सिख समुदाय के प्रमुख लोगों का स्वागत किया

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को अपने आवास पर सिख समुदाय के प्रमुख लोगों का स्वागत किया।

पंजाब में विधानसभा चुनाव से दो दिन पहले यह मुलाकात हुई है। भारतीय जनता पार्टी राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह की पंजाब लोक कांग्रेस तथा अकाली दल के सुखदेव सिंह ढींढसा धड़े के साथ गठबंधन करने के साथ ही सिख समुदाय को लुभाने में जी जान से जुटी है।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि मोदी से मुलाकात करने वाले सिख समुदाय के लोगों में दिल्ली गुरुद्वारा समिति के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका, पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित बाबा बलबीर सिंह जी सीचेवाल, सेवापंथी, यमुना नगर के महंत करमजीत सिंह, करनाल में डेरा बाबा जंग सिंह के बाबा जोगा सिंह और अमृतसर में मुखी डेरा बाबा तार सिंह वा के संत बाबा मेजर सिंह वा शामिल थे।

उन्होंने बताया कि आनंदपुर साहिब में कार सेवा के जत्थेदार बाबा साहिब सिंह, भेनी साहिब के सुरिंदर सिंह नामधारी दरबार, शिरोमणि अकाली बुद्ध दल के बाबा जस्सा सिंह, दमदामी टकसाल के हरभजन सिंह और तख्त श्री पटना साहिब के जत्थेदार ज्ञानी रणजीत सिंह भी बैठक में शामिल हुए।

भारत के इतिहास में सबसे बड़ी सजा

अहमदाबाद ब्लास्ट के 49 दोषियों में से 38 को फांसी, 11 आखिरी सांस तक सलाखों के पीछे कैद रहेंगे

अहमदाबाद। वो वक्त जब अदालत ने 13 साल तक आतंक से मिले जख्मों का दर्द सहने वाले अहमदाबाद को इंसाफ दिया। अहमदाबाद में 2008 में हुए सीरियल ब्लास्ट में 56 लोगों की जान गई थी। विशेष अदालत ने धमाकों के 49 गुनहगारों को सजा दी। 38 के लिए सजा-ए-मौत मुकर्रर की गई है। 11 ताउम्र कैद में रहेंगे।

फैसला ऐतिहासिक है, क्योंकि देश के इतिहास में पहली बार एक साथ 38 लोगों को फांसी की सजा सुनाई गई है। इससे पहले केवल राजीव गांधी हत्याकांड ही था, जिसमें एक साथ 26 लोगों को सजा सुनाई गई थी।

78 में से 29 बरी और एक सरकारी गवाह बना

8 फरवरी को सिटी सिविल कोर्ट ने 78 में से 49 आरोपियों को UAPA (गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम) के तहत दोषी करार दिया था। इनमें से एक दोषी

अयाज सैयद को जांच में मदद करने के लिए बरी किया जा चुका है। 29 आरोपी सबूतों के अभाव में बरी हो चुके हैं। फैसले के वक्त कोर्ट ने धमाकों में मारे गए लोगों के परिजनों को एक लाख, गंभीर घायलों को 50 हजार और मामूली घायलों को 25 हजार रुपए की मदद देने का भी आदेश दिया।

70 मिनट में हुए थे 21 धमाके

26 जुलाई 2008, यही वह दिन था जब 70 मिनट के दौरान 21 बम धमाकों ने अहमदाबाद की रूह को हिलाकर रख दिया। शहर भर में हुए इन धमाकों में 56 लोगों की जान गई, जबकि 200 लोग घायल हुए थे। धमाकों की जांच-पड़ताल कई साल चली और करीब 80 आरोपियों पर मुकदमा चला। पुलिस ने अहमदाबाद में 20 FIR दर्ज की थीं, जबकि सूरत में 15 अन्य FIR दर्ज की गई थी, जहां विभिन्न स्थानों से जिंदा बम भी बरामद किए गए थे।

नहीं फट पाए थे 29 बम

ब्लास्ट के बाद गुजरात की सूरत पुलिस ने 28 जुलाई और 31 जुलाई 2008 के बीच शहर के अलग-अलग इलाकों से 29 बम बरामद किए थे, जिनमें से 17 वराछा इलाके में और अन्य कतारगाम, महिधरपुरा और उमरा इलाके में मिले थे। जांच में पता चला कि गलत सर्किट और डेटोनेटर की वजह से इन बमों में विस्फोट नहीं हो पाया था।

गोधरा कांड के जवाब में किए गए थे ब्लास्ट

ये ब्लास्ट आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिदीन और बैन किए गए स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया से जुड़े लोगों ने किए थे। विस्फोट से कुछ मिनट पहले, टेलीविजन चैनलों और मीडिया को एक ई-मेल मिला था, जिसके जरिए कथित तौर पर इंडियन मुजाहिदीन ने धमाकों की चेतावनी दी थी। पुलिस का मानना है कि ढूरू के आतंकियों ने 2002 में गोधरा कांड के बाद हुए दंगों के जवाब में ये धमाके किए थे। इस मामले के एक अन्य आरोपी यासीन भटकल पर पुलिस नए सिरे से केस चलाने की तैयारी में है।

DGP आशीष भाटिया के नेतृत्व में बनाई गई थी स्पेशल टीम

गुजरात के तत्कालीन CM नरेंद्र मोदी के आदेश पर JCP क्राइम के नेतृत्व में अहमदाबाद क्राइम ब्रांच की एक विशेष टीम का गठन किया गया था। ष्ठतक्क आशीष भाटिया ने इस टीम को लीड किया। वहीं, इस टीम में अभय चुडास्मा और हिमांशु शुक्ला ने अहम भूमिका निभाई। मामलों की जांच तत्कालीन ष्ठस्क्कराजेंद्र असारी, मयूर चावड़ा, उषा राडा और वीआर टोलिया को सौंपी गई थी। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच की इस विशेष टीम ने 19 दिनों में मामले का पर्दाफाश किया था और 15 अगस्त 2008 को गिरफ्तारी का पहला सेट बनाया था।

मरम्मत के लिये भेजे गये 'बुलडोजर' 10 मार्च के बाद फिर काम शुरू करेंगे: योगी

मैनपुरी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी पर तंज कसते हुए शुक्रवार को कहा कि चुनाव के दौरान राज्य के सभी बुलडोजर मरम्मत के लिये भेजे गए हैं, लेकिन बुलडोजर 10 मार्च (मतगणना की तारीख) के बाद अपना काम फिर से शुरू करेंगे। मैनपुरी में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए योगी ने यह बात कही। मैनपुरी में तीसरे चरण में 20 फरवरी को मतदान होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब तक अपराधियों के मन में डर नहीं होगा तब तक व्यवस्था को सही तरीके से आगे नहीं बढ़ाया जा सकता। उन्होंने कहा कि पेशेवर दंगाइयों और अपराधियों के लिये संदेश स्पष्ट है कि यदि वह अपराध करते हैं, तो उन्हें अंजाम भुगतना होगा। उन्होंने कहा कि अपराध और भ्रष्टाचार को जरा सा भी बर्दाश्त नहीं करने कारण राज्य में कर्फ्यू नहीं लगा है, न ही कोई बम फेंकने की घटना हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब कावड़ यात्रा निकाली जाती है और हर-हर, बम-बम के नारे लगते सुने जा सकते हैं।

सपा पर अपना हमला तेज करते हुए योगी ने कहा, सपा सरकार 2012 में सत्ता में आई तो उसने पहला काम आतंकवादियों के खिलाफ दर्ज मामलों को वापस लेने का किया था। उनकी (सपा) संवेदनशीलता उन आतंकवादियों के साथ थी जिन्होंने अयोध्या, वाराणसी के संकटमोचन मंदिर, लखनऊ अदालत और रामपुर में आतंकी हमले किए थे।''

उन्होंने कहा कि उप्र में भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद (2017 में) हमने प्रदेश के 86 लाख किसानों का 36 हजार करोड़ रुपये का कर्ज माफ किया। यह भी बताया कि उन इलाकों में ट्यूबवेल कनेक्शन दिए, जिन्हें सपा और बसपा सरकारों ने डार्क जोन घोषित किया था।

योगी ने कहा कि 10 मार्च के बाद टैबलेट और स्मार्टफोन प्राप्त करने वाले युवाओं की संख्या दो करोड़ हो जाएगी। उन्होंने करहल में पार्टी उम्मीदवार एसपी सिंह बघेल के पक्ष में एक चुनावी सभा को संबोधित किया। योगी ने कहा कि समाजवादी पार्टी ने चार मौकों पर राज्य में सरकार बनाई थी पर उन्होंने अपराधियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की, लेकिन अयोध्या में भगवान राम के भक्तों पर गोलियां चलाईं। करहल में बघेल का मुकाबला सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से है।

हम कहते डंके की चोट पर और सपा कहती दंगे की चोट पर सरकार बनेगी : राजनाथ सिंह

लखनऊ।

रक्षा मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को समाजवादी पार्टी पर सीधा हमला किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि ''हम कहते हैं कि डंके की चोट पर हमारी सरकार बनेगी तो समाजवादी पार्टी कहती है कि दंगे की चोट पर हमारी सरकार बनेगी।''

शुक्रवार को लखनऊ के कैंट विधानसभा क्षेत्र में राज्य के कानून मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार ब्रजेश पाठक के समर्थन

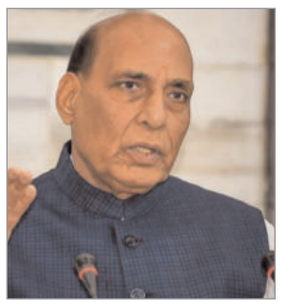

में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश में मुख् यमंत्री योगी आदित् यनाथ की सरकार में एक भी दंगा नहीं हुआ।

मुख् यमंत्री योगी आदित् यनाथ की उपलब्धियां गिनाते हुए सिंह ने कहा कि सब मिलाजुला के हमारा प्रदेश तेजी के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि जब वह प्रदेश को देखते हैं तो कहते हैं कि मुख्यमंत्री ने करिश्माई काम किया है।

जनसभा में राजनाथ सिंह ने लखनऊ कैंट क्षेत्र के भाजपा विधायक सुरेश तिवारी की सराहना करते हुए कहा कि सुरेश तिवारी अच्छे कार्यकर्ता हैं और कई बार विधायक के रूप में उन्होंने अपनी भूमिका निभाई है।

सीबीआई ने एनएसई की पूर्व सीईओ चित्रा रामकृष्ण से की पूछताछ

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने शुक्रवार को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) की पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) चित्रा रामकृष्ण से पूछताछ की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि एनएसई में ''को-लोकेशन'' सुविधा के कथित दुरुपयोग को लेकर जारी जांच से जुड़े नये तथ्यों के प्रकाश में आने पर यह पूछताछ की गई।

जांच एजेंसी ने रामकृष्ण, एक अन्य पूर्व सीईओ रवि नारायण और पूर्व समूह परिचालन अधिकारी आनंद सुब्रमण्यन के खिलाफ 'लुक आउट सर्कुलर' भी जारी किया है, ताकि उन्हें देश छोड़ कर भागने से रोका जा सके। केंद्रीय जांच एजेंसी ने स्टॉक मार्केट में जल्द पहुंच बनाकर लाभ अर्जित करने के लिए एनएसई की ''को-लोकेशन'' सुविधा का कथित तौर पर दुरुपयोग करने को लेकर दिल्ली स्थित ओपीजी सिक्योरिटी प्राइवेट लिमिटेड के मालिक एवं प्रवर्तक संजय गुप्ता और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

मां और बेटी ने यमुना में छलांग लगायी, बचाव कार्य जारी

नई दिल्ली। दिल्ली के कालिंदी कुंज इलाके में शुक्रवार सुबह 32 साल की एक महिला ने अपनी चार साल की बेटी के साथ यमुना नदी में छलांग लगा दी। दमकल विभाग के अधिकारी ने इसकी जानकारी दी ।

दमकल विभाग के मुताबिक उन्हें घटना की सूचना उन्हें सुबह 6.45 बजे मिली और बचाव अभियान जारी है ।

पुलिस ने कहा कि उन्हें सूचना मिली कि कालिंदी कुंज फ्लाईओवर से एक महिला यमुना में कूद गई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि कर्मचारी मौके पर पहुंचे जहां नोएडा सेक्टर-126 थाने के हेड कांस्टेबल संजीव कुमार के साथ छह वर्षीय दिव्यांशी मौजूद थी।

अधिकारी ने कहा कि दिव्यांशी ने बताया कि उसकी मां उसकी बहन प्रिशा के साथ करीब एक घंटे पहले यमुना नदी में कूद गई है ।

पुलिस ने कहा कि दमकल विभाग और एम्बुलेंस को मौके पर बुलाया गया तथा गोताखोरों की मदद से तलाशी ली गयी, लेकिन उनका कहीं पता नहीं चला। पुलिस ने बताया कि अभियान अब भी जारी है।

उन्होंने बताया कि महिला की पहचान रजनी कुमारी के रूप में हुई है और बृहस्पतिवार की शाम पति के साथ उसका विवाद हो गया था।

अधिकारी ने बताया कि उसके पति रामानंद पाठक ने बताया कि रजनी दोनों लड़कियों के साथ सुबह करीब छह बजे घर से निकली थी ।

ईडी ने तमिलनाडु के अपराधी की 25 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने धनशोधन रोधी कानून के तहत तमिलनाडु के एक अपराधी की करीब 25 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की है। तमिलनाडु का यह अपराधी हत्या, रंगदारी और डकैती के कई मामलों में नामजद है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। ईडी ने बताया कि चेन्नई उपनगर में स्थित 79 भूमि संपत्ति कुर्क की गयी हैं जो आरोपी पीपीजीडी शंकर के और बेनामी नामों से संबंधित है । इन संपत्तियों की बाजार कीमत करीब 25 करोड़ रुपये है। प्रवर्तन निदेशालय ने एक बयान में कहा कि शंकर पर हत्या, जबरन वसूली, डकैती और आपराधिक साजिश जैसे अपराधों के लिए कम से कम 15 मामले दर्ज हैं और तीन आरोप पत्र दायर किये गये हैं ।

सरकार ने राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान की अवधि बढ़ाने को मंजूरी प्रदान की

नई दिल्ली। सरकार ने समतामूलक एवं गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिये 'राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान' (रूसा) को मार्च 2026 या अगली समीक्षा तक बढ़ाने को मंजूरी प्रदान कर दी ।

शिक्षा मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान' (रूसा) को 31 मार्च 2026 या अगली समीक्षा (इनमें से जो पहले आए) तक बढ़ाने को मंजूरी प्रदान की गई है।

मंत्रालय के बयान के अनुसार, इस पर 12,929.16 करोड़ रूपये

का खर्च आएगा जिसमें केंद्र का हिस्सा 8,120.97 करोड़ रूपये और राज्य का हिस्सा 4,808.19 करोड़ रूपये होगा ।

इसमें कहा गया है कि योजना के नये चरण के तहत करीब 1600 परियोजनाओं को समर्थन देने की संकल्पना की गई है।

गौरतलब है कि राष् ट्रीय उच् चतर शिक्षा अभियान (रूसा) एक केन् द्र प्रायोजित योजना है जिसमें समतामूलक एवं गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के संबंध में राज्यों सहित अन्य विश् वविद्यालयों और कॉलेजों को अवसंरचनात् मक सहायता प्रदान करने की व्यवस्था है।

मंत्रालय के बयान के अनुसार, राष् ट्रीय उच् चतर शिक्षा अभियान (रूसा) के नये चरण का लक्ष्य सुदूर एवं ग्रामीण इलाकों, दुर्गम भौगोलिक क्षेत्र, वामपंथी चरमपंथ प्रभावित क्षेत्र, पूर्वोत्तर, आकांक्षी जिलों, श्रेणी-2के शहर, कम सकल नामांकन दर वाले इलाकों तक लाभ पहुंचाना हैं ।

केंद्र सरकार ने डीआरएटी के अध्यक्ष पद पर नियुक्ति को मंजूरी दी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की नाराजगी के बाद केंद्र सरकार ने ऋण वसूली अपीलीय न्यायाधिकरण (डीआरएटी) के अध्यक्ष पद पर नियुक्ति को मंजूरी दी है। सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा था कि सरकार प्राधिकरण में नियुक्तियों को लेकर गंभीर नहीं है वह इस मुद्दे को काफी हल्के में ले रही है।

केंद्र सरकार ने पांच डीआरएटी के अध्यक्ष पद नियुक्ति किए जाने को मंजूरी दे दी। केन्द्रीय मंत्रिमंडल की नियुक्ति कमेटी ने वित्तीय सेवा विभाग के प्रस्ताव को मंजूर करते हुए डीआरएटी के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त को मंजूरी दी है। कमेटी ने डीआरएटी दिल्ली के अध्यक्ष के रूप में दिल्ली हाई कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस बृजेश सेठी को नियुक्त किया है। डीआरएटी मुंबई के अध्यक्ष केरल हाई कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस अशोक मेनन होंगे।

डीआरएटी कोलकाता के अध्यक्ष इलाहाबाद हाई कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस अनिल कुमार श्रीवास्तव, डीआरएटी चेन्नई के अध्यक्ष आंध्रप्रदेश हाई कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस एस रवि कुमार और डीआरएटी इलाहाबाद के अध्यक्ष पद पर इलाहाबाद हाई कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस राजेश दयाल खरे को बनाया गया है।

अदालत ने डीएमआसी-डैंपेल समझौते के विरूद्ध जनहित याचिका पर सुनवाई से किया इनकार

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को उस जनहित याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया जिसमें आरोप लगाया गया है कि रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर की आनुषांगिक कंपनी दिल्ली एयरपोर्ट मेट्रो एक्सप्रेस प्राइवेट लमिटेड (डैंपेल) और दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) के बीच के करार 'सरकारी पैसे पर धोखाधड़ी' है।

इस समझौते के सिलसिले में मध्यस्थ न्यायाधिकरण ने डीएमआरसी को डैंपल को 4600 करोड़ रूपये से अधिक की राशि का भुगतान करने का आदेश दिया था।न्यायमूर्ति मनमोहन की अगुवाई वाली पीठ ने कहा कि जनहित याचिका गलत धारणा पर आधारित , अध-पकी एवं बिना किसी आधार की है। वकील मनोहर लाल शर्मा ने अपनी याचिका में आरोप लगाया

है कि इस समझौते के चलते दिल्ली मेट्रो 'अनिल अंबानी के हाथों' में चली जाएगी।

न्यायमूर्ति मनमोहन, न्यायमूर्ति नवीन चावला की पीठ ने कहा कि यह अदालत तब इस याचिकाकर्ता के आरोपों का जनहित याचिका क्षेत्राधिकार में परीक्षण नहीं कर सकती है जब मध्यस्थ न्यायाधिकरण के फैसले की वैधता की जांच के वक्त उच्च न्यायालय एवं उच्चतम न्यायालय संबंधित करार(अनुबंध) को परख चुके हैं।

न्यायमूर्ति मनमोहन ने कहा, '' आप यह कहने के लिए किसी खबर के आधार पर नहीं आ सकते कि यह अनुबंध गड़बड़ है। यदि हम ऐसा करने लगते हैं तो अनुबंधों का क्या होगा? किसी के अनुसार किसी अनुबंध में कोई उपबंध सरकारी नीति के विरूद्ध हो सकता है और वह उसे चुनौती देने लगेगा... (तब)कौन निवेशक भारत आयेगा? यह जनहित याचिका मकसद नहीं है।''

पीठ ने कहा कि कई बार जनहित याचिका बस आधा-अधूरी अर्जी देकर अच्छे उद्देश्य को धराशायी करने तथा उसे (याचिका को) खारिज कराने के लिए दायर की जाती है। न्यायालय ने याचिकाकर्ता को कानून में उसके सामने उपलब्ध अन्य कानूनी रास्तों को आजमाने एवं कुछ शोध कर अदालत में आने को कहा ।

अदालत ने कहा, '' क्या आपने डीएमआरसी को लिखा है? क्या आपने अन्य को यह कहते हुए नोटिस दिया कि यह क्यों किया गया। ऐसा कुछ नहीं किया गया और आप सीधे उच्च न्यायालय आ गये। आपके पास वैकल्पिक उपाय हैं, उनका इस्तेमाल कीजिए। यह अधपकी एवं गलत धारणा पर आधारित है।''

अदालत ने स्पष्ट किया कि याचिकाकर्ता के आरोपों पर 'पूर्ण सुनवाई' की जरूरत है और यह जनहित याचिका क्षेत्राधिकार में नहीं की जा सकती है।

याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका वापस ले ली और कहा कि यह याचिका धन बचाने एवं करार को अमान्य घोषित करवाने के लिए दायर की गयी है।

मध्यस्थ न्यायाधिकरण ने मई, 2017 में डैंपेल के पक्ष में फैसला दिया था जो सुरक्षा मुद्दों को लेकर एयरपोर्ट मेट्रो लाइन को चलाने से पीछे हट गया था।

यूक्रेन संकट पर वाणिज्यिक उपग्रहों से प्राप्त चित्रों से मिल रही है जानकारी

वाशिंगटन। वाणिज्यिक उपग्रह से प्राप्त चित्रों में सामने आया है कि रूस की सेनाएं यूक्रेन को घेर रही हैं हालांकि, इस तस्वीरों की अपनी सीमाएं हैं। मैक्सर जैसी कंपनियों के वाणिज्यिक उपग्रहों से हाल में प्राप्त उच्च गुणवत्ता वाले चित्रों में सामने आया है कि यूक्रेन से लगती सीमा पर रूस के सैनिक, एयरफील्ड और तोपखाना तैनात किया जा रहा है।

दक्षिण बेलारूस और क्रीमिया में भी सैन्य जमावड़े की गतिविधियां सामने आई हैं जिसे रूस से 2014 में यूक्रेन से हथिया लिया था। इन तस्वीरों से अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों के अधिकारियों के दावे सही प्रतीत होते हैं कि रूसी सेनाएं उस स्थिति में हैं जहां से वह यूक्रेन पर हमला कर सकती हैं। हालांकि, वाणिज्यिक उपग्रहों से प्राप्त तस्वीरों में इसकी पुष्टि नहीं हो सकती कि रूस के कितने सैनिक एकत्र हैं या यूक्रेन पर हमला होगा या नहीं। अमेरिकी नौसेना के सेवानिवृत्त एडमिरल जेम्स स्टाव्रिडिस ने कहा कि मैक्सर से प्राप्त तस्वीरों से अच्छी जानकारी मिल सकती है लेकिन उतनी सटीक सूचना नहीं मिल सकती जितना अमेरिकी नेताओं को मिलती है।

दुबई पहुंचने पर जोकोविच का गर्मजोशी से स्वागत

दुबई। कोरोना का टीका नहीं लगवाने के कारण आस्ट्रेलिया ओपन नहीं खेल सके सर्बिया के टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच का दुबई पहुंचने पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया और वह दुबई एक्सपो में भी गए। जोकोविच यहां ड्यूटी फ्री टेनिस चैम्पियनशिप खेलने आये हैं। उन्होंने कहा ,'' सोमवार को फिर टेनिस कोर्ट पर लौटने से काफी रोमांचित हूं। जो कुछ हुआ उसके बाद मुझे टेनिस की कमी बहुत खली।'' दुबई में प्रवेश के लिये कोरोना का टीका लगवाने की शर्त नहीं है। यहां टेनिस टूर्नामेंट अगले सप्ताह से शुरू हो रहा है। जोकोविच ने एक्सपो 2020 में सर्बिया के पवेलियन का भी दौरा किया और प्रशंसकों के साथ सेल्फी खिंचवाई। पवेलियन में उनकी चैरिटी नोवाक जोकोविच फाउंडेशन के लिये एक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया था। यह फाउंडेशन सर्बिया में बाल शिक्षा के लिये काम करता है।

तुर्की में कोरोना मामलों में गिरावट की उम्मीद

अंकारा। तुर्की में अगले दो हफ्तों में कोरोना मामलों में गिरावट आने की उम्मीद है, क्योंकि रोजाना कोरोना मामलों में गिरावट आ रही है।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, तुर्की के स्वास्थ्य मंत्री फहार्टिन कोका ने कहा कि कोरोना के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन के सबसे ज्यादा मामले बड़े शहर इस्तांबुल में दर्ज किए गए, लेकिन अब शहर में संक्रमण में बीते 10 दिनों में 62 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है।

कोका ने कोरोनोवायरस विज्ञान बोर्ड की बैठक के बाद एक बयान में कहा, अन्य तुर्की शहरों में भी स्थिति समान है।

कोका ने कहा कि पिछले सप्ताह में वायरस के कारण अस्पताल में भर्ती होने में 28 प्रतिशत की गिरावट आई है। देश में स्वास्थ्य क्षमता तनावपूर्ण नहीं है।

तुर्की के स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि कोरोना के 92,406 नए मामले सामने आए और 258 लोगों की मौत हुई है।

स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति कोरोना पॉजिटिव

जिनेवा। स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति और विदेश मंत्री इग्नाजियो कैसिस कोरोना पॉजिटिव है। ये जानकारी एक सरकारी बयान से सामने आई है।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, गुरुवार को बयान में कहा, बुधवार दोपहर में कन्फेडरेशन के अध्यक्ष इग्नाजियो कैसिस ने म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए कोरोना टेस्ट करवाया। राष्ट्रपति की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है, जिसके बाद से वह आइसोलेशन में हैं।

इसमें कहा गया कि कैसिस में कोरोना का कोई लक्षण नहीं है और उनका स्वास्थ्य ठीक है और वह रविवार तक घर से काम करना जारी रखेंगे।

बयान में आगे कहा गया कि तब तक वह किसी भी नियोजित कार्यक्रम में भाग नहीं लेंगे और इसलिए म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे, जो इस सप्ताह शुक्रवार और शनिवार को आयोजित किया जाएगा।

स्विट्जरलैंड में गुरुवार से कोरोना महामारी के अधिकांश उपायों में ढील दी गई है, जिसमें दुकानों और रेस्तरां में मास्क अब अनिवार्य नहीं हैं, लोगों को इनडोर स्थानों में प्रवेश करने के लिए कोरोना सर्टिफिकेट दिखाने की जरूरत नहीं है और निजी सभाओं और बड़े आयोजनों में लोगों की संख्या पर लगे प्रतिबंध भी हटा लिए गए हैं।

ब्राजील में भूस्खलन, बाढ़ से मरने वालों की संख्या 105 तक पहुंची, 140 लोग लापता

ब्राजील। ब्राजील के रियो डी जनेरियो राज्य के पेट्रोपोलिस शहर में इस सप्ताह की शुरुआत में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन और बाढ़ के कारण मरने वालों की संख्या बढ़कर 105 हो गई, जबकि 140 लोग अभी भी लापता हैं।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, गुरुवार को एक बयान में, रियो डी जनेरियो नागरिक सुरक्षा अधिकारियों ने कहा कि कम से कम 400 अग्निशामक बचे लोगों की तलाश के लिए सेना के कर्मियों के साथ काम कर रहे हैं, भूस्खलन और बाढ़ से पेट्रोपोलिस का एक बड़ा हिस्सा नष्ट हो गया है। रियो डी जनेरियो शहर से लगभग 68 किमी उत्तर में स्थित पहाड़ी शहर में मंगलवार को भारी बारिश के कारण 50 से अधिक भूस्खलन हुए। 500 से अधिक परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया, जबकि बिजली ग्रिड और पेयजल आपूर्ति भी प्रभावित हुई।

रियो डी जनेरियो राज्य के गवर्नर क्लाउडियो कास्त्रो ने परिस्थितियों की तुलना युद्ध की स्थिति से की, जबकि पेट्रोपोलिस के मेयर के कार्यालय ने सार्वजनिक आपदा की स्थिति का फैसला किया और अगले 48 घंटों में और अधिक बारिश की संभावना के बारे में आबादी को अलर्ट जारी किया। इस बीच, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार मंत्रालय ने संकेत दिया कि नए भूस्खलन के जोखिम बहुत अधिक है, क्योंकि तीव्र बारिश ने मिट्टी में नमी का स्तर बढ़ा दिया।

कनाडा में प्रदर्शनरत ट्रक चालकों की अगुवाई करने वाले दो लोग गिरफ्तार

ओटावा । कनाडा की राजधानी ओटावा की सड़कों पर प्रदर्शन कर जाम लगाने वाले सैकड़ों ट्रक चालकों का नेतृत्व कर रहे दो नेताओं को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व कर रहे तमारा लिच और क्रिस बार्बर को पार्लियामेंट हिल इलाके के पास से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने लगभग तीन सप्ताह से चल रहे विरोध प्रदर्शनों को समाप्त करने की प्रदर्शनकारियों को चेतावनी दी है, लेकिन प्रदर्शनकारी ट्रक चालक वहीं डटे हैं और अपने-अपने ट्रकों के हॉर्न बजाकर वहां से नहीं हटने का संकेत दे रहे हैं।

दरअसल, कनाडा में इन दिनों कोविड-19 टीकाकरण और वैश्विक महामारी संबंधी पाबंदियों के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। ट्रक चालकों की अगुवाई में प्रदर्शनकारियों ने कनाडा की राजधानी ओटावा में ट्रकों के साथ जाम लगा दिया है और कई जगह कनाडा से अमेरिका जाने वाला मार्ग बाधित कर दिया है।

बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी ओटावा के पार्लियामेंट हिल इलाके में पहुंचे और उन्होंने सरकारी इमारतों के चारों ओर कटीले तार लगाकर उनकी घेराबंदी कर दी।

पुलिस ने शहर के अधिकांश इलाकों को बाहरी लोगों के लिए सील करना शुरू कर दिया है ताकि प्रदर्शनकारियों की सहायता के लिए उन्हें आने से रोका जा सके।

ओटावा पुलिस के अंतरिम प्रमुख स्टीव बेल ने कहा कि खतरे की आशंका को देखते हुए यह कार्रवाई जरूरी है। स्टीव बेल ने कहा, ''हम इस गैरकानूनी प्रदर्शन को समाप्त करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं।''

चीन ने क्वाड की आलोचना करते हुए इसे छोटा गुट बताया

संयुक्त राष्ट्र। चीन ने भारत, जापान, आस्ट्रेलिया और अमेरिका को मिलाकर बनाए गए संगठन क्वाड की आलोचना करते हुए इसे छोटा गुट करार दिया और कहा कि इससे आपसी संघर्ष को बढ़ावा मिलेगा जो उन्हीं के लिए नुकसानदायक साबित होगा।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में चीन के स्थायी प्रतिनिधि झांग जुआन ने गुरूवार को कहा एशिया प्रशांत क्षेत्र में देशों की गुटबाजी कर अमेरिका त्रिपक्षीय तथा चतुर्पक्षीय छोटे गुटों का निर्माण कर रहा है। ऐसा करके वह इस क्षेत्र में संघर्ष को बढ़ावा देने पर उतारू है।

गौरतलब है कि पिछले हफ्ते आस्ट्रेलिया की राजधानी मेलबर्न में इन चारों देशों के विदेश मंत्रियों ने एक बैठक में भारत -प्रशांत क्षेत्र में किसी भी देश की जोर जबदस्ती को दूर करने की अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की थी।

सुरक्षा परिषद में यूक्रेन मसले पर जुआन ने नाटो पर यूरोप में विवाद के साथ भारत प्रशांत क्षेत्र के घटनाक्रम को जोड़ने की कोशिश की। उन्होंने अपने संबोधन में अमेरिका का नाम नहीं लिया लेकिन एक देश का जिक्र किया जो स्पष्ट करता है कि उनका इशारा किस तरफ था। जुआन ने कहा यह जो कर रहा है वह केवल एशिया प्रशांत को विभाजन और उथल-पुथल की तरफ ले जाएगा और इससे क्षेत्र के देशों की हानि होगी । इससे शांति और

स्थिरता को गंभीर नुकसान होगा जबकि ऐसा करके उसे खुद के लिए कुछ भी नहीं मिल रहा है।

उन्होंने कहा, चीन संबंधित देशों से इतिहास से सबक लेने का आग्रह करता है। क्वाड देशों को आपसी विश्वास बढ़ाने और बातचीत तथा परामर्श के माध्यम से विवादों को निपटाने के दृष्टिकोण का पालन करना चाहिए। इस दिशा में वे विश्व शांति और क्षेत्रीय स्थिरता में योगदान करने के लिए अधिक प्रयास करें।

उन्होंने रूस का समर्थन करते हुए कहा नाटो का विस्तार एक ऐसा मुद्दा है जिसे यूक्रेन से संबंधित मौजूदा तनाव से निपटने के दौरान नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। शीत युद्ध के मद्देनजर नाटो का निरंतर विस्तार हमारे समय की प्रवृत्ति के विपरीत है, जो सामान्य सुरक्षा बनाए रखना है। यह जितना विश्व के अन्य देशों पर लागू होता है उतना ही यूरोपीय क्षेत्र पर लागू होता है। लेकिन एक देश है जो शीत युद्ध की मानसिकता को त्यागने से इनकार करता है।

गौरतलब है कि क्वाड एक सुरक्षा गठबंधन नहीं है और इसका एक संगठन बनने का भी कोई घोषित लक्ष्य नहीं है। इसका अहम लक्ष्य क्षेत्रीय सहायता कार्यक्रमों में सहयोग पर रहा है। लेकिन हिंद-प्रशांत क्षेत्र को किसी देश की आक्रामकता और जबरदस्ती से मुक्त के लिए इसकी प्रतिबद्धता के बयान से चीन में बेचैनी है।

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर, अमेरिकी विदेश मंत्री एंथानी ब्लिंकन ,ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री मारिस पायने और जापान के विदेश मंत्री हयाशी योशिमासा ने मेलबर्न बैठक के बाद एक संयुक्त बयान में कहा कि उन्होंने एक स्वतंत्र और खुले भारत- प्रशांत क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए भारत -प्रशांत देशों के प्रयासों का समर्थन किया। भारत-प्रशांत -एक ऐसा क्षेत्र जो समावेशी और लचीला है, और ये देश अपने लोगों के हितों की रक्षा के लिए किसी भी तरह की जोर जबरदस्ती को विरोध करते हैं।

अमेरिकी सीनेट भी यूक्रेन के साथ, सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित

वाशिंगटन। यूक्रेन पर रूस के हमले की आशंकाओं के बीच अमेरिकी सीनेट ने यूक्रेन के साथ होने की बात कही है। इस संबंध में सर्वसम्मति से पारित प्रस्ताव में रूस के संभावित हमले की स्थिति में स्वतंत्र और लोकतांत्रिक यूक्रेन के समर्थन की बात कही गई है।

अमेरिकी सीनेट ने यूक्रेन की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने का प्रस्ताव पारित किया है। इसके लिए राजनीतिक व राजनयिक मदद के साथ अतिरिक्त घातक और गैर-घातक सुरक्षा सहायता प्रदान करने की वचनबद्धता प्रकट की गई है।

यह भी कहा गया है कि क्षेत्रीय अखंडता को बहाल करने के लिए यूक्रेन की सरकार के प्रयासों का समर्थन किया जाएगा। अमेरिकी सीनेट ने राष्ट्रपति जो बाइडन से यूक्रेन पर रूसी हमले की स्थिति में तत्काल पाबंदियां लगाने को भी कहा गया है।

अफगानिस्तान के बैंक की फीज परिसंपत्तियों को विभाजित करने के बाइडेन के फैसले की अफगानी उद्योगपतियों ने निंदा की

काबुल। अफगानिस्तान वाणिज्य उद्योग मंडल और खनन संगठन ने अफगानिस्तान की सात अरब डालर की जमा फ्रीज परिसंपत्तियों को सितंबर 2001 के पीड़ितों तथा अफगानी लोगों के कल्याण संबंधी मद में विभाजित करने के अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के फैसले पर कड़ी आपत्ति की है।

संगठन के कार्यकारी अध्यक्ष अल हाजी शाखी अहमद पैमान ने गुरूवार को यहां पत्रकारों को बताया अफगानिस्तान की पांच हजार फैक्टरियों और खदान कंपनियों की ओर से मैं बाइडेन के इस निर्णय की

कड़ी निंदा करता हूं और यह अन्यायपूर्ण है। हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं।

उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान उद्योग मंडल और खदान संगठन में लगभग चार लाख लोग प्रत्यक्ष और 15 लाख लोग अप्रत्यक्ष रूप से काम कर रहे हैं। अमेरिका खुद को मानवाधिकारों और लोकतंत्र की आजादी का रहनुमा मानता है। अगर अमेरिका किसी भी तरह के बहाने की आड़ में अफगानिस्तान की परिसंत्तियों को अपने कब्जे में रखना चाहता है तो इस कदम का ना केवल अफगानिस्तान बल्कि विदेशों में भी विरोध किया जाएगा। गुरूवार को हजारों अफगानियों ने बाइडेन के इस फैसले का कड़ा विरोध करते हुए विरोध प्रदर्शन किया और अफगानिस्तान की फ्रीज की गई परिसंपत्तियों को लौटाने की मांग की है।

विश्व में कोरोना से जान गंवाने वालों की संख्या पहुंची 58.62 लाख के पार

वाशिंगटन । कोरोना वायरस महामारी की रफ्तार भारत सहित दुनिया के कई हिस्सों में भले ही धीमी पड़ती नजर आ रही है, लेकिन नये मामले और इससे होने वाली मौतों का क्रम अब भी बना हुआ है, जो चिंता का विषय है। दुनिया भर में कोरोना वायरस संक्रमण की चपेट में आकर मरने वालों की संख्या बढ़कर 58,62,560 हो गयी है तथा संक्रमितों की संख्या बढ़कर 41,96,83,838 हो गयी है।

अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के कोरोना वायरस रिसोर्स सेंटर की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक, अब तक विश्व भर में कोरोना वैक्सीन की कुल 10,30,46,87,211 डोज दी जा चुकी है।

दुनिया भर में कोरोना संक्रमण के शीर्ष दस देशों में अमेरिका पहले स्थान पर है, जहां इस महामारी के कुल मामलों की संख्या 7,82,69,443 और अब तक कुल 9,31,741 लोगों की मौत हो चुकी है।

दूसरे स्थान पर भारत है, जहां कोविड संक्रमितों की कुल संख्या 4,27,80,235 हो गई है जबकि कोविड-19 के कारण अब तक जान गंवाने वाले लोगों का आंकड़ा बढ़कर 5,10,905 हो गया है।

इसके बाद इटली तीसरे स्थान पर है, जहां संक्रमितों की कुल संख्या 1,23,23,398 है, जबकि देश में मृतकों का आंकड़ा 1,52,282 हो गया है।

ब्राजील में कोरोना से अब तक 2,79,40,119 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 6,42,156 लोगों की मौत हो चुकी है। फ्रांस में कोविड-19 से 2,22,23,882 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 1,37,143 लोगों की मौत हुई है।

जर्मनी में वैश्विक महामारी से अभी तक 1,33,09,040 लोग प्रभावित हुए हैं। देश में मृतकों का आंकड़ा 1,20,997 तक पहुंच गया है। वहीं, ब्रिटेन में अभी तक करीब 1,86,28,702 लोग इस महामारी से प्रभावित हो चुके हैं, जबकि 1,60,785 लोगों की इस जानलेवा वायरस से मौत हो चुकी है। स्पेन में कोरोना से अब तक 1,07,78,607 लोग प्रभावित हुए हैं तथा 97,710 लोगों की मौत हो चुकी है।

रूस में कोरोना के मामलों की संख्या बढ़कर 1,46,24,423 हो गई है और इस महामारी से अब तक 3,36,299 लोगों की मौत हो गयी है। तुर्की में कोरोना संक्रमितों की कुल संख्या 1,32,66,265 हो गई है। देश में कोरोना संक्रमण से अब तक 91,646 लोग जान गंवा चुके हैं।

रूस-यूक्रेन के बीच 57 बार टूटा युद्धविराम, अमेरिका ने जारी की चेतावनी

कीव। यूक्रेन की सीमा से सेना हटाने के रूस के दावों के बावजूद रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध की आशंकाएं बनी हुई हैं। अमेरिका ने इसे लेकर चेतावनी जारी की है। वहीं, यूक्रेन के रिहायशी इलाकों में बमों के धमाके गूंज रहे हैं।

दोनों देशों के बीच 57 बार युद्ध विराम टूटने से लोग दहशत में हैं।

रूस और यूक्रेन के बीच तनाव कम होने का नाम नहीं ले रहा है। यूक्रेन के नियंत्रण वाले क्षेत्र डोनबास में गोलीबारी की कई घटनाएं हो चुकी हैं। गोलाबारी के कारण स्टेनित्सा लुहांस्का के एक घर में आग लग गई। कुछ स्कूलों पर भी हमला हुआ है। इन हमलों के लिए रूस के अलगाववादियों को जिम्मेदार माना जा रहा है, जबकि रूस का कहना है कि ये हमले यूक्रेन की सेना कर रही है।

दोनों देश भले ही इन हमलों के लिए एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं, किन्तु इन घटनाओं को युद्ध की आहट के तौर पर भी देखा जा रहा है। अमेरिका सहित कई पश्चिमी देशों ने कहा है कि रूस कभी भी यूक्रेन पर हमला कर सकता है।

अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से कहा कि यूक्रेन के पास मौजूद डेढ़ लाख रूसी सैनिक आने वाले दिनों में यूक्रेन पर हमले की योजना बना रहे हैं। इस बीच रूस ने अपने युद्धपोत से काला सागर में तोप से गोले दागे हैं। फ्लीट कमांडर एडमिरल इगोर ओसिपोव के नेतृत्व में इसे सैन्य अभ्यास करार दिया गया है।

इजरायल ने पाकिस्तान के साथ सैन्य अभ्यास में लिया हिस्सा

नई दिल्ली। इजरायली नौसेना ने पुष्टि की है कि उसने पाकिस्तान, सऊदी अरब और कुछ अन्य देशों के साथ अमेरिका के नेतृत्व वाले अभ्यास में भाग लिया है, जिनके यहूदी देश के साथ राजनयिक संबंध नहीं हैं।

अमेरिकी नौसेना ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि 31 जनवरी से शुरू हुए अंतरराष्ट्रीय समुद्री अभ्यास (आईएमएक्स) में 60 सेनाओं के 9,000 से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया।

प्रतिभागियों में पाकिस्तान, सऊदी अरब, ओमान, कोमोरोस, जिबूती, सोमालिया और यमन

शामिल थे, जिनके इजरायल के साथ राजनयिक संबंध नहीं हैं।

कई देशों के साथ इजरायल ने हाल ही में संबंधों को सामान्य किया है- जैसे संयुक्त अरब अमीरात और बहरीन - ने भी अभ्यास में भाग लिया। रिपोर्ट में कहा गया है कि बहरीन अमेरिका का करीबी सहयोगी है और अमेरिकी नौसेना के पांचवें बेड़े की मेजबानी करता है।

अमेरिकी नौसेना ने कहा कि द्विवार्षिक अभ्यास 2012 में शुरू किया गया था और यह मध्य पूर्व में सबसे बड़ा बहुराष्ट्रीय नौसैनिक अभ्यास बन गया है।

इजराइली मीडिया ने बताया कि यह उन देशों के साथ सैन्य अभ्यास में देश की पहली भागीदारी थी, जिनके राज्य के साथ राजनयिक संबंध नहीं हैं। यूएस 5वें फ्लीट के प्रमुख, एडमिरल ब्रैड कूपर ने भी दोनों नौसेनाओं के बीच बढ़ते संबंधों की सराहना की। कूपर ने कहा, यह संयुक्त अभ्यास अंतरराष्ट्रीय कानून और व्यवस्था की रक्षा के लिए हमारे दृढ़ संकल्प को प्रदर्शित करता है।

जी20 देश भविष्य में महामारी प्रतिक्रिया के लिए स्थायी वित्तपोषण योजना चाहते हैं

जकर्ता। जी20 देशों के वित्त मंत्री और केंद्रीय बैंक गवर्नर संभावित भविष्य की महामारियों का सामना करने और देशों के बीच स्वास्थ्य प्रणालियों में अंतराल को कम करने के लिए स्थायी अंतर्राष्ट्रीय वित्तपोषण योजना की मांग कर रहे हैं।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, वित्तीय नेताओं ने गुरुवार को जकार्ता में आयोजित दो दिवसीय जी20 वित्त मंत्रियों और सेंट्रल बैंक गवर्नर्स की बैठक के दौरान, व्यक्तिगत रूप से मुद्दों को संबोधित किया।

इंडोनेशिया के वित्त मंत्री श्री मुल्यानी इंद्रावती ने एक पैनल चर्चा में जी20 प्रतिभागियों को बताया कि कोविड -19 महामारी ने खुलासा किया है कि वैश्विक स्वास्थ्य प्रणाली

महामारी का सामना करने के लिए पर्याप्त रूप से तैयार नहीं है और वैश्विक वित्तपोषण प्रणाली अभी भी अपर्याप्त है।

उन्होंने कहा कि इसलिए, जी20 सदस्य देशों को वैश्विक स्वास्थ्य प्रणाली मजबूत बनाने के लिए सहयोग करना चाहिए, जिसके लिए वास्तव में अधिक निवेश और वित्तीय संसाधन जुटाने की आवश्यकता है। विश्व बैंक समूह के अध्यक्ष डेविड मलपास ने सुझाव दिया कि जी20 देश बहुपक्षीय मंचों का निर्माण करें, जो विकासशील और कम आय वाले देशों को संकट से बाहर निकलने में मदद कर सकें।

भारतीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि निम्न और मध्यम आय वाले देशों के पास महामारी से निपटने के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं हैं और उन्हें वैश्विक समर्थन की आवश्यकता है।

इस प्रकार, उन्होंने जी20 सदस्य देशों को वैश्विक महामारी की तैयारियों में अंतराल को कम करने के सरल तरीकों में से एक के रूप में टीकों का शीघ्र और न्यायसंगत वितरण सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहित किया।

नॉर्वेजियन अंतर्राष्ट्रीय विकास मंत्री ऐनी बीथे ट्वीनरेइम ने कहा कि टीकों के अलावा, देशों को स्वास्थ्य सुरक्षा में अंतरराष्ट्रीय निवेश बढ़ाकर मजबूत स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे के निर्माण में भी समन्वय करना चाहिए।

हमें विखंडन से बचना चाहिए और समावेशन के लिए जोर देना चाहिए। हमें कम आय वाले देशों से भी सहयोग की जरूरत है। उन्हें वैध माना जाना चाहिए।

इस बीच, अमेरिकी ट्रेजरी सचिव जेनेट येलेन ने महामारी की रोकथाम और तैयारियों के लिए वैश्विक निवेश के रूप में, सीधे दाताओं द्वारा नियंत्रित एक नया अलग वैश्विक स्वास्थ्य कोष प्रस्तावित किया।

उनके प्रस्ताव के तहत, फंड का इस्तेमाल आपातकालीन फंड, टीके और अन्य चिकित्सा जरूरतों को पूरा करने के लिए किया जाएगा।

'मैं दुनिया का पहला स्वीट आतंकवादी हूं'- अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली। पंजाब विधानसभा चुनाव 2022 से पहले डॉ कुमार विश्वास के खालिस्तान और केजरीवाल से जुड़े बयानों पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जवाब दिया है।

कुमार विश्वास, राहुल-प्रियंका और प्रधान मंत्री के आरोपों के संबंध में केजरीवाल ने कहा कि तमाम बयान हास्यास्पद हैं।

उन्होंने ट्वीट कर कहा कि मैं दुनिया का पहला स्वीट आतंकवादी हूं, जो लोगों के लिए स्कूल बनवाता हूं, अस्पताल बनवाता हूं, बिजली ठीक करता हूं। अंग्रेज भगत सिंह से

खौफ खाते थे। इसलिए उन्हें आतंकवादी बोलते थे। मैं भगत सिंह का चेला हूं।

उल्लेखनीय है कि पंजाब विधानसभा चुनाव 2022 के लिए 20 फरवरी को मतदान होना है। इससे पहले आम आदमी पार्टी के संस्थापक सदस्यों में एक डॉ कुमार विश्वास ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का नाम लिए बिना एक बयान में आरोप लगाया था कि वे सत्ता लोलुप हैं। विश्वास ने दावा किया कि केजरीवाल खालिस्तान के प्रधानमंत्री बनने का सपना भी देख चुके हैं।

मृत व्यक्ति के खिलाफ आयकर पूनर्मूल्यांकन नोटिस अवैध : हाईकोर्ट

नई दिल्ली। उच्च न्यायालय ने कहा है कि किसी मृत व्यक्ति के खिलाफ आयकर पुनर्मूल्यांकन के लिए नोटिस जारी नहीं किया जा सकता है। न्यायालय ने आयकर विभाग द्वारा 2019 में एक मृत व्यक्ति के आय के पुनर्मूल्यांकन के लिए जारी नोटिस को रद्द करते हुए यह टिप्पणी की है।

जस्टिस मनमोहन और नवीन चावला की पीठ ने अपने फैसले में कहा कहा है कि आयकर अधिनियम की धारा 148 के तहत

मृत व्यक्ति के खिलाफ जारी आयकर पुनर्मूल्यांकन नोटिस अवैध है।

पीठ ने सविता कपिला बनाम सहायक आयकर आयुक्त के मामले में पारित विस्तृत फैसले का हवाला देते हुए यह टिप्पणी की है। उक्त मामले में यह तय किया गया था कि 'आयकर के पुनर्मूल्यांकन के लिए अधिकार क्षेत्र प्राप्त करने की अनिवार्यता यह है कि अधिनियम की धारा 148 के तहत नोटिस एक सही व्यक्ति को जारी किया जाना चाहिए, न कि किसी मृत व्यक्ति को। उच्च न्यायालय ने आयकर अधिनियम की धारा 148 के तहत आयकर अधिकारी द्वारा जारी एक नोटिस को चुनौती देने वाली याचिका का निपटारा करते हुए यह फैसला दिया है।

याचिका में आयकर निर्धारण अधिकारी द्वारा पारित आदेश समेत सभी परिणामी कार्यवाहियों को रद्द करने की मांग की गई थी। उच्च न्यायालय में यह याचिका उस मृतक व्यक्ति के बेटे ने दाखिल की थी, जिसे 2019 में आयकर विभाग ने आय के पुनर्मूल्यांकन नोटिस जारी किया था। इसके बाद विभाग ने अधिनियम की धारा 142 (1) के तहत एक और नोटिस जारी किया गया था। इतना ही नहीं, इन नोटिस का जवाब नहीं मिलने के बाद विभाग ने पहले कारण बताओ नोटिस और फिर आयकर अधिनियम की धारा 221 (1) और 271(1)बी के तहत जुर्माना कार्यवाही का नोटिस भी जारी कर दिया था। आयकर विभाग से जुर्माने का नोटिस मिलने के बाद मृत व्यक्ति के बेटे धर्मराज ने उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल कर सभी कार्यवाहियों को रद्द करने की मांग की थी।

कीर्ति नगर में नाबालिग से दुष्कर्म के आरोप में पड़ोसी गिरफ्तार

नई दिल्ली। पश्चिम दिल्ली के कीर्ति नगर इलाके में 14 वर्षीय लड़की से उसके पड़ोसी ने कथित तौर पर दो बार दुष्कर्म किया।

पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि आरोपी सर्वेश (27) को पीड़िता की शिकायत पर गिरफ्तार कर लिया गया और भारतीय दंड संहिता तथा यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पोक्सो) कानून की संबंधित धाराओं के तहत बुधवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पीड़िता कीर्ति नगर में रहती है।

अधिकारी ने बताया कि नाबालिग लड़की ने आरोप लगाया कि उसके पड़ोसी सर्वेश ने गत दिसंबर में उससे दुष्कर्म किया और इसके पांच दिन बाद फिर से दुष्कर्म किया।

उन्होंने बताया कि लड़की ने अपनी मां को यह बात बतायी और उसने पुलिस में शिकायत की तथा उसी दिन आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

कुमार विश्वास की सुरक्षा की समीक्षा कर रहा है केंद्र

नई दिल्ली। केंद्र सरकार आम आदमी पार्टी (आप) के पूर्व नेता कुमार विश्वास की सुरक्षा की समीक्षा कर रही है और उन्हें एक केंद्रीय एजेंसी के जरिए सुरक्षा मुहैया करायी जा सकती है। आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

विश्वास के आप संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ आरोप लगाए जाने के बाद यह कदम उठाया गया है।

सूत्रों ने बताया, ''सरकार कुमार विश्वास की सुरक्षा की समीक्षा कर रही है। समीक्षा करने के बाद तथा खुफिया सूचनाओं के आधार पर खतरे का आकलन करते हुए उन्हें सुरक्षा दे सकती है।'' समीक्षा के बाद विश्वास को एक केंद्रीय सुरक्षा एजेंसी के जरिए सुरक्षा दी जा सकती है।

विश्वास ने पंजाब में विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार के दौरान केजरीवाल पर अलगाववादियों का समर्थन करने का आरोप लगाया था।

पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए मतदान 20 फरवरी को होगा।

ग्रेटर कैलाश में इमारत का एक हिस्सा ढहा, दो श्रमिक घायल

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के ग्रेटर कैलाश इलाके में शुक्रवार को एक इमारत तोड़ने के दौरान दो मजदूर घायल हो गए। पुलिस ने इसकी जानकारी देत हुए बताया कि ग्रेटर कैलाश-1 थाने को सुबह करीब 10:05 बजे सूचना मिली कि इमारत का एक हिस्सा गिरने से कुछ मजदूर घायल हो गए हैं।

मौके पर पहुंची पुलिस को पता चला कि नव निर्माण के लिए ई-162 संख्या वाली इमारत को गिराया जा रहा है। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) बेनिता मैरी जैकर ने बताया कि दूसरी मंजिल को तोड़ने के दौरान पीछे की दीवार का एक हिस्सा अचानक गिर गया और इसमें दो मजदूर घायल हो गए। उन्होंने बताया कि घायलों की पहचान हरवेश (28) के रूप में हुई है, जिसके सिर पर गंभीर चोट आई है और अजय पाल (22) के पैर में मामूली चोट आई है। उनहोंने बताया कि ये दोनों उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले के रहने वाले हैं। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि उन्हें उपचार के लिए एम्स भेजा गया है।

एचएसएससी ने सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सी –डैक) के साथ की साझेदारी

नई दिल्ली। भारत में स्मार्ट हेल्थकेयर वर्कफोर्स (एसएचडब्ल्यू) के विकास की दिशा में काम करने के इरादे से हेल्थकेयर सेक्टर स्किल काउंसिल और सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सी–डैक) ने आज सेंटर फॉर एक्सीलेंस (सीओई) स्थापित करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। यह उभरती टेक्नोलॉजी में स्वास्थ्य कर्मियों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम विकसित करने और इससे स्मार्ट टेक्नोलॉजी के लिए स्मार्ट हेल्थकेयर श्रमबल तैयार करने में मदद मिलेगी। सेंटर फॉर एक्सीलेंस स्वास्थ्य उद्योग के साथ साझेदारी में दक्षता केंद्र स्थापित करने की दिशा में शोध की भी सुविधा देगा। समझौता पत्र पर एचएसएससी के सीईओ आशीष जैन और सी–डैक मोहाली की ओर से इसके कार्यकारी निदेशक डॉ. पीके खोसला ने हस्ताक्षर किए। एचएसएससी के सीईओ आशीष जैन ने बताया कि सीओई स्वास्थ्य सेक्टर से जुड़े डिजिटल स्वास्थ्य, कृत्रिम बुद्धिमता, स्वास्थ्य तकनीक, 3डी प्रिंटिंग, साइबर सुरक्षा और अन्य टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में स्वास्थ्य उत्पादों/समाधानों के इस्तेमाल के लिए दक्षता विकास/ दक्षता कार्यक्रमों एवं स्वास्थ्य सेवा के प्रोफेशनल्स के प्रशिक्षण को विकसित करेगा। यह उल्लेखनीय पहल आवश्यक दक्षता जरूरतों के अधिग्रहण के बाद टेक्नोलॉजी से तालमेल बनाने के लिए शोधकर्ताओं और स्वास्थ्य सेवा प्रोफेशनल्स की सक्रिय भागीदारी के जरिये कृत्रिम बुद्धिमत्ता और स्वास्थ्य टेक्नोलॉजी में शोध एवं विकास को प्रोत्साहित करने के लिए शुरू की गई है। हेल्थकेयर सेक्टर स्किल काउंसिल के चेयरमैन डॉ. नरेश त्रेहन ने अपने संदेश में कहा, टेक्नोलॉजी की भूमिका बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए गेम चेंजर के रूप में तेजी से बढ़ती जा रही है। स्वास्थ्य कर्मियों को नई उभरती टेक्नोलॉजी का प्रशिक्षण देने की जरूरत महसूस करते हुए एचएसएससी एकेडमिक कमेटी के तहत फ्यूचर स्किल्स इन हेल्थ टेक एक विशेष समिति बनाई गई है। मैं अपेक्षा करता हूं कि एचएसएससी और सी–डैक् के बीच यह साझेदारी नई टेक्नोलॉजी में स्वास्थ्य कर्मियों को तैयार करने के लिए उद्योग से जुड़े कोर्स को समृद्ध बनाएगी। एचएसएससी एकेडमिक कमेटी के चेयरमैन डॉ. देवी शेट्टी बताते हैं, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) टेक्नोलॉजी देश में दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं में एक अपरिहार्य और अनिवार्य बदलाव का अगुआ बनेगी। स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एआई की सबसे बड़ी चुनौती न सिर्फ यह है कि इसे उपयोगी बनाना होगा, बल्कि प्रतिदिन की क्लिनिकल प्रैक्टिस में भी इसे सरल तरीके से अपनाने की भी चुनौती होगी। यह साझेदारी हमारे स्वास्थ्य कर्मियों को टेक्नोलॉजी समझने और इसके विकास में भागीदारी तथा अपनाने की प्रक्रिया के लिए तैयार करने की दिशा में पहला कदम है। इससे उनकी दक्षता बढ़ाते हुए न सिर्फ उन्हें भविष्य के लिए तैयार किया जा सकेगा, बल्कि भविष्योन्मुखी टेक्नोलॉजी अपनाने के लिए संपूर्ण परिवेश को भी मदद मिलेगी।

पूर्वी दिल्ली नगर निगम द्वारा 133 सहायक शिक्षकों को प्रिंसिपल के पद पर किया प्रमोशन

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली नगर निगम ने अपने विद्यालयों में कार्यरत 133 सहायक शिक्षकों का प्रिंसिपल के पद पर प्रमोशन कर दिया गया है। अब पूर्वी दिल्ली नगर निगम के सभी मॉडल स्कूलों तथा वे स्कूल जहां 500 से ज्यादा बच्चें पढ़ते है, उनमें

प्रिंसिपल के रिक्त पदों को भर दिया गया है। निगमायुक्त, श्री विकास आनंद ने बताया कि 2017 के बाद पूर्वी निगम के स्कूलों में कोई पदोन्नति नहीं हुई थी। उन्होंने कहा कि पूर्वी निगम द्वारा 133 सहायक शिक्षकों को प्रिंसिपल के पद पर प्रमोशन करने से स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता के विभिन्न योजनाएं बनाने और उनको क्रियान्वित करने तथा निर्देशित करने का कार्य बेहतर रूप से किया जा सकेगा।

निगमायुक्त, श्री विकास आनंद ने जानकारी देते हुए बताया कि अब दिल्ली के तीनों निगमों द्वारा अपने-अपने निगमों के कर्मचारियों का प्रमोशन स्वयं किया जायेगा और इस संबंध में दिल्ली के तीनों निगमायुक्तों की बैठक के बाद 18 जनवरी 2022 को एक सर्कुलर भी निकाला गया है जिसमें कहा गया है तीनों निगम अपने कर्मचारियों का प्रमोशन स्वंय करेगा। उन्होंने कहा कि इससे कर्मचारियों के प्रमोशन में होने वाले विलंब को दूर किया जा सकता है। बता दें कि इससे पहले दिल्ली नगर निगम के त्रिविभाजन के पश्चात तीनों निगमों के कर्मचारियों की पदोन्नति का कार्य उत्तरी दिल्ली नगर निगम द्वारा किया जाता था।

दक्षिण दिल्ली के गांवों में पेड़ों की अवैध कटाई पर एनजीटी ने वन विभाग को रोक लगाने को कहा

रवि शंकर तिवारी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने दक्षिण दिल्ली में भाटी और फतेहपुर बेरी गांवों में 18 एकड़ भूमि में अतिक्रमण और पेड़ों की अवैध कटाई पर कड़ा रूख अपनाते हुए वन विभाग को इन पर रोक लगाने के निर्देश दिए हैं।

जस्टिस बृजेश सेठी की पीठ ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए दक्षिण दिल्ली के वन संरक्षक को 15 दिनों की अवधि में इन क्षेत्रों का दौरा कर छह हफ्ते में कार्रवाई रिपोर्ट अधिकरण को सौंपने के निर्देश दिए हैं।

याचिकाकर्ता मनिंदर सिंह ने अपनी याचिका में कहा है कि

प्रतिवादी परफेक्ट बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए के सूद और फर्स्ट रेट सॉल्युशंस प्राइवेट लिमिटेड इन गांवों में 18 एकड़ से अधिक की कृषि भूमि को गैर कृषि कार्यों के लिए बेच रहे हैं और बिना किसी अनुमति के पेड़ों की अवैध रूप से कटाई कर रहे हैं। याचिकाकर्ता के वकील ने बताया कि इससे पहले अधिकरण ने एक दिसंबर 2021 को पारित अपने आदेश में कहा था कि दिल्ली वृक्ष संरक्षण अधिनियम 1994 के तहत संबंधित अधिकारी को इस जमीन पर हो रही पेड़ों की कटाई के मामले को प्राथमिकता से देखना है। इसके बाद याचिकाकर्ता ने संबंधित अधिकारी से संपर्क किया और छह दिसंबर 2021 को उन्हें एक पत्र लिखा था। इसके एक माह बाद दूसरा पत्र भेजा गया लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

अधिकरण ने 16 फरवरी को पारित अपने आदेश में इस मामले में कार्रवाई करने का निर्देश देते हुए कहा कि अगर वन अधिकारी को किसी तरह की सहायता की कोई जरूरत है तो वह याचिकाकर्ता से ले सकते हैं और याचिकाकर्ता इसके लिए इच्छुक हैं।

डॉ अनिल चतुर्वेदी जी के निर्देशन में निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर

नई दिल्ली। गीता कॉलोनी थाना में गोयल हॉस्पिटल एंड यूरोलॉजी

सेण्टर कृष्णा नगर टीम द्वारा डॉ अनिल चतुर्वेदी जी के निर्देशन में निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर लगाया गया। इसमें निःशुल्क बी पी, शुगर, जनरल बॉडी चेकअप किया गया। इस अवसर पर डॉ अनिल गोयल जी ने कहा शिविर में 100 से भी ज्यादा लोगो ने निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर का लाभ उठाया। लेकिन चिंता का विषय ये है की काफी लोगो में डायबिटीज़ और हाई ब्लड प्रेसर पाया गया इसलिए आगे भी फॉलो अप के लिए हमारे डॉक्टर्स देखते रहेंगे जिससे की किसी को डायबिटीज़, हाईपर टेंशन की कॉम्प्लीकेशन्स नहीं हो। हमारा ये मानना है डायबिटीज़, हाईपर टेंशन एक साइलेंट किलर है जो बहुत सारे ऑर्गन को डैमेज कर देता है। लिवर, हार्ट, स्किन इनके लिए जैसे ही आपको पता चले तुरंत निरंतर जाँच कराते रहना चाहिये। डॉ के अनुसार दवाइयाँ लेते रहे इससे आप स्वस्थ रहेंगे एवं आपके ऑर्गन डैमेज होने से बच जायेंगे और घी नमक मीठा खाने से परहेज करेंगे तो आप अपने आप को ज्यादा समय तक स्वस्थ रख सकेंगे।

भारतीय नौजवानों की बौद्धिक क्षमता अद्भुत : ओम बिरला

(महाराजा अग्रसेन इंजीनियरिंग कॉलेज में वार्षिक उत्सव एवं पारितोषिक वितरण समारोह का आयोजन)

आनंद राय

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने कहा है कि न केवल भारत की खुशहाली बल्कि विश्व के हर देश की प्रगति में भारतीय नौजवानों का महत्वपूर्ण योगदान है। रोहिणी सेक्टर 22 स्थित महाराजा अग्रसेन इंजीनियरिंग कॉलेज में छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए श्री बिरला ने कहा की भारत का युवा विश्व में सबसे ज्यादा प्रतिभावान है। लेकिन आजादी के बाद से इस प्रतिभा का सही सम्मान नहीं किया गया। श्री ओम बिरला ने कहा कि आज विश्व की ज्यादातर बड़ी कंपनियों के प्रमुख भारतीय मूल के व्यक्ति हैं। भारत के नौजवानों का योगदान विश्व के हर देश में है। उन्होंने कहा कि अब समय तेजी से बदल रहा है और इस बदलते दौर में भारतीय विद्यार्थी सबसे आगे है। पूरी

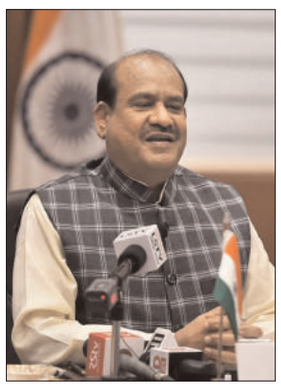

दुनिया भारतीय युवाओं की तरफ देख रही है। लोकसभा अध्यक्ष कॉलेज के वार्षिकोत्सव में मुख्य मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए थे। समारोह की अध्यक्षता महाराजा अग्रसेन यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति और वरिष्ठ बीजेपी नेता डॉक्टर नंदकिशोर करने की। जबकि राज्यसभा सांसद एनडी गुप्ता कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि थे। समारोह में महाराजा अग्रसेन टेक्निकल एजुकेशन सोसाइटी के अध्यक्ष विनीत लोहिया, कार्यकारी अध्यक्ष एसपी अग्रवाल, महासचिव टी आर गर्ग, प्रबंधन समिति के सुंदर लाल गोयल, एस पी गोयल, एम एल तायल, ज्ञान अग्रवाल, मोहन गर्ग, जगदीश मित्तल, सुरेश गुप्ता, ओ पी गोयल, संजीव गोयल, आनंद गुप्ता, रजनीश गुप्ता, अतुल सिंघल इत्यादि शामिल थे। इस अवसर पर डॉ नंदकिशोर ने कहा के उनका संस्थान अग्रवंश के संस्थापक महाराजा श्री अग्रसेन जी के दिखाए रास्ते का अनुसरण करते हुए समाज निर्माण और राष्ट्र निर्माण के कार्य में अनवरत लगा हुआ है। डॉ गर्ग ने श्री ओम बिरला का नाम लेकर इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि महाराजा अग्रसेन जी का एक वंशज आज देश की सर्वोच्च संस्था लोकसभा का अध्यक्ष बना हुआ है। उन्होंने बताया की महाराजा अग्रसेन तकनीकी संस्थान की गिनती आज देश के बेहतरीन शिक्षण संस्थाओं में होती है और पिछले तेईस साल के दौरान यहां से हजारों छात्र-छात्राएं पढ़ कर निकले हैं। जो आज उच्च पदों पर आसीन होकर राष्ट्र की सेवा कर रहे हैं। डॉ गर्ग ने यह भी बताया कि यहां शिक्षा ग्रहण करने वाले छात्र-छात्राओं को कोर्स की पढ़ाई के साथ-साथ सांस्कृतिक मूल्यों की शिक्षा पर भी जोर दिया जाता है। उन्होंने कोरोना काल की विपरीत परिस्थितियों का जिक्र करते हुए बताया कि पैसे की कमी के बावजूद भी संस्थान को बेहतर तरीके से चलाया। वहीं सांसद एन डी गुप्ता ने राज्य सरकार की तरफ से हर संभव मदद का आश्वासन दिया। लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने संस्थान के प्रतिभावान ं को पुरस्कृत भी किया।

आयकर के पूनर्मूल्यांकन के लिए मृत व्यक्ति के खिलाफ जारी नहीं हो सकता नोटिसः हाईकोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा है कि किसी मृत व्यक्ति के खिलाफ आयकर पुनर्मूल्यांकन के लिए नोटिस जारी नहीं किया जा सकता है। कोर्ट ने आयकर विभाग द्वारा 2019 में एक मृत व्यक्ति के आय के पुनर्मूल्यांकन के लिए जारी नोटिस को रद्द करते हुए यह टिप्पणी की है। जस्टिस मनमोहन और नवीन चावला की पीठ ने अपने फैसले में कहा कहा है कि आयकर अधिनियम की धारा 148 के तहत जारी मृत व्यक्ति के खिलाफ जारी आयकर पुनर्मूल्यांकन नोटिस अवैध है। पीठ ने सविता कपिला बनाम सहायक आयकर आयुक्त के मामले में पारित विस्तृत फैसले का हवाला देते हुए यह टिप्पणी की है। उक्त मामले में यह तय किया गया था कि आयकर के पुनर्मूल्यांकन करने के लिए अधिकार क्षेत्र प्राप्त करने की अनिवार्यता यह है कि अधिनियम की धारा 148 के तहत नोटिस एक सही व्यक्ति को जारी किया जाना चाहिए न कि किसी मृत व्यक्ति को। हाईकोर्ट ने आयकर अधिनियम की धारा 148 के तहत आयकर अधिकारी द्वारा जारी एक नोटिस को चुनौती देने वाली एक याचिका का निपटारा करते हुए यह फैसला दिया है। याचिका में आयकर निर्धारण अधिकारी द्वारा पारित आदेश सहित सभी परिणामी कार्यवाहियों को भी रद्द करने की मांग की थी।

कौशल पुनरुत्थान डिजिटल विश्वविद्यालय वर्तमान समय की माँग है :प्रो. के.जी सुरेश

प्रफुल्ल कुमार राय शिवालिक

नई दिल्ली। कौशल पुनरुत्थान डिजिटल विश्वविद्यालय द्वारा online education: need of hour विषय पर ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय भोपाल के कुलपति प्रो.के.जी. सुरेश उपस्थित रहे । कार्यक्रम की शुरुआत में DUSR से जुड़ा एक वीडियो प्रदर्शित किया गया जिसमें विश्वविद्यालय के भावी उद्देश्यों को दिखाया गया। कौशल पुनरुत्थान डिजिटल विश्वविद्यालय की संकल्पना और अवधारणा प्रस्तुत करते हुए महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग के वरिष्ठ आचार्य प्रो.अनिल कुमार राय ने कहा कि कोरोना काल में ऑनलाइन शिक्षा विद्यार्थियों के लिए वरदान साबित हुई है । कोरोना ने हमें नए ढंग से सोचने का अवसर दिया । साथ ही, नवाचार करने का अवसर प्रदान किया और इसी नवाचार का सुपरिणाम DUSR है । प्रो.राय ने कहा कि DUSR के माध्यम से भविष्य में शिक्षा सहज व सुगम होगी। साथ ही यह विश्वविद्यालय ऑनलाइन शिक्षा को गति प्रदान करेगा ।

कार्यक्रम में बतौर वक्ता पधारे NSDC के प्रशिक्षक दिल्ली विश्वविद्यालय के

असिटेंट प्रोफ़ेसर डॉ.राजीव राय ने ऑनलाइन शिक्षा की अध्यापन विधि व प्रविधि पर बात रखते हुए DUSR की भावी योजनाओं के बारे में बताया । उन्होने कहा कि इस विश्वविद्यालय की ऑनलाइन कक्षाओं में एक साथ दस हजार छात्र शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे । MSME के प्रशिक्षक श्री रवि कुमार तिवारी ने भी DUSR से जुड़े विभिन्न अकादमिक विषयों पर अपने विचार रखे। इस ऑनलाइन कार्यशाला में जयपुर से वरिष्ठ शिक्षाविद और मीडिया के सशक्त हस्ताक्षर प्रो.अभिताभ श्रीवास्तव जुड़े । प्रो.श्रीवास्तव ने अपनी बात रखते हुए कहा कि DUSR नें समय की जरूरत को पढ़ लिया है । यह एक अद्भुद प्रयोग है । हमारी आध्यात्मिक परंपरा कहती है कि स्वाध्याय आवश्यक है । यह विश्वविद्यालय भारतीय ज्ञान परंपरा के साथ-साथ स्वाध्याय की महान परंपरा को विस्तार देगा और आने वाली पीढ़ियों को ज्ञान के प्रति प्रेरित करेगा । ऑनलाइन कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में माखन लाल राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय भोपाल के कुलपति प्रो. सुरेश ने DUSR के संदर्भ में अपनी बात रखते हुए कहा कि कई बार सरकारें सोच ही रही होती हैं और लोग आगे बढ़ जाते हैं । पिछले दिनों बजट में माननीय वित्तमंत्री ने डिजिटल विश्वविद्यालय की घोषणा की लेकिन इससे पहले ही प्रो.राय के मार्ग दर्शन में DUSR की टीम ने इसे लागू भी कर दिया । कौशल पुनरुत्थान डिजिटल विश्वविद्यालय वर्तमान समय की माँग और इस देश का भविष्य है। राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलपति ने अपनी बात को विस्तार देते हुए कहा कि शिक्षा को शिक्षाविदों पर छोड़ देना चाहिए । कोरोना ने जीवन के दृष्टिकोण को बदल के रख दिया है । आज हम वर्क फ्रॉम होम, एजुकेशन फ्रॉम होम की बात कर रहे हैं । ष्ठस्क के रूप में अब विश्वविद्यालय सभी के घर में होगा। यह अपने आप में अनूठा प्रयोग है। कौशल पुनरुत्थान डिजिटल विश्वविद्यालय के माध्यम से हमारी यह कोशिश हो कि हम स्थानीयता को महत्व देते हुए वैश्विक दृष्टिकोण अपनाएं। इस डिजिटल विश्वविद्यालय का भविष्य स्वर्णिम है।

कार्यशाला के अध्यक्ष और ष्ठस्क के कुलपति प्रो.पी.सी पातंजलि ने कार्यक्रम में अपनी बात रखते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय वसुधैव कुटुम्बकम के विचार को साकार करता है। DUSR के माध्यम से उच्च शिक्षा व्यक्ति के घर तक पहुँच चुकी है । इसलिए मैं कहूँगा कि यह विश्वविद्यालय व्यक्ति व समाज की स्थायी संपत्ति है। ष्ठस्क ने नई शिक्षा नीति की रूप रेखा को जमीन पर उतारने का काम किया है। आशावान हुए बिना कोई काम नहीं हो सकता । यह विश्वविद्यालय भारत की महान ज्ञान की परंपरा को आधुनिक ज्ञान से जोड़ते हुए अवसरहीन लोगों को अवसर प्रदान कराएगा साथ ही युवाओं को समर्थ और स्वावलंबी बनाने में अपनी भूमिका का निर्वहन करेगा। कार्यक्रम के अंत में श्री अनुपम राय ने ऑनलाइन माध्यम से जुड़े सभी विद्वानों का आभार व्यक्त किया। बता दें कि कार्यक्रम का संचालन रायपुर से डॉ.नरेंद्र त्रिपाठी ने किया।

क्या है DUSR- कौशल पुनरुत्थान डिजिटल विश्वविद्यालय (एक आभासी मेटा विश्वविद्यालय) गैर सरकारी संगठन-सामाजिक विकास एवं शोध संस्था की एक इकाई है जो वर्ष 2002-03 में संस्था पंजीकरण अधिनियम 1860 के अंतर्गत पंजीकृत है। कौशल पुनरुत्थान डिजिटल विश्वविद्यालय ऑनलाइन माध्यम से संचालित एक आभासी मेटा विश्वविद्यालय है जो युवाओं में व्यावसायिक कौशल विकसित करने, व्यावसायिक उद्यमी नागरिकों में व्याप्त कौशल को अद्यतन करने तथा भारतीय ज्ञान पद्धति, जीवन मूल्य और कौशल विकास को केंद्रीभूत करके कार्य करने के लिए संकल्पित है। कौशल पुनरुत्थान डिजिटल विश्वविद्यालय शैक्षिक तकनीक को आत्मसात करके मानव जीवन व्यवहार के सभी प्रमुख आयामों पर केंद्रित व्यावहारिक-व्यावसायिक शिक्षण प्रशिक्षण को प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है ।

सम्पादकीय

राजनीति का गिरता स्तर

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

सत्ता प्राप्ति के लिए कितना गिरा जा सकता है, इसका अनुभव इन दिनों पंजाब की राजनीति में किया जा सकता है। वहां विधानसभा के लिए चुनाव हो रहे हैं। वर्तमान में वहां सोनिया कांग्रेस की सरकार है। उसे अकाली दल, आम आदमी पार्टी और एनडीए से चुनौती दी जा रही है। वैसे तो संयुक्त किसान मोर्चा भी मैदान में है, लेकिन वह खेल बिगाड़ने वाला ज़्यादा सिद्ध हो सकता है, जीतने वालों में अभी उसका शुमार नहीं हो पाया। सोनिया कांग्रेस की सरकार और सत्ता दोनों ही दांव पर है, इसलिए वह पंजाब में अपनी सत्ता बनाए रखने के लिए अतिरिक्त प्रयास करेगी, इसमें कोई संशय नहीं है। लेकिन इसके लिए पार्टी किस स्तर तक जा सकती है, इसका अनुभव कुछ दिनों से हो रहा है। दो दिन पहले सोनिया कांग्रेस की पंजाब में चुनाव रैली थी। मुख्यमंत्री चरनजीत सिंह चन्नी और कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी उस रैली में थीं। मुख्यमंत्री चन्नी ने वहां बहुत ही जोश से घोषणा की कि पंजाब में उत्तर प्रदेश, बिहार और दिल्ली के भैये राज करना चाहते हैं। हम ऐसा नहीं होने देंगे। उसके बाद उन्होंने पंजाब के लोगों से अपील की कि सभी पंजाबी इकट्ठे हो जाओ और इन भैयों को पंजाब में मत घुसने दो। सबसे ताज्जुब की बात तो यह है जब चन्नी लोगों को इन 'भैयों' के खिलाफ ललकार रहे थे तो प्रियंका गांधी मंच पर ही खड़ी होकर तालियां बजा रही थी। सत्ता प्राप्त करने के लिए भारत के एक इलाके के लोगों को दूसरे इलाके के लोगों के खिलाफ भड़काने का काम उस पार्टी की ओर से किया जा रहा है जो अपने आप को राष्ट्रीय पार्टी लिखती और कहती है। महात्मा गांधी कहा करते थे कि सत्ता प्राप्ति के लिए जिन साधनों का प्रयोग किया जाए, वे शुद्ध होने चाहिए।

ग़लत साधनों से प्राप्त की गई सत्ता जन कल्याणकारी नहीं हो सकती। अपने अंतिम दौर में पहुंच चुकी सत्ता की इस लड़ाई में जीतने के लिए कांग्रेस ने भारत के एक प्रांत के लोगों को दूसरे प्रांत के लोगों से लड़ाने का यह जो नया हथियार निकाला है, क्या इसे शुद्ध साधन कहा जा सकता है? चरनजीत सिंह चन्नी उस प्रांत के लोगों को पंजाब में न घुसने देने के लिए कह रहे हैं जिसमें दशगुरु परंपरा के दसवें गुरु श्री गोविंद सिंह जी का जन्म हुआ था। जन्मसाखियों में आता है कि पटना के लोग बाल गोविंद की लीलाएं देखने के लिए लालायित रहते थे। इधर चन्नी केवल सत्ता प्राप्ति के लिए अपनी निकृष्ट लीला का प्रदर्शन कर रहे हैं। जब चन्नी देश के लोगों को आपस में लड़ाने के लिए पंजाब के लोगों को उकसा रहे थे तो प्रियंका गांधी को मंच पर इसका विरोध करना चाहिए था। इसलिए नहीं कि वे स्वयं उत्तर प्रदेश या दिल्ली से ताल्लुक़ रखती हैं, बल्कि इसलिए कि चन्नी उनके सामने ही देश को तोड़ने का आह्वान कर रहे थे। लेकिन प्रियंका गांधी ने इसका विरोध नहीं, बल्कि खुशी में तालियां बजा-बजा कर इसका खुलेआम समर्थन किया। इससे सोनिया कांग्रेस की भीतर की सोच और रणनीति प्रकट होती है। 1984 में उसने इसी प्रकार पंजाब के खिलाफ कुछ लोगों को भड़का कर दिल्ली में नरसंहार करने दिया था।

उद्देश्य तब भी एक ही था। किसी भी साधन से सत्ता प्राप्त करना। उधर सोनिया कांग्रेस के ही एक दूसरे नेता सुनील जाखड़ इससे भी ख़तरनाक अभियान छेड़े हुए हैं। जहां चन्नी एक प्रांत के लोगों को दूसरे प्रांत के लोगों से लड़ाने की गोटियां बिछा रहे हैं, वहीं सुनील जाखड़ पंजाब में ही एक बिरादरी के लोगों को दूसरी बिरादरी के लोगों से लड़ाने के लिए झाग उगल रहे हैं। उद्देश्य वही है किसी तरह भी कांग्रेस के हाथ से सत्ता नहीं जानी चाहिए। कर्नाटक में एटीएम मूल के कुछ मुसलमानों ने भारतीय मुसलमानों की लड़कियों को आगे करके 'हिजाब आंदोलन' चला रखा है। भारत में एटीएम के मुसलमान अरब, तुर्क व मुग़ल मंगोल मूल के हैं। वे हमलावरों के साथ हिंदुस्तान में आए थे और यहीं बस गए, लेकिन यहां की मिट्टी से नहीं जुड़ पाए। वे अभी भी उन दिनों के सपने देखते रहते हैं जिन दिनों उनके पुरखे हिंदुस्तान पर राज करते थे। लेकिन उनके दुर्भाग्य से एटीएम मूल के मुसलमानों की संख्या भारत में बमुश्किल दो से पांच प्रतिशत से ज़्यादा नहीं है। इसलिए वे अपनी कुटिल रणनीति के लिए भारतीय मुसलमानों को, जिन्हें वे दोयम दर्जे का मानते हैं, आगे कर देते हैं। कर्नाटक में भी यही हो रहा है। एटीएम ने वहां भारतीय मूल के मुसलमानों की लड़कियों को आगे करके स्कूल की यूनिफार्म या वर्दी के खिलाफ आंदोलन छेड़ रखा है। उनका कहना है कि मुसलमानों के बच्चे स्कूल में स्कूल की वर्दी नहीं पहनेंगे, बल्कि हिजाब पहनेंगे। इस आंदोलन का पंजाब से कुछ लेना-देना नहीं है। लेकिन सोनिया कांग्रेस के सुनील जाखड़ इस आंदोलन को पंजाब में ही एक दूसरे रूप में लाना चाहते हैं। वह जगह-जगह लोगों को ललकार रहे हैं कि सावधान हो जाओ। आज कर्नाटक में हिजाब पर हाथ डाला जा रहा है, कल पंजाब में दस्तार यानी पगड़ी पर हाथ डाला जाएगा। स्कूल की वर्दी के नाम से पगड़ी पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। अंधे को अंधेरे में दूर की सूझी।

ज़ाहिर है यह चुनाव के दिनों में पंजाब में में हिंदू और सिख को आमने-सामने लाने की घटिया कोशिश कही जाएगी। कुल मिला कर कांग्रेस की सत्ता प्राप्त करने के लिए यह नई रणनीति है जिसका फिलहाल पंजाब में प्रयोग किया जा रहा है, यह जानते हुए भी कि पंजाब सीमांत राज्य है। क्या ऐसा तो नहीं कि सुनील जाखड़ परोक्ष रूप से पाकिस्तान को ही सुझाव दे रहे हों कि पंजाब में आप इस मुद्दे को भी अपने व्यापक साधनों का प्रयोग करके उछाल सकते हो। वैसे भी पाकिस्तान हिजाब बनाम स्कूल वर्दी के इस मसले पर आग उगल ही रहा है। सुनील जाखड़ ने तो संकेत ही किया है कि यह खेला पंजाब में भी खेला जा सकता है। मुझे लगता है बाबा साहिब भीमराव रामजी अंबेडकर कांग्रेस की मानसिकता को शुरुआती दौर में ही समझ गए थे। उन्होंने उन दिनों ही कांग्रेस के प्रमुख लोगों की मानसिकता और रणनीति का गहराई से अध्ययन किया था और अपना निष्कर्ष प्रस्तुत किया था कि कांग्रेस भारत में सामाजिक समरसता एवं परिवर्तन के लिए नहीं लड़ रही, बल्कि वह तो केवल मात्र सत्ता प्राप्ति की लड़ाई लड़ रही है।

महान साधक थे रामकृष्ण परमहंस

रमेश सर्राफ धमोरा

स्वामी रामकृष्ण परमहंस भारत के एक ऐसे महान संत एवं विचारक थे जिन्होंने सभी धर्मों की एकता पर जोर दिया था। उन्हें बचपन से ही विश्वास था कि ईश्वर के दर्शन हो सकते हैं।

ईश्वर की प्राप्ति के लिए उन्होंने कठोर साधना और भक्ति की। अपनी साधना से रामकृष्ण इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि संसार के सभी धर्म सच्चे हैं और उनमें कोई भिन्नता नहीं है। वे ईश्वर तक पहुंचने के भिन्न-भिन्न साधन मात्र हैं।

श्री रामकृष्ण परमहंस अपने समय के महान साधक व मानवता के पुजारी थे। इनका जन्म पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में कामारपुकुर नामक गांव में 18 फरवरी 1836 को एक निर्धन निष्ठावान ब्राहमण परिवार में हुआ था। इनके जन्म पर ही प्रसिद्ध ज्योतिषियों ने रामकृष्ण के महान भविष्य की घोषणा कर दी थी। ज्योतिषियों की भविष्यवाणी सुन इनकी माता चन्द्रा देवी तथा पिता क्षुदिराम अत्यन्त प्रसन्न हुए। इनको बचपन में गदाधर नाम से पुकारा जाता था।

पांच वर्ष की उम्र में ही वे अद्भुत प्रतिभा और स्मरणशक्ति का परिचय देने लगे। अपने पूर्वजों के नाम व देवी- देवताओं की स्तुतियां, रामायण, महाभारत की कथायें इन्हें कंठस्थ याद हो गई थी। 1843 में उनके पिता का देहांत हो गया तो परिवार का पूरा भार इनके बड़े भाई रामकुमार पर आ पड़ा था। रामकृष्ण जब नौ वर्ष के हुए तो उनके यज्ञोपवीत संस्कार का समय निकट आया। उस समय एक विचित्र घटना हुई। ब्राह्मण परिवार की यह परम्परा थी कि नवदिक्षित को इस संस्कार के पश्चात अपने किसी सम्बंधी या किसी ब्राह्मण से पहली शिक्षा प्राप्त करनी होती थी। एक लुहारिन जिसने रामकृष्ण के जन्म से ही परिचर्या की थी। बहुत पहले ही उनसे प्रार्थना कर रखी थी कि वह अपनी पहली भिक्षा उसके पास से प्राप्त करे। लुहारिन के सच्चे प्रेम से प्रेरित हो बालक रामकृष्ण ने वचन दे दिया था। अतः यज्ञोपवीत के पश्चात घर वालों के लगातार विरोध के बावजूद उन्होंने ब्राह्मण परिवार में प्रचलित प्रथा का उल्लंघन कर अपना वचन पूरा किया। यह घटना सामान्य नहीं थी। सत्य के प्रति प्रेम तथा इतनी कम उम्र में सामाजिक प्रथा के इस प्रकार ऊपर उठ जाना, रामकृष्ण की आध्यात्मिक क्षमता और दूरदर्शिता को ही प्रकट करता है।

रामकृष्ण का मन पढ़ाई में न लगता देख उनके बड़े भाई उन्हें अपने साथ कलकत्ता ले आये और अपने पास दक्षिणेश्वर में रख लिया। यहां का शांत एवं सुरम्य वातावरण रामकृष्ण को अपने अनुकूल लगा। 1858 में इनका विवाह शारदा देवी नामक पांच वर्षीय कन्या के साथ सम्पन्न हुआ। जब शारदा देवी ने अपने अट्ठारहवें वर्ष में पदार्पण किया तब श्री रामकृष्ण ने दक्षिणेश्वर के पुण्यपीठ के अपने कमरे में उनकी

षोड़शी देवी के रूप में यथोपचार आराधना की। यही शारदा देवी रामकृष्ण संघ में माताजी के नाम से परिचित हैं।

रामकृष्ण के जीवन में अनेक गुरु आये पर अन्तिम गुरुओं का उनके जीवन पर बहुत प्रभाव पड़ा। एक थी भैरवी, जिन्होंने उन्हें अपने कापालिक तंत्र की साधना करायी और दूसरे श्री तोतापुरी जो उनके अन्तिम गुरु थे। गंगा के तट पर दक्षिणेश्वर के प्रसिद्ध मंदिर में रहकर रामकृष्ण मां काली की पूजा किया करते थे। गंगा नदी के दूसरे किनारे रहने वाली भैरवी को अनुभूति हुई कि एक महान संस्कारी व्यक्ति रामकृष्ण को उसकी दीक्षा की आवश्यकता हैं। गंगा पार कर वो रामकृष्ण के पास आयी तथा उन्हें कापालिक दीक्षा लेने को कहा। रामकृष्ण ने भैरवी से दीक्षा ग्रहण की। भैरवी द्वारा बतायी पद्धति से वो लगातार साधना करते रहे तथा मात्र तीन दिनों में ही सम्पूर्ण क्रिया में निपुण हो गये।

रामकृष्ण के अन्तिम गुरु तोतापुरी थे जो सिद्ध तांत्रिक तथा हठ योगी थे। वे रामकृष्ण के पास आये तथा उन्हें दीक्षा दी। रामकृष्ण को दीक्षा दी गई परम शिव के निराकार रूप के साथ पूर्ण संयोग की। पर आजीवन तो उन्होंने मां काली की आराधना की थी। वे जब भी ध्यान करते तो मां काली उनके ध्यान में आ जाती और वे भावविभोर हो जाते। निराकार का ध्यान उनसे नहीं हो पाता था।

तोतापुरी ध्यान सिद्ध योगी थे। वे समस्या जान गये कुछ दिनों बाद उन्होने रामकृष्ण को अपने पास बिठाकर साधना करायी। तोतापुरी को अनुभव हुआ कि रामकृष्ण के ध्यान में मां काली प्रतिष्ठित हैं। उन्होंने शक्ति सम्पात के द्वारा रामकृष्ण को निराकार ध्यान में प्रतिष्ठित करने के लिये बगल में पड़े एक शीशे के टुकड़े को उठाया और उसका रामकृष्ण के आज्ञाचक्र पर आघात किया, जिससे रामकृष्ण को अनुभव हुआ कि उनके ध्यान की मां काली चूर्ण-विचूर्ण हो गई हैं और वे निराकार परमशिव में पूरी तरह समाहित हो चुके हैं। वे समाधिस्थ हो गये। ये उनकी पहली समाधि थी जो तीन दिन चली। तोतापुरी ने रामकृष्ण की समाधि टूटने पर कहा- मैं पिछले 40 वर्षों से समाधि पर बैठा हूं पर इतनी लम्बी समाधि मुझे कभी नहीं लगी।

रामकृष्ण परमहंस का जीवन और व्यक्तित्व रहस्यमयी रहा। उनकी जीवन-शैली और उनका व्यवहार अच्छे-अच्छों की भी समझ से बाहर का था। इतना अजीब था कि ज्यादातर लोग उन्हें पागल तक समझते थे। कुछ ने तो उनके दिमाग का इलाज कराने तक की कोशिश की। लेकिन ढाका के एक मानसिक चिकित्सक ने उनकी युवावस्था में ही कहा था कि असल में यह आदमी एक महान योगी और तपस्वी है। जिसे दुनिया अभी समझ नहीं पा रही है।

रामकृष्ण परमहंस के पास जो कोई भी जाता वह उनकी सरलता, निश्छलता, भोलेपन और त्याग से इतना अभिभूत हो जाता कि अपना सारा पांडित्य भूलकर उनके पैरों पर गिर पड़ता था। गहन से गहन दार्शनिक सवालों के जवाब भी वे अपनी सरल भाषा में इस तरह देते कि सुनने वाला तत्काल ही उनका मुरीद हो जाता। इसलिए दुनियाभर की तमाम आधुनिक विद्या, विज्ञान और दर्शनशास्त्र पढ़े महान लोग भी जब दक्षिणेश्वर के इस निरक्षर परमहंस के पास आते, तो अपनी सारी विद्वता भूलकर उसे अपना गुरु मान लेते थे।

इनके प्रमुख शिष्यों में स्वामी विवेकानन्द, दुर्गाचरण नाग, स्वामी अद्भुतानंद, स्वामी ब्रह्मानंदन, स्वामी अद्यतानन्द, स्वामी शिवानन्द, स्वामी प्रेमानन्द, स्वामी योगानन्द थे। श्री रामकृष्ण के जीवन के अन्तिम वर्ष करुण रस से भरे थे। 16 अगस्त, 1886 सोमवार ब्रह्म मुहूर्त में अपने भक्तों और स्नेहितों को दुख के सागर में डुबोकर वे इस लोक में महाप्रयाण कर गये।

रामकृष्ण परमहंस महान योगी, उच्चकोटि के साधक व विचारक थे। सेवा पथ को ईश्वरीय, प्रशस्त मानकर अनेकता में एकता का दर्शन करते थे। सेवा से समाज की सुरक्षा चाहते थे।

राणा अयूबः चंदे के धंधे में सेक्यूलरिज्म की सरदार

डॉ. अजय खेमरिया

राणा अयूब, सेक्यूलर लॉबी की पसंदीदा पत्रकार। हिंदुत्व के विरुद्ध ऐसी आवाज, जिसे उदारवादियों की जमात नई अरुंधती राय तक बताते नहीं अघाती, इन दिनों बेनकाब नजर आ रही हैं।

केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय ने उन्हें 2.69 करोड़ की चंदा वसूली और उसके दुरूपयोग के आरोपों की जांच की जद में ले लिया है। उनके बैंक खातों से 1.77 करोड़ की राशि अटैच कर दी है।

आरोप ऐसे हैं कि सारी प्रगतिशीलता और बौद्धिकता शरमा जाए। कोविड काल में प्रवासी मजदूरों और व्यवस्थाओं को लेकर दुनिया भर में भारत सरकार की छवि को खराब करने वाली पत्रकार राणा अयूब ने इन्ही गरीबों के नाम पर चंदा जुटाया और उसे अपने पिता एवं बहन के नाम फिक्स डिपॉजिट कर दिया। गोवा में शाही छुटियाँ बिताई, प्रगतिशीलता के नाम पर जकात का चंदा भी गरीबों के नाम पर जमा किए गए चंदे से दिया और एफसीआरए कानून को धता बताकर विदेशी चंदा भी जुटाया। पुलिस में बाकायदा प्राथमिकी दर्ज होने और ईडी की कार्रवाई के बाद राणा अयूब उसी घिसे-पिटे बहाने के साथ सामने आई कि उन्हें मुस्लिम होने की वजह से तंग किया जा रहा है।

जब कोरोना शुरू हुआ था तो लोगों की मदद के नाम पर 2020 में %केटो% क्राउडफंडिंग वेबसाइट के जरिए धन की उगाही शुरू की। उन्होंने गरीबों की मदद करने के लिए अप्रैल 2020, जून 2020 और मई 2021 में केटो प्लेटफॉर्म पर फंडरेजिंग कैम्पेन शुरू किया था। चंदा उगाही के लिए अपने पिता और बहन के खातों

का उपयोग किया गया। ईडी ने जब इस मामले में कार्रवाई की तो राणा अयूब ने बचकाना बचाव करते हुए कहा कि उस दौरान उनके पास पैनकार्ड नहीं था। कोरोना पीड़ितों की मदद करना भी आवश्यक था। इसीलिए मैंने अपने अब्बू और बहन के अकाउंट की डिटेल्स दी थी। अब इस बचाव के आधार पर इतनी सजग पत्रकार की करामात को आसानी से समझा जा सकता है।

कहने को राणा अयूब खुद को प्रगतिशील कहती हैं और हिन्दू मान्यताओं को रूढ़िवादिता के आधार पर निशाने पर लेती हैं लेकिन आपको आश्चर्य होगा कि इस पत्रकार के अंदर एक कट्टर मुस्लिम भी जीवित है। इस्लाम में अनुयाइयों को अपनी बचत में से 2.5 प्रतिशत जकात यानी दान के लिए देने का आग्रह है। राणा अयूब ने सार्वजनिक रूप से कोरोना पीड़ितों के नाम से करोड़ों की धन उगाही की और जुटाए गए फंड का एक हिस्सा रमजान के महीने में जकात के तौर पर दे दिया। अपने जवाब में वह स्वीकार करती हैं कि एक मुस्लिम होने के कारण जकात और उसकी पवित्रता के लिए इसके उपयोग को समझती हैं।

पत्रकार राणा अयूब के खिलाफ गाजियाबाद के इंदिरापुरम पुलिस स्टेशन में 7 सितंबर 2021 को आईपीसी की धारा 403, 406, 418, 420, आईटी अधिनियम की धारा 66 डी और मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट-2002 की धारा 4 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इसमें अयूब पर ये आरोप लगाया गया था है कि उसने चैरिटी के नाम पर गलत तरीके से आम जनता से धन की वसूली की थी। हिंदू आईटी सेल के विकास सांकृत्यायन ने अगस्त 2021 में ये एफआईआर दर्ज करवाया था। पुलिस प्राथमिकी में राणा अयूब द्वारा चंदा वसूली के लिए चलाए गए तीन अभियानों का उल्लेख है।

(1) अप्रैल-मई 2020 में झुग्गीवासियों और किसानों के कल्याण के नाम पर चंदा जुटाना।

(2) जून-सितंबर 2020 में असम, बिहार और महाराष्ट्र के लिए राहत कार्य के नाम चंदा।

(3) मई-जून 2021 में कोरोना पीड़ितों के राहत कार्यों के लिए चंदा।

इन तीनों प्रकरणों में प्रवर्तन निदेशालय को 11 नवंबर 2021 को शिकायतकर्ता ने इस मामले की जानकारी के साथ एक ईमेल भेजा था। इसमें उसने केटो (एक ऑनलाइन कम्पनी) द्वारा डोनर्स को भेजे गए एक पत्र को भी अटैच किया था। केटो ने दान करने वाले लोगों को बताया कि तीन अभियानों के लिए 1.90 करोड़ रुपये और 1.09 लाख डॉलर (कुल 2.69 करोड़ रुपए) मिले थे, जिसमें से केवल 1.25 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। दानदाताओं के लिए बेवसाइट पर लिखा गया था कि ÷दानदाताओं को उपयोग किए गए धन के विवरण के लिए कैम्पेनर से संपर्क करना होगा।÷ यानी राणा अयूब ने धन अपने नाम से जुटाया और बैंक खातों के लिए अपने पिता और बहन का उपयोग किया।

ईमेल मिलने के बाद प्रवर्तन निदेशालय ने मामले की जानकारी के लिए वेबसाइट केटो से संपर्क किया। ईडी के एक्शन के बाद 15 नवंबर 2021 को केटो फाउंडेशन के वरुण सेठ ने ईडी को जानकारी दी और कहा कि फंड रेजिंग कैम्पेन को वेबसाइट के जरिए शुरू किया था, जो कि ऑनलाइन माध्यम से शुरू किए गए थे और एक निजी कंपनी केटो ऑनलाइन वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संचालित किया जा रहा है। वरुण सेठ इसके निदेशकों में से

राणा अयूब ने 23 अगस्त 2021 को केटो को एक ईमेल भेजा था, जिसमें उसने जानकारी दी थी कि उसे केटो से कुल 2.70 करोड़ रुपए की राशि मिली थी, जिसमें से उन्होंने लगभग 1.25 करोड़ रुपये खर्च किए और उन्हें कर के रूप में फंड से 90 लाख रुपये का भुगतान करना बाकी है। जबकि उसने 50 लाख रुपए को छोड़ दिया, जो लाभार्थियों तक पहुँचे ही नहीं।

पिता के नाम 50 लाख की एफडी

ऑनलाइन एकत्रित चंदे में से राणा अयूब ने 50 लाख अपने पिता के नाम फिक्स डिपॉजिट कर दिए और बेशर्मी के साथ अब दावा कर रही हैं कि ऐसा इसलिए किया ताकि ब्याज की राशि से पीड़ितों की अधिक सहायता की जा सके। दूसरी तरफ सच्चाई यह है कि 2.70 करोड़ में से कुछ राशि पीएम केयर्स में भेजने के बाद अधिकतर धन का उपयोग खुद के लिए किया गया है। ईडी की जांच में यह भी सामने आया है कि केवल 17.66 लाख की राशि कोरोना पीड़ितों पर खर्च की गई है।

फर्जी बिल और गोवा की सैर

जांच एजेंसी ने पाया कि चंदे के धन को ठिकाने लगाने के लिए फर्जी बिल बनाये गए, गोवा और अन्य स्थानों पर सैर सपाटे के लिए इस राशि का उपयोग किया गया। पिता और बहन के खातों में आई 2.70 करोड़ की धनराशि को बाद में राणा अयूब ने खुद के खातों में ट्रांसफर कर लिया। सवाल यह कि ऑनलाइन चंदा जुटाने के लिए पहले पिता और बहन के खातों का प्रयोग क्यों किया गया? अगर राणा अयूब के इस दावे को स्वीकार किया जाए कि उनके पास पैनकार्ड नहीं था तो क्या यह संभव है कि विदेशी अखबारों और पत्रिकाओं के लिए लिखने वालीं अयूब बगैर पैनकार्ड के विदेशों से वेतन प्राप्त करती रही हैं? जांच एजेंसी के अनुसार पत्रकार अयूब ने बहुत ही सुव्यवस्थित तरीके से इस चंदा उगाही को अंजाम दिया है और इसके दुरूपयोग के बहुत ही पुख्ता सबूत मौजूद हैं।

बगैर एफसीआरए के चंदा

सरकार ने पिछले वर्ष जब विदेशी अभिदाय कानून एफसीआरए में संशोधन किया तो राणा अयूब जैसे लिबरल पत्रकारों ने खूब शोर मचाया लेकिन रोचक तथ्य यह है कि राणा अयूब ने भारत के गरीबों के नाम पर बगैर एफसीआरए लाइसेंस के विदेशी मदद भी ले ली। बाद में एफआईआर हुई तो इस राशि को लौटा दिया। इसके बावजूद उनके खातों में 2 करोड़ की राशि बनी रही लेकिन गरीबों की मदद के नाम पर शाही सैर सपाटे फर्जी बिलों को बनाकर होते रहे।

राणा अयूब मूलतः सुपारी पत्रकारिता की प्रतीक हैं। उन्होंने हाल ही में टाइम पत्रिका के लिए 100 प्रभावशाली महिलाओं में शाहीन बाग की दादी बिलकिस बानो पर स्टोरी की थी। इससे पहले वे गुजरात को लेकर नरेन्द्र मोदी और अमित शाह के विरुद्ध प्रायोजित मुहिम चला चुकी हैं। उन्होंने एक किताब ÷गुजरात फाइल्सः एनाटॉमी ऑफ ए कवरअप% के आधार पर दुनिया भर में मोदी और अमित शाह की बदनामी में कोई कमी नहीं छोड़ी। इसमें शामिल कहानियां फर्जी और मनगढ़ंत तरीके से लिखकर एक एजेंडा पूरा किया गया।

खास बात यह कि इस गुजरात फाइल्स के आधार पर हरेन पांड्या मर्डर केस को जेबी एनजीओ के नाम से सुप्रीम कोर्ट में चुनौती भी राणा अयूब ने दी। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने राणा अयूब की गुजरात फाइल्स को राजनीतिक आरोपों वाला बताते हुए मनगढ़ंत, मिथ्या और अनुपयोगी करार दिया था।

खेल सुविधाओं को यूं बर्बाद मत करो

भूपिंद्र सिंह

हिमाचल प्रदेश का अधिकांश भूभाग पर्वतीय होने के कारण यहां शिक्षा संस्थानों के पास खेल मैदानों का अभाव है। यही सबसे बड़ा कारण है कि हम पहाड़ी दमखम में अव्वल होते हुए भी खेलों में वह सब नहीं कर पाए हैं जो कर सकते हैं। प्रदेश के पास आज से दो दशक पहले तक खेल ढांचे के नाम पर सैकड़ों साल पहले राजा-महाराजाओं द्वारा मेले व उत्सवों के लिए बनाए गए चंद मगर बेहतरीन मैदान चंबा, मंडी, नादौन, सुजानपुर, जयसिंहपुर, कुल्लू, अनाडेल, रोहडू, रामपुर, सोलन, चैल, नाहन आदि जगहों पर थे। इन मैदानों पर हिमाचल प्रदेश की खेल गतिविधियां कई दशकों से मेलों, उत्सवों व राजनीतिक रैलियों से बचे समय में चलती रही हैं। वैसे तो हिमाचल प्रदेश की तरक्की में विभिन्न सरकारों का योगदान रहा है, मगर हिमाचल प्रदेश में पहली बार नई सदी के शुरुआती वर्षों में प्रोफेसर प्रेम कुमार धूमल की सरकार ने राज्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर के खेल ढांचे को खड़ा करने की शुरुआत की और आज हिमाचल प्रदेश में कई खेलों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्ले फील्ड एथलेटिक्स, क्रिकेट, हाकी, तैराकी व इंडोर खेलों के लिए उपलब्ध है।

क्रिकेट में अनुराग ठाकुर के प्रयासों ने हिमाचल प्रदेश को क्रिकेट के अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर लाकर खड़ा कर दिया है जो काबिले तारीफ है। बिलासपुर के लुहणू का खेल परिसर पूर्व मंत्री व वर्तमान में कोट कहलूर के विधायक ठाकुर रामलाल के प्रयत्नों से सामने आया है। एथलेटिक्स सभी खेलों की जननी है। इसी से सब खेल निकले हैं और इसके प्रशिक्षण के बिना किसी खेल में दक्षता नहीं मिल सकती है। हिमाचल प्रदेश में आज हमीरपुर, बिलासपुर व धर्मशाला में तीन सिंथेटिक ट्रैक बन कर तैयार हैं। शिलारू के साई सैंटर में दो सौ मीटर का प्रैक्टिस ट्रैक बन कर तैयार है। सरस्वतीनगर में काम हो रहा है। किसी किसी राज्य के पास अभी तक

एक भी ट्रैक नहीं है। हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर व धर्मशाला सिंथेटिक ट्रैकों पर लोग टहलते नजर आते हैं। इनमें हमीरपुर के ट्रैक का तो हाल ही बहुत बुरा है। खेल विभाग वहां पर न तो नियमित चौकीदार दे पाया है और न ही मैदान कर्मचारी। यह करोड़ों की संपत्ति लावारिस बर्बाद हो रही है। दो साल पहले दीपावली के अवसर पर तो ट्रैक पर मोमबत्तियां जला कर क्षतिग्रस्त कर दिया था।

खेल विभाग तब भी कुंभकर्णी नींद से जागा है। धर्मशाला की तरह हमीरपुर में भी खिलाड़ियों के लिए पहचान पत्र बनाना होगा। भर्ती के लिए बाहर कच्चे पर केवल ट्रायल के लिए स्वीकृत किया जा सकता है। शेष ट्रेनिंग बाहर के अन्य मैदानों व सड़कों पर हो सकती है। सिंथेटिक ट्रैक पार्क बन चुके हैं। वहां आम लोगों का प्रवेश वर्जित कर देना चाहिए, केवल एथलीट के लिए ही प्रवेश रखना चाहिए। तभी इन प्ले फील्ड को लंबे समय तक खिलाड़ियों के लिए उपलब्ध करवाया जा सकता है। कल जब हिमाचल प्रदेश के पास अंतरराष्ट्रीय स्तर के एथलीट होंगे और प्रशिक्षण के लिए उखड़ा हुआ ट्रैक होगा तो फिर पहाड़ की संतान को पिछड़ने का दंश झेलना पड़ेगा। इसलिए इस बर्बादी को अभी से रोकना होगा। तभी हम अपनी आने वाली पीढ़ियों से न्याय कर सकेंगे। इस कॉलम के माध्यम से इस विषय पर बार-बार लिखने के बाद भी हिमाचल सरकार इन विश्व स्तरीय खेल सुविधाओं पर ध्यान नहीं दे रही है। प्रदेश को भी हिमाचल में ट्रेनिंग कर पहाड़ की संतानें राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए कुछ लोगों के जुनून ने बिना सुविधाओं के मिट्टी पर ट्रेनिंग कर राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीत कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दस्तक दी थी। तभी यह अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधा आने वालों को मिल पाई है। हिमाचल प्रदेश में इस समय हर जिला स्तर सहित कई जगह उपमंडल स्तर पर भी इंडोर स्टेडियम बन कर तैयार हैं, मगर उन स्टेडियमों में बनी प्ले फील्ड का उपयोग प्रशिक्षण के लिए खिलाड़ियों को ठीक से करना नहीं मिल रहा है। वहां पर अधिकतर शहर के लाला व अधिकारी अपनी फिटनेस करते हैं। ऊना व मंडी में तरणताल बने हैं, मगर वहां पर भी कोई प्रशिक्षण कार्यक्रम आज तक शुरू नहीं हो पाया है। हिमाचल प्रदेश में तैराक ही नहीं हैं।

यहां पर भी प्रशिक्षण न हो कर गर्मियों में मस्ती जरूर हो जाती है। ऊना में हाकी के लिए एस्ट्रो टर्फ बिछी हुई है, मगर उसकी तो पहले ही दुर्गति हो गई है। हिमाचल प्रदेश सरकार का युवा सेवाएं एवं खेल विभाग अभी तक करोड़ों रुपए से बने इस खेल ढांचे के रखरखाव में नाकामयाब रहा है। उसके पास न तो चौकीदार हैं और न ही मैदान कर्मचारी, पर्याप्त प्रशिक्षकों की बात तो बहुत दूर की बात है। नई खेल नीति में लिखा है कि सरकार विभिन्न खेल संघों, पूर्व खिलाड़ियों व प्रशिक्षकों से इन सुविधाओं का उपयोग कराने के लिए खेल अकादमियों का गठन कराएगी। हिमाचल प्रदेश के कई पूर्व खिलाड़ी जो खेल आरक्षण से सरकारी नौकरी में हैं, अपनी ड्यूटी को ईमानदारी से करने के बाद सबेरे व शाम उभरते खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दे रहे हैं। हैंडबाल में स्नेहलता, कुश्ती में जौनी चौधरी सहित और भी कई खेलों में कई सरकारी नौकर जो पूर्व खिलाड़ी रहे हैं, ईमानदारी से प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए हुए हैं। क्या सरकार ऐसे जुनूनी शौकिया प्रशिक्षकों को खेल विभाग में कम से कम पांच वर्षों के लिए प्रतिनियुक्ति पर लाकर या उन्हीं के विभाग में उन्हें खेल प्रबंधन व प्रशिक्षण देने का अधिकार देकर हिमाचल प्रदेश की इस करोड़ों रुपए से बनी खेल सुविधाओं का सदुपयोग कर राज्य में खेलों को गति नहीं दे सकती है। अभी भी समय है, सरकार को चाहिए कि इन विश्व स्तरीय प्ले फील्ड का रखरखाव ठीक ढंग से करवाए ताकि देर तक हिमाचल प्रदेश के खिलाड़ी इन सुविधाओं का प्रयोग कर सकें।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI NO. DELHIN38334, E-mail:gauravashalibharat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

सार समाचार

कम से कम जुमे को ही पहनने दो हिजाब हाई कोर्ट में छात्राओं की मांग

नई दिल्ली । कर्नाटक हाई कोर्ट में हिजाब विवाद को लेकर फिर सुनवाई हुई। इस दौरान छात्राओं की ओर से अधिवक्ता विनोद कुलकर्णी ने पीठ से अनुरोध किया कि शुक्रवार को जुमा है, कृपया अभी के लिए छात्राओं को शुक्रवार के दिन हिजाब पहनने की अनुमति दे दीजिए। पीठ ने कहा कि ठीक है, हम आपके अनुरोध पर विचार करेंगे। फिर कुछ ही देर में सुनवाई शुक्रवार के लिए स्थगित हो गई। गुरुवार को एक बार फिर कर्नाटक हाई कोर्ट में हिजाब विवाद को लेकर सुनवाई शुरू हुई। पार्टी-इन-पर्सन विनोद कुलकर्णी ने पीठ से छात्राओं के शुक्रवार की रोज स्कूलों में हिजाब पहनने की अनुमति देने का अनुरोध किया। विनोद कुलकर्णी ने कहा, ₹शुक्रवार जुमा है। कृपया, अभी के लिए छात्राओं को कम से कम शुक्रवार को हिजाब पहनने की अनुमति दें। यह अंतरिम आदेश सामूहिक उन्माद पैदा कर रहा है। कर्नाटक हाई कोर्ट में हिजाब विवाद को लेकर आज फिर सुनवाई हुई। इस दौरान छात्राओं की ओर से अधिवक्ता विनोद कुलकर्णी ने पीठ से अनुरोध किया कि शुक्रवार को जुमा है, कृपया अभी के लिए छात्राओं को शुक्रवार के दिन हिजाब पहनने की अनुमति दे दीजिए। पीठ ने कहा कि ठीक है, हम आपके अनुरोध पर विचार करेंगे। फिर कुछ ही देर में सुनवाई शुक्रवार के लिए स्थगित हो गई। एक बार फिर कर्नाटक हाई कोर्ट में हिजाब विवाद को लेकर सुनवाई शुरू हुई। पार्टी-इन-पर्सन विनोद कुलकर्णी ने पीठ से छात्राओं के शुक्रवार की रोज स्कूलों में हिजाब पहनने की अनुमति देने का अनुरोध किया। विनोद कुलकर्णी ने कहा, ₹शुक्रवार जुमा है। कृपया, अभी के लिए छात्राओं को कम से कम शुक्रवार को हिजाब पहनने की अनुमति दें। यह अंतरिम आदेश सामूहिक उन्माद पैदा कर रहा है।

राजीव गांधी के बाद उस परिवार से कभी कोई पीएम या सीएम नहीं बना: मल्लिकार्जुन खड़गे

नई दिल्ली । कांग्रेस पार्टी पर लग रहे परिवारवाद के आरोपों का जवाब देते हुए कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि इस पार्टी में राजीव गांधी के बाद कभी कोई पीएम या सीएम नहीं बना। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में कोई परिवारवाद नहीं है। बता दें कि पिछले दिनों केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अपनी जनसभाओं में कांग्रेस पर परिवारवादी पार्टी होने का आरोप लगाकर हमला बोलते रहे हैं। तमाम आरोपों का जवाब देते हुए कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, ₹कांग्रेस में परिवारवाद नहीं है, इस पार्टी में हर कोई देश के लिए काम करना चाहता है।₹ उन्होंने कहा, ₹राजीव गांधी के बाद उस परिवार से कभी कोई पीएम या सीएम नहीं बना। भाजपा खुद परिवारवाद का समर्थन करती है और फिर हम पर आरोप लगाती है। 14 फरवरी को झांसी के मऊरानीपुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाम ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ये परिवारवादी पार्टियां देश और दुनिया के लोकतंत्र पर धब्बा है। ये पार्टियां उत्तर प्रदेश और देश का भला नहीं कर सकती है।

मांझी का छलका दर्द, लालू यादव को सजा होने से गरीबों में हताशा

गया । राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को चारा घोटाला से जुड़े मामले में सजा सुनने के बाद पूर्व सीएम जीतन राम मांझी का लालू के प्रति दर्द छलका है।उन्होंने लालू प्रसाद की तुलना भगवान श्री कृष्ण और श्रीराम से कर दी। मांझी ने कहा कि लालू यादव को सजा होने से गरीबों में हताशा है।मांझी ने कहा कि जेल तब भगवान श्रीराम भी बार-बार जाते थे, लालू जी भी बार-बार जेल जा रहे हैं। लालू जी समाजवादी नेता हैं, और किस वजह से उन्हें बार-बार जेल जाना पड़ रहा है, यह न्यायालय प्रक्रिया से जुड़े न्यायाधीश लोग ही बेहतर समझ सकते हैं। न्यायालय के फैसले पर हम ज्यादा कुछ नहीं बोल सकते हैं। मांझी ने लालू का स्वास्थ्य लाभ ठीक रहे इसकी कामना करता हूं। इस दौरान मांझी ने एक बार फिर से सीएम बनने की इच्छा जता दी है।उन्होंने अपने 7 माह के कार्यकाल की उपलब्धियां गिनाकर कहा कि जब मौका मिलेगा वह अपने आपको साबित जरूर करुंगा। सीएम के गृह जिला नालंदा के विकास के सवाल पर सवालिया लहजे में मांझी ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार ने एक जिला का विकास खूब किया है।

झांसी में बोले उट योगी, गजवा ए हिंद का सपना कभी पूरा नहीं होगा

नई दिल्ली । उत्तर प्रदेश में चुनाव हैं और सभी दिग्गज नेता पूरे दम-खम के साथ मैदान में तैयार हैं। प्रदेश में लगातार रैलियां और जनसभाएं हो रही हैं। वोटरों को अपने पक्ष में करने के लिए बड़े-बड़े वादे और दावे किये जा रहे हैं। इसी कड़ी में आज सीएम योगी रानी लक्ष्मी बाई के गढ़ झांसी पहुंचे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ झांसी में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि पौराणिक, आध्यात्मिक एवं ऐतिहासिक स्मृतियों को संजोए माँ कात्यायनी देवी की कृपाभूमि व महान क्रान्तिकारियों की तपस्थली क्रांतिभूमि कानपुर देहात में आज मुझे पुनः उपस्थित होने का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है। भाजपा की डबल इंजन की सरकार में कानपुर देहात संवर रहा है, निखर रहा है। भाजपा सरकार बिना भेदभाव के गरीबों व जरूरतमंदों की सेवा में अहर्निश कार्य कर रही है। सीएम योगी ने कहा कि हमारे लिए सत्ता प्रदेश की विकास यात्रा का संकल्प है। हर भूखे को भोजन उपलब्ध हो , इस हेतु डबल इंजन की सरकार संकल्पित है। कानपुर देहात में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत कुल 3,44,186 राशन कार्ड धारक अंत्योदय का प्रत्यक्ष प्रमाण हैं। जनपद कानपुर देहात में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के प्रथम चरण में 1,79,318 लाभार्थियों को निःशुल्क गैस कनेक्शन उपलब्ध कराकर भाजपा की डबल इंजन सरकार ने उनके दुःसाध्य जीवन को मधुमास के सरस उत्सव में परिवर्तित किया है। सुदृढ़ विद्युत आपूर्ति व्यवस्था हेतु डबल इंजन की भाजपा सरकार प्रतिबद्ध है। सौभाग्य योजना के तहत कानपुर देहात में कुल 92,000 लाभार्थियों को विद्युत संयोजन प्रदान कर लाभान्वित किया जाना हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। सीएम योगी ने अखिलेश और शिवपाल पर भी जमकर निशाना साधते हुए कहा कि लूट में चाचा-भतीजा की बराबर भागीदारी।

12-15 साल के बच्चों को वैक्सीन लगाने का रास्ता साफ! सरकार को जल्द मिलेगी 5 करोड़ खुराक

नई दिल्ली। देश में जल्दी ही 12 से 15 साल के बच्चों के लिए भी कोरोना टीकाकरण शुरू हो सकता है। मोदी सरकार बायोलॉजिकल-ई की वैक्सीन कोर्बेवैक्स को इस उम्र के बच्चों के लिए इस्तेमाल कर सकती है। सूत्र बताते हैं कि कोर्बेवैक्स की करीब 5 करोड़ खुराकें केंद्र सरकार को इसी महीने के आखिर तक उपलब्ध होगी हैं। कोरोना प्रबंधन से जुड़े केंद्र सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि औषधीय नियामक की विषय-विशेषज्ञ समिति ने कोर्बेवैक्स को 12 से 18 साल तक के बच्चों के लिए भी उपयुक्त माना है। इस समिति ने भारत के औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) को इस बाबत अपनी सिफारिशें भेज दी हैं।डीसीजीआई जल्द ही यह टीका 12 से 18 साल तक के बच्चों को लगाने की मंजूरी दे सकता है।

करहल को नंदीग्राम बनाने की तैयारी में भाजपा, आखिरी ओवर में बेटे के लिए बल्लेबाजी करने उतरे मुलायम

लखनऊ (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर सरगर्मियां लगातार बढ़ती जा रही है। दो चरण के मतदान हो चुके हैं जबकि अब भी पांच चरण के मतदान बाकी हैं। इन सब के बीच तीसरे चरण में करहल में भी विधानसभा के चुनाव होने हैं। करहल फिलहाल हॉट सीट बना हुआ है। करहल सीट से समाजवादी पार्टी प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव पहली बार विधानसभा चुनाव में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर भाजपा ने भी अपने मजबूत उम्मीदवार केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल को अखिलेश के खिलाफ चुनावी मैदान में उतारा है। फिलहाल करहल की लड़ाई दिलचस्प होती दिखाई दे रही है। करहल यादव परिवार का गढ़ माना जाता है। ऐसे में यह कहा जा रहा था कि अखिलेश यादव के लिए यहां से लड़ाई आसान हो सकती है। लेकिन भाजपा ने करहल में अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। कुल मिलाकर देखें तो भाजपा करहल में उसी रणनीति के साथ काम कर रही है जिस रणनीति के तहत 2021 के बंगाल चुनाव में नंदीग्राम में काम किया गया था।

नंदीग्राम से शुभेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी को हराया था। ममता बनर्जी की पार्टी पूरे बंगाल में तो शानदार तरीके से जीत हासिल करने में कामयाब हुई। लेकिन नंदीग्राम में ही ममता बनर्जी को हार का सामना करना पड़ गया था। करहल में भी ठीक इसी तरह अखिलेश यादव के सामने बीजेपी चौतरफा रणनीति के साथ चुनावी मैदान में उतर रही है। आज करहल में भाजपा के पूर्व अध्यक्ष और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी चुनाव प्रचार करने पहुंच गए थे। जानकारी यह भी है कि कल योगी आदित्यनाथ भी करहल में चुनाव प्रचार करने पहुंचेंगे। करहल में अमित शाह ने समाजवादी पार्टी पर आरोप लगाते हुए कहा कि यह लोग सिर्फ परिवार का ही सोचते हैं, अपने ही लोगों का सोचते हैं। समाज का यह भला नहीं करते हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने सबका साथ, सबका विकास का नारा देकर सभी का भला किया है।

अमित शाह ने कहा कि मैं आज सपा के मित्रों को कहना चाहता हूं। एसपी सिंह बघेल जी भाजपा के नेता हैं, कुछ दिन पहले इन पर हमला किया गया। समाजवादी पार्टी वाले क्या समझते हैं कि ऐसा हमला करने से भाजपा के नेता डर जाएंगे क्या? भाजपा के नेता और मजबूती के साथ प्रचार भी करेंगे और जीतकर भी आएंगे। दूसरी ओर बेटे अखिलेश यादव के लिए भी मुलायम सिंह यादव आज चुनावी प्रचार में उतरे। भले ही करहल समाजवादी पार्टी के लिए गढ़ रहा हो। लेकिन मुकाबला चुनौतीपूर्ण देखते हुए मुलायम सिंह यादव का चुनाव प्रचार करने उतरे थे। यादव ने कहा कि किसान, नौजवान और व्यापारी तीनों मिलकर देश को मजबूत करेंगे। लोग भी बड़ी उम्मीद से यहां आए हैं। लोगों की संपन्नता, किसानों की पैदावार बढ़ाने के लिए सपा सरकार काम करेगी। यह सिर्फ सपा कर सकती है और कोई पार्टी नहीं।

करहल सीट का समीकरण

करहल सीट मैनपुरी जिले में आता है। 1993 से अबतक एक बार समाजवादी पार्टी को हार का सामना करना पड़ा है। जब 2002 में भाजपा के सोबरन सिंह यादव ने समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार को हराया था। करहल सीट पर मतदाताओं की संख्या 371000 है। लेकिन इनमें से सबसे ज्यादा मतदाता यादव हैं। यादव मतदाताओं की संख्या 144000 के आसपास है। इसका मतलब साफ है कि कुल वोटर्स के 38% हिस्सा यादव का हैं। 2017 में जब भाजपा की लहर थी तब भी यहां चुनाव में 5 में से 4 सीटें समाजवादी पार्टी के खाते में गई थी।

मोदी सरकार की विदेश नीति पर मनमोहन सिंह ने उठाए सवाल, एमईए ने कहा- वह एक राजनीतिक बयान था

नई दिल्ली (एजेंसी)

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मनमोहन सिंह आज पहली बार पंजाब में हो रहे विधानसभा चुनाव के लिए एक वीडियो संदेश जारी किया। कुल मिलाकर देखें तो मनमोहन सिंह वीडियो संदेश के जरिए मोदी सरकार पर कई सवाल उठाए। इसी वीडियो संदेश में मनमोहन सिंह ने मोदी सरकार की विदेश नीति पर सवाल उठाया और कहा कि विदेश नीति के बारे में यह सरकार पूरी तरह से असफल साबित हुई है। साथ ही साथ मनमोहन सिंह ने आरोप लगाया कि चीनी सेना पिछले 1 साल से पवित्र धरती पर कब्जा जमाए हुए हैं लेकिन इस मामले को लगातार दबाने का प्रयास किया जा रहा है। इसी को लेकर अब विदेश मंत्रालय की ओर से बयान सामने आया है। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के द्वारा भारत के विदेश नीति के संदर्भ में दिए गए बयान पर भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि वह एक राजनीतिक बयान था न कि किसी नीति

के तहत दिया गया बयान है। जहां तक चीन की बात है तो सारी चीजें साफ हैं कि कैसे स्थिति उत्पन्न हुईं। आपको बता दें कि 2020 में भारत और चीन के बीच गलवान घाटी में टकराव की स्थिति पैदा हुई थी। उसके बाद से दोनों देशों के रिश्ते में खटास देखने को मिला है। कांग्रेस चीन के बहाने लगातार भारत सरकार पर निशाना साधती है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला करती है। मनमोहन सिंह ने कहा कि पड़ोसी देशों के साथ भी हमारे संबंध खराब हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को देश के संविधान पर भरोसा नहीं है और 'संस्थाओं को लगातार कमजोर किया जा रहा है।' सिंह ने कहा, 'देश एक ओर महंगाई और बेरोजगारी की समस्या से जूझ रहा है, तो दूसरी ओर पिछले साढ़े सात साल से सत्ता पर काबिज मौजूदा सरकार अपनी गलतियां स्वीकार करने और उनमें सुधार करने के बजाय, लोगों की समस्याओं के लिए अब भी देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को दोषी ठहरा रही है।' पूर्व प्रधानमंत्री ने पिछले महीने फिरोजपुर में एक पुल पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का काफिला फंस जाने संबंधी सुरक्षा चूक का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री की सुरक्षा के नाम पर (पंजाब के) मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और राज्य के लोगों को बदनाम करने की कोशिश की गई। उन्होंने कहा कि किसान आंदोलन के दौरान भी पंजाब और पंजाबियत को बदनाम करने का प्रयास किया गया। सिंह ने कहा कि दुनिया पंजाब के लोगों की बहादुरी, देशभक्ति और बलिदान को सलाम करती है, लेकिन राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार इन सब के बारे में बात नहीं करती। उन्होंने कहा कि पंजाब से संबंध रखने वाले एक सच्चा भारतीय होने के नाते, ये सभी बातें मुझे बहुत दुखी करती हैं।

भैया वाले बयान पर चन्नी ने दी सफाई, बोले- मेरे बयान का गलत मतलब निकाला गया, प्रवासी मजदूरों के लिए प्यार है

नई दिल्ली (एजेंसी)

चंडीगढ़। पंजाब में विधानसभा चुनाव को लेकर सियासत तेज है। इसी बीच मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने भैया वाले बयान पर सफाई दी है। उन्होंने कहा कि मैंने पंजाब में खलल डालने वाले लोगों की बात कही थी न की उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान से पंजाब में आकर कम करने वाले लोगों की। दरअसल, चन्नी के भैया वाले बयान के बाद उत्तर प्रदेश और बिहार में घमासान मचा हुआ था।

समाचार एजेंसी के मुताबिक मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने कहा कि जो दुर्गेश पाठक, संजय सिंह, अरविंद केजरीवाल जैसे लोग बाहर से आकर पंजाब में खलल डालते हैं, मैंने उनके बारे में बात की, लेकिन जो लोग उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान से पंजाब में आते हैं और पंजाब में काम करते हैं, पंजाब भी उनका उतना ही है जितना हमारा है।

उन्होंने कहा कि मेरे बयान का गलत अर्थ निकाला जा रहा है। पंजाब में आज तक आए सभी प्रवासी मजदूरों ने मेहनत कर विकास के पथ पर अग्रसर किया है। हमें उनके लिए केवल प्यार है, इसे कोई नहीं बदल सकता है।

कुमार विश्वास पर राघव चड्ढा का पलटवार, बोले- केजरीवाल को बदनाम करने के लिए चलाया जा रहा प्रोपेगेंडा

चंडीगढ़। (एजेंसी)

पंजाब में विधानसभा चुनाव को लेकर आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति हो रही है। इसी बीच आम आदमी पार्टी नेता राघव चड्ढा ने गुरुवार को कवि कुमार विश्वास पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 2017 से लेकर आज तक कुमार विश्वास चुप क्यों थे ? आपको चुनाव से 2-4 घंटे पहले इन तमाम चीजों की बात आई। अगर ऐसा कोई सयंत्रण था तो चुनाव से 1-2 दिन पहले आप यह बाते करते हैं।

उन्होंने कहा कि अगर ऐसी कोई बात थी तो आपने सुरक्षा एजेंसियों को क्यों नहीं बताया ? झूठे, प्रपोगेंडा वाले बयान को लेकर आप जो फर्जी वीडियो बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर ऐसी बात हुई थी तो आपने पार्टी क्यों नहीं छोड़ी। आप 2017, 2018 में पार्टी में रहे। आप को राज्यसभा की कुर्सी और मनचाहा पद नहीं मिला तो आपने प्रोपेगेंडा शुरू कर दिया।

राघव चड्ढा ने कहा कि न्यूज चैनल और अखबार के संपादकों को फोन करके वीडियो चलाने का दबाव डाला जा रहा है और अगर इन लोगों ने यह वीडियो नहीं चलाया तो छापेमारी करने की धमकी दे रहे हैं। राघव चड्ढा ने कहा कि साल 2017 के पंजाब चुनाव से पहले भी माहौल बिगाड़ने की कोशिशें हुई थीं। चुनाव से पहले मोर में बम धमाका हुआ था। इससे किसे फायदा हुआ था ? आज तक 2017 के बम धमाके में चार्जशीट दर्ज नहीं हुई है। यही लोग थे, यही लोग पंजाब के समाज को बांटना चाहती थी, यही ताकतें आम आदमी पार्टी को हराने के लिए अरविंद केजरीवाल को आतंकवादी कह रही हैं।

कोरोना के नए वैरिएंट डेल्टाक्रॉन की पुष्टि, यूके बोला चिंता का बात नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)

वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के ओमिक्रॉन और डेल्टा वेरिएंट के बाद ब्रिटेन में नए वैरिएंट डेल्टाक्रॉन की पुष्टि हुई है। पहले तो इसे लैब त्रुटि का परिणाम बताया गया था, लेकिन ताजा रिपोर्ट में इसे वास्तविक बताया गया है। यूनाइटेड किंगडम में कोरोना के ओमिक्रॉन और डेल्टा वैरिएंट से बने इस हाईब्रिड स्ट्रेन के कुछ मामले सामने आए हैं। हालांकि, यूके की स्वास्थ्य सुरक्षा एजेंसी ने कहा कि वे अभी इसके बारे में चिंतित नहीं हैं, क्योंकि मामले कम हैं।

एक रिपोर्ट में कहा गया है, 'ऐसा माना जाता है कि यह एक ऐसे मरीज में विकसित हुआ है, जो एक ही समय में ओमिक्रॉन और डेल्टा दोनों वैरिएंट से संक्रमित था। लेकिन यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि यह किसी दूसरे देश से आया या फिर ब्रिटेन में ही यह उत्पन्न हुआ था।' रिपोर्ट में यह भी कहा गया है इस वैरिएंट से संक्रमित मरीजों की स्थिति सामान्य

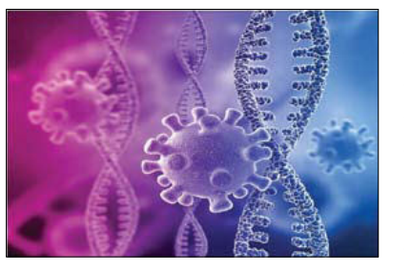

ही है। यूकेएचएसए के अधिकारी यह भी नहीं जानते हैं कि कोरोना का यह नया वैरिएंट कितना संक्रामक या गंभीर है। उन्हें फिलहाल यह भी नहीं पता है कि इसके लक्षण क्या हैं और टीके इसके खिलाफ कितने असरदार हैं। हालांकि, संक्रामक रोग विशेषज्ञ प्रोफेसर पॉल हंटर ने कहा कि इससे बहुत ज्यादा खतरा पैदा नहीं होना चाहिए, क्योंकि यूके में मूल डेल्टा और ओमिक्रॉन के खिलाफ प्रतिरक्षा मौजूद है। उन्होंने कहा, 'फिलहाल मैं इस समय बहुत ज्यादा चिंतित नहीं हूं। यदि डेल्टा और ओमिक्रॉन दोनों के मामले कम हो रहे हैं, तो इसको विस्तार के लिए संघर्ष करना चाहिए।'

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने बताया था कि किसी व्यक्ति के लिए सार्स-कोवि-2 के विभिन्न प्रकारों से संक्रमित होना संभव है। इसके कई उदाहरण हैं। लोग इस महामारी के दौरान इन्फ्लूएंजा और कोविड-19 दोनों से संक्रमित थे। डब्ल्यूएचओ की मारिया वान केरखोव ने पिछले महीने ट्वीट किया था, 'डेल्टाक्रॉन जैसे शब्दों का इस्तेमाल न करें। ये शब्द वायरस/ वैरिएंट के संयोजन का संकेत देते हैं और ऐसा नहीं हो रहा है।' इससे पहले, विशेषज्ञों ने कहा है कि एक कथित हाईब्रिड कोविड-19 उत्परिवर्तन जिसे 'डेल्टाक्रॉन' कहा जाता है, को कथित तौर पर साइप्रस की प्रयोगशाला में खोजा गया है। यह लैब त्रुटि के कारण उत्पन्न हो सकता है। इसको लेकर चिंतित नहीं होना चाहिए। यूकेएचएसए के सूत्रों ने मेलऑनलाइन को बताया, 'हम निश्चित रूप से हर चीज की निगरानी करते हैं, लेकिन हम इस संस्करण के बारे में विशेष रूप से चिंतित नहीं हैं।'

यूक्रेन में फंसे अपने नागरिकों के लिए फुल एक्शन मोड में भारत, कंट्रोल रूम बनाए, हेल्पलाइन नं किया जारी, अब लिया ये बड़ा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)

यूक्रेन में फंसे अपने नागरिकों के लिए भारत की सरकार फुल एक्शन मोड में है। सरकार की तरफ से अपने नागरिकों को वहां से सुरक्षित निकालने के लिए कोशिशें भी तेज कर दी गई हैं। केंद्र सरकार की तरफ से दिल्ली और कीव में कंट्रोल रूम सेटअप किए गए हैं। इसके साथ ही भारतीयों की सहायता के लिये 24 घंटे हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया गया है। अब भारत सरकार ने आज उड़ान पर लगे प्रतिबंध को भी हटा दिया है।

उड़ानों पर से हटा प्रतिबंधः नागर विमानन मंत्रालय ने एयर बबल व्यवस्था के तहत भारत-यूक्रेन के बीच उड़ानों की संख्या और उड़ान के दौरान सीटों की संख्या पर प्रतिबंध को हटा दिया है। अब किसी भी संख्या में उड़ानें और चार्टर उड़ानें संचालित हो सकती हैं। नागर विमानन मंत्रालय एमईए के साथ समन्वय स्थापित किए हुए है। मंत्रालय के अधिकारी की तरफ से दी गई जानकारी के अनुसार भारतीय एयरलाइंस को उड़ानों की संख्या बढ़ाने के लिए कहा गया है। अभी यूक्रेन से यूक्रेनेनियन इंटरनेशनल एयरलाइन, एयर अरेबिया, फ्लाई दुबई और कतर एयरवेज की उड़ानें चल रही हैं। अतिरिक्त मांगों को पूरा करने के लिये आने वाले समय में और उड़ानों की योजना बनाई जा रही है।

यूक्रेन में रह रहे भारतीयों को अस्थायी रूप से वहां से हटने की सलाह दीः भारत ने यूक्रेन में रह रहे अपने नागरिकों को अस्थायी रूप से वह देश(यूक्रेन) छोड़ने की सलाह दी गई। यूक्रेन की सीमा पर रूस द्वारा अपने सैनिकों का जमावड़ा बढ़ाने को लेकर उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) और मास्को के बीच बढ़ते तनाव के बीच भारत ने यह कदम उठाया है। कीव स्थित भारतीय दूतावास ने एक परामर्श में भारत के नागरिकों को यूक्रेन की और यूक्रेन के अंदर सभी गैर-जरूरी यात्रा से बचने को कहा है। इसमें कहा गया है, 'यूक्रेन में मौजूदा स्थिति की अनिश्चितताओं के मद्देनजर वहां भारतीय नागरिक, खास तौर पर छात्र, जिनका रहना जरूरी नहीं है, अस्थायी रूप से देश (यूक्रेन) छोड़ने पर विचार कर सकते हैं।' यूक्रेन में रह रहे भारतीयों की संख्या की जानकारी अभी नहीं है।

भारतीयों की मदद के लिए नियंत्रण कक्ष स्थापित : रूस-यूक्रेन तनाव के मद्देनजर भारत ने यूक्रेन में भारतीय नागरिकों की मदद एवं सूचना प्रदान करने के लिये बुधवार को एक नियंत्रण कक्ष स्थापित किया। इसके अलावा यूक्रेन में भारतीय दूतावास ने वहां भारतीयों की सहायता के लिये 24 घंटे का हेल्पलाइन शुरू किया है। कीव में भारतीय दूतावास ने एक बयान में कहा कि उसे यूक्रेन से भारत के लिये उड़ानउपलब्ध नहीं होने के बारे में कॉल मिल रहे हैं लेकिन छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे इससेपरेशान नहीं हों और भारत यात्रा के लिये जल्द उपलब्ध उड़ान में बुकिंग करायें।

लोगों को बांटकर सत्ता हासिल करना चाहती है कांग्रेस, राजनाथ बोले- वसुधैव कुटुंबकम को मानता है देश

अमृतसर। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को अमृतसर सेंट्रल में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लोगों को बांटकर सत्ता हासिल करना चाहती है, जब चन्नी ये बोल रहे थे तब प्रियंका गांधी वहीं पर थी, जनता इसे बर्दाश्त नहीं करेगी। कांग्रेस ने पंजाब को लूटा और दूसरा दिल्ली से आकर यहां सरकार बनाने का दावा कर रहा है। उन्होंने कहा कि मैं कांग्रेस और चन्नी साहब से पूछना चाहता हूं कि क्या गुरुनानक देव जी ने यही संदेश दिया है ? गुरुनानक देव जी ने सबसे बनाई और सबकी भलाई का संदेश दिया है। इस धरती के लोगों ने भी यही संदेश दिया है लेकिन कांग्रेस लोगों को बांटकर सत्ता हासिल करना चाहती थी। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत दुनिया का अकेला देश है, जिसने भारत की सीमा में रहने वाले लोगों को ही अपना सदस्य नहीं माना है बल्कि पूरे विश्व के लोगों को अपने परिवार का सदस्य मानते हुए वसुधैव कुटुंबकम की बात कही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लोगों ने अजीबो गरीब स्थिति पैदा कर दी है लेकिन पंजाब में बदलाव की हवा चल रही है और जनता लोकतंत्र के नाम पर लूटतंत्र को बर्दास्त नहीं करेगी। इसी बीच उन्होंने आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने दिल्ली को लूटा है। आम आदमी पार्टी कहती है कि अगर हमारी सरकार आई तो हम यहां पर नशाबंदी कर देंगे और इन्हीं लोगों ने दिल्ली में गली-गली में शराब के ठेके खोल रखे हैं और नशाबंदी की बात कर रहे हैं। नशाबंदी सिर्फ और सिर्फ भाजपा कर सकती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में बल्लेबाजी करने वाले एक नहीं दो-दो नेता हैं। दोनों एक ही समय पर बल्लेबाजी करना चाहते हैं, दोनों में से कोई भी नॉन-स्ट्राइकर छोर पर नहीं रहना चाहता। दोनों बल्लेबाज एक क्रीज पर लड़ रहे हैं। इसलिए यह निश्चित है कि वे बाहर निकलेंगे।

बबली बाउंसर में नजर आएंगी तमन्ना भाटिया

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया फिल्म निर्माता मधुर भंडारकर की आगामी फिल्म बबली बाउंसर में दिखाई देंगी, जो उत्तर भारत के वास्तविक बाउंसर टाउन असोला फतेपुर में स्थापित एक महिला बाउंसर की काल्पनिक कहानी है।

शूटिंग शुरू करने के बारे में अपने विचार साझा करते हुए, अभिनेत्री तमन्ना ने कहा कि जैसे ही मैंने बबली बाउंसर को पढ़ा, मुझे इस किरदार से प्यार हो गया क्योंकि यह सबसे रोमांचक और मजेदार किरदारों में से एक है, जो मेरे सामने आया है।

उन्होंने आगे कहा कि मधुर सर में महिला पात्रों को परिभाषित करने की क्षमता है और बबली शक्तिशाली चरित्र है। पहली बार, एक फिल्म एक महिला बाउंसर की कहानी का पता लगाएगी, और मैं उसकी आवाज बनने के लिए उत्साहित हूं।

फैशन और कॉर्पोरेट जैसी हिट फिल्में देने वाले भंडारकर ने साझा किया कि एक फिल्म निर्माता के रूप में, जब आपको पहले कभी न कही गई कहानी को तलाशने का मौका मिलता है, तो इसके लिए उत्साहित होने और इंतजार करने के लिए बहुत कुछ होता है। मैं एक महिला बाउंसर की कहानी को एक जीवंत हास्य स्वर के माध्यम से चित्रित करना चाहता हूं जो एक स्थायी प्रभाव भी छोड़ेगी।

उन्होंने साझा किया कि आज से शुरू हो रही बबली बाउंसर की शूटिंग के साथ, वह इस कहानी को महिला बाउंसरों के विश्व दृष्टिकोण से सामने लाने के लिए हमेशा की तरह तैयार हैं।

बिक्रम दुग्गल ने कहा कि बबली बाउंसर एक ऐसी कहानी है, जो दर्शकों पर एक अमिट छाप छोड़ेगी। हम जंगली पिक्च र्स, मधुर और तमन्ना के साथ इस यात्रा को शुरू करने के लिए उत्साहित हैं, फॉक्स स्टार स्टूडियोज और जंगली पिक्च र्स द्वारा निर्मित, बबली बाउंसर मधुर भंडारकर द्वारा निर्देशित की जा रही है और इसमें तमन्ना भाटिया मुख्य भूमिका में हैं। अवधारणा, कहानी और पटकथा अमित जोशी, आराधना देबनाथ और मधुर भंडारकर की है। फिल्म इस साल के अंत में हिंदी, तमिल और तेलुगु में रिलीज होगी।

'बच्चन पांडे' से कृति सैनन का पहला लुक रिलीज

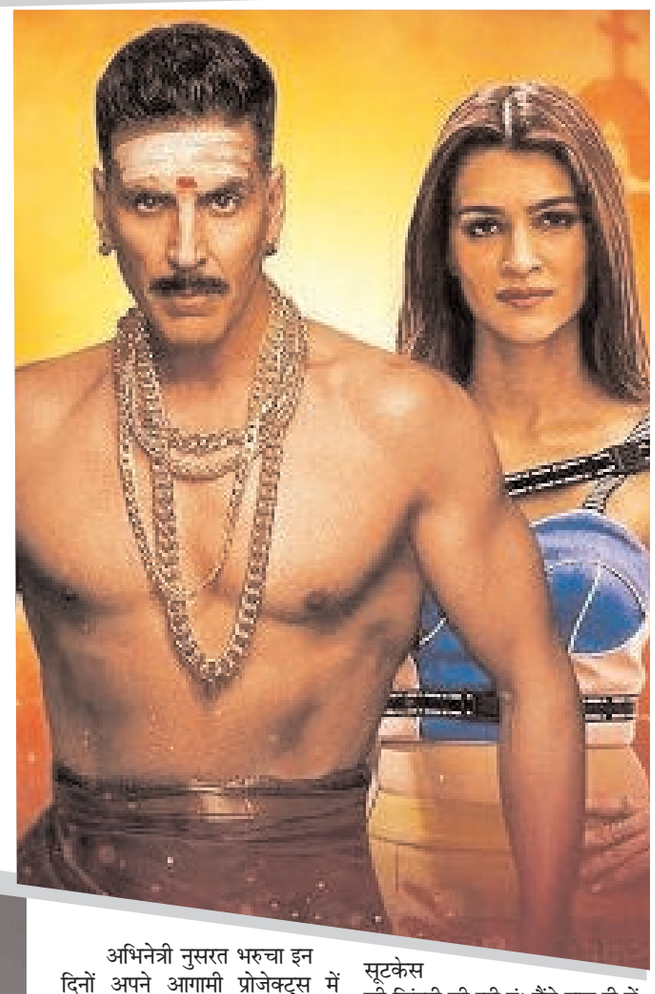

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सैनन की आने वाली बच्चन पांडे से उनका पहला लुक रिलीज हो गया है। फिल्म बच्चन पांडे में अक्षय कुमार और कृति सैनन की मुख्य भूमिका है। अक्षय कुमार के बाद अब फिल्म से कृति सैनन का लुक रिलीज हो गया है।कृति सैनन का फिल्म बच्चन पांडे से पहला लुक अक्षय कुमार ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट पर शेयर किया। इस पोस्टर में कृति सैनन, अक्षय कुमार के पीछे बाइक पर बैठी हैं और उन्होंने अपना एक हाथ अक्षय कुमार के गले में डाला है और उनके दूसरे हाथ में बंदूक है। कृति फिल्म में एक महत्वाकांक्षी निर्देशक मायरा देवेकर की भूमिका निभा रही हैं, जो असल जिंदगी में गैंगस्टर बच्चन पांडे के साथ एक मनोरंजक गैंगस्टर बायोपिक फिल्म बनाने की तलाश में हैं।फर्स्ट लुक में कृति सेनन काफी रफ एंड टफ लुक में नजर आ रही हैं।

इस पोस्टर को अपने इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए अक्षय कुमार ने कैप्शन में लिखा, बच्चन पांडे के नजर के तीर और कृति सेनन की होली पर गोली। आप सब अपनी सीट बेल्ट को कसकर बांध लीजिए, क्योंकि इस बार कुछ अलग ही मजा आने वाला है।

गौरतलब है कि अक्षय कुमार और कृति सैनन स्टारर फिल्म बच्चन पांडे 18 मार्च 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। इस फिल्म का निर्देशन फरहाद सामजी ने किया है और साजिद नाडियाडवाला इस फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे हैं।अक्षय कुमार और कृति सैनन के अलावा इस फिल्म में जैकलीन फर्नांडिस, अरशद वारसी, पंकज त्रिपाठी, प्रतीक बब्बर और अभिमन्यु सिंह जैसे कलाकार मुख्य भूमिकाओं में हैं।

दिशा पटानी ने शेयर किया वर्कआउट वीडियो

बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पटानी ने सोशल मीडिया पर अपन वर्कआउट वीडियो शेयर किया है। दिशा पटानी खुद को फिट रखने के लिए जिम में कड़ी मेहनत करती हैं। दिशा अक्सर अपने वर्कआउट की तसवीरें और वीडियोज सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। दिशा ने जिम से अपना एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह जिम में वजन उठा रही हैं। दिशा ने इस वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, रैक पुल 5 रेप्स 80 किलो। दिशा पटानी ने हाल ही में नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज ये काली काली आंखें के टाइटल ट्रैक ये काली काली आंखें के रीमिक्स वर्जन पर डांस किया था। दिशा पटानी की आने वाली फिल्मों में एक विलेन रिटर्न्स ,योद्धा,हीरोपंती 2,, गणपथ और बड़े मियां छोटे मियां शामिल है।

लिविंग ए सूटकेस लाइफ को नुसरत भरुचा ने की बात

अभिनेत्री नुसरत भरुचा इन दिनों अपने आगामी प्रोजेक्ट्स में काफी व्यस्त हैं। वह कहती है कि वह सचमुच पिछले कुछ महीनों से सूटकेस की जिंदगी जी रही है।

सूटकेस की जिंदगी जी रही हूं। मैंने हाल ही में मुंबई में जनहित में जारी के लिए डबिंग पूरी की थी, जिसके बाद मैं एक की शूटिंग के लिए हैदराबाद गई।

उनकी आने वाली परियोजनाओं में राम सेतु, जनहित में जारी, छोरी 2, हुड़दंग और 2 अघोषित परियोजनाएं शामिल हैं। अभिनेत्री ने हाल ही में अपने गाने की शूटिंग से एक दृश्य के पीछे की तस्वीर और वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है।

अपने पैक्ड शेड्यूल के बारे में बात करते हुए, नुसरत कहती हैं कि मैं पिछले कुछ महीनों से सचमुच एक राम सेतु के लिए एक संक्षिप्त शूटिंग शेड्यूल के बाद, मैं एक अघोषित परियोजना के दूसरे सेट पर वापस आ गई हूं।

एक्ट्रेस इसे अपनी जिंदगी का सबसे रोमांचक फेज कहती हैं।

उन्होंने कहा कि एक दिन में कई उड़ानें पकड़ने से लेकर पात्रों के अंदर और बाहर जाने तक, यह मेरे जीवन का सबसे रोमांचक चरण लगता है।

नागार्जुन ने जीता फैंस का दिल, गोद ली 1000 एकड़ जंगल की जमीन, दान में देंगे करोड़ों रुपये

तेलुगू फिल्मोंक के सुपरस्टा र नागार्जुन ने एक बहुत ही नेक काम किया है। फिल्मोंस में अपनी हीरोगीरी से दिलों में बसने वाले नागार्जुन ने अब अपने एनजीओ के जरिए कुछ ऐसा किया है कि सोशल मीडिया पर उनकी खूब तारीफ हो रही है। नागार्जुन ने 1,000 एकड़ जंगल को गोद लिया है। यानी अब वह और उनका एनजीओ इस जंगल और इसकी जमीन की देखभाल करेंगे। उन्हों ने इसके लिए तेलंगाना हरित निधि में 2 करोड़ रुपये दान करने की घोषणा की है। नागार्जुन और उनकी पत्नीइ अमला हैदराबाद में एनजीओ ब्लूक क्रॉस चलाते हैं। नागार्जुन तमाम दूसरे काम के साथ पर्यावरण की रक्षा के लिए इस एनजीओ के जरिए लगातार कुछ न कुछ करते रहते हैं। नागार्जुन ने हाल ही मेडचल में एक पार्क की आधारशिला रखी। इस दौरान उन्हों ने 1,000 एकड़ जंगल को गोद लेने और 2 करोड़ रुपये फंड में देने को लेकर भी जानकारी दी। इस बाबत नागार्जुन अक्नि नेनी परिवार ने एक बयान भी जारी किया। नागार्जुन ने खुद इसकी तस्वीरें ट्विटर पर शेयर कीं। नागार्जुन ने जो तस्वी0रें शेयर की हैं, उनमें पत्नी अमला अक्ि नेनेनी के साथ बेटे नागा चैतन्यइ और अखिल भी नजर आ रहे हैं। नागार्जुन ने ट्विटर पर फोटोज शेयर करते हुए लिखा है, मुख्यमंत्री केसीआर गारु इस दिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं! अक्किनेनी परिवार द्वारा चेंगिचेरला वन क्षेत्र में एएनआर अर्बन पार्क की नींव रखने और इस जंगल को गोद लेने की घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है।

वर्क फ्रंट की बात करें तो नागार्जुन जल्दी ही ब्रह्मास्त्र फिल्मी में रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और मौनी रॉय के साथ नजर आएंगे।

फरहान अख्तर और शिबानी दांडेकर की हल्दी और मेहंदी सेरेमनी में सितारों का जमघट

बॉलीवुड इंडस्ट्री के डायरेक्टर और एक्टर फरहान अख्तर की उनकी गर्लफ्रेंड शिबानी दांडेकर के साथ शादी चर्चा काफी दिनों चल रही है । फैंस को दोनों की शादी का इन्तजार था, जो अब खत्म होने जा रहा है।

गुरुवार को हल्दी सेरेमनी के साथ ही दोनों की शादी की रस्में शुरू हो चुकी हैं। जिसमें दोनों के परिवार वालों के अलावा बॉलीवुड के कई सितारों ने भी शिरकत की । शबाना आजमी इस दौरान काफी खुश नजर आईं और बेटे की शादी को लेकर वह काफी उत्साहित भी दिखीं। वहीं फरहान की गर्लफ्रेंड शिबानी दांडेकर को भी इस दौरान पीले रंग की लिबास में स्पॉट किया गया।

फरहान अख्तर स्क्रीन राइटर जावेद अख्तर और हनी ईरानी के बेटे और बॉलीवुड के जाने माने अभिनेता, निर्देशक, निर्माता व लेखक हैं। वहीं शिबानी पेशे से सिंगर, एक्ट्रेस व मॉडल हैं । फरहान और शिबानी बॉलीवुड के सबसे फेमस लव बर्ड्स में से एक हैं। दोनों की पहली मुलाकात साल 2015 में शो आई कैन डू दैट के दौरान हुई थी। फरहान उस शो को होस्ट करते थे और शिबानी भी उसी शो का हिस्सा थीं। इस दौरान दोनों में दोस्ती हो गई और दोनों जल्द ही एक-दूसरे को डेट करने लगे। हालांकि फरहान तलाकशुदा हैं और दो बेटियों के पिता हैं । उन्होंने साल 2000 में फरहान ने अधुना भबानी से शादी रचाई थी और 2017 में वे अलग हो गए। लेकिन इससे शिबानी को कोई फर्क नहीं पड़ा। वह फरहान से प्यार करती हैं। फरहान और शिबानी अक्सर एक-दूसरे के साथ अपनी रोमांटिक तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करते हैं।

तमिल और तेलुगु में जारी हुए अक्षय कुमार की फिल्म 'पृथ्वीराज' के पोस्टर्स

अक्षय कुमार, मानुषी छिल्लर, सोनू सूद और संजय दत्त की आगामी फिल्म पृथ्वीराज इस साल 10 जून को हिंदी, तमिल और तेलुगु में सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए पूरी तरह से तैयार है। हाल ही में इस फिल्म के मेकर्स ने फिल्म के सभी लीड एक्टर्स का फर्स्ट लुक पोस्टर हिंदी में जारी किया था।

वहीं अब मेकर्स ने गुरुवार को फिल्म के पोस्टर्स तमिल

और तेलुगु भाषा में जारी किये हैं। फिल्म पृथ्वीराज एक ऐतिहासिक पीरियड ड्रामा फिल्म है। फिल्म में अक्षय कुमार सम्राट पृथ्वीराज के किरदार में होंगे। अभिनेत्री मानुषी छिल्लर राजकुमारी संयोगिता के किरदार में नजर आएंगी। संजय दत्त काका कन्हा के किरदार में और सोनू सूद राजकवि चंद बरदाई के किरदार में नजर आएंगे।

फिल्म में आशुतोष राणा और साक्षी तंवर का किरदार भी महत्वपूर्ण होगा। चंद्रप्रकाश द्विवेदी द्वारा निर्देशित इस फिल्म को आदित्य चोपड़ा प्रोड्यूस कर रहे हैं।

कपिल शर्मा की नई फिल्म का ऐलान, फूड डिलीवरी राइडर के रूप में आएंगे नजर

मशहूर स्टैंड अप कॉमेडियन व अभिनेता कपिल शर्मा की नई फिल्म का ऐलान गुरुवार को गया है। कपिल शर्मा जल्द ही अभिनेत्री व निर्देशिका नंदिता दास की फिल्म में अभिनय करते नजर आएंगे। हालांकि फिल्म का टाइटल क्या होगा यह अभी साफ़ नहीं हो पाया है।

इस अनटाइटल्ड फिल्म में कपिल शर्मा के साथ अभिनेत्री शहाना गोस्वामी भी नजर आएंगी। कपिल शर्मा ने सोशल मीडिया के जरिये अपनी इसके बारे में जानकारी देते हुए लिखा- %अप्लॉज एंटरटेनमेंट और नंदिता दास इनिशिएटिव्स साल के सबसे रोमांचक प्रोजेक्ट को पेश करने जा रहे हैं। लेखक-निर्देशक-निर्माता नंदिता दास ने कपिल शर्मा के साथ एक फूड डिलीवरी राइडर के पहले कभी नहीं देखे गए अवतार में टीम बनाई है। कपिल के साथ शहाना गोस्वामी फीमेल लीड के तौर पर जुड़ेंगी। आपका आशीर्वाद चाहिए! फिल्म में शहाना गोस्वामी कपिल के अपोजिट लीड रोल में होंगी और फिल्म में कपिल शर्मा की पत्नी का किरदार निभाती नजर आएंगी । वहीं कपिल शर्मा इस फिल्म में एक फूड डिलीवरी राइडर के रूप में नजर आएंगे। कपिल शर्मा अपनी इस नई फिल्म को लेकर काफी एक्साइटेड हैं और फैंस को भी इस फिल्म का इन्तजार है। फिलहाल फिल्म के बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। रिपोर्ट्स के अनुसार फिल्म के शेड्यूल की शूटिंग अगले महीने यानी मार्च में भुनेश्वर में शुरु होगी।

दंगल टीवी के शो नथ ज़ेवर या ज़ंजीर में तारा के रूप में रश्मि गुप्ता की एंट्री

दंगल टीवी के नम्बर 1 शो नथ ज़ेवर या ज़ंजीर के 150 एपिसोड कम्प्लीट हो गए हैं वहीं इस सीरियल में अब एक नए किरदार तारा की एंट्री हो गई है। यह रोल रश्मि गुप्ता निभा रही हैं। इनका पिछला शो था साथ निभाना साथिया 2, उससे पहले गुड्डन तुमसे न हो पाएगा में अहम भूमिका निभा चुकी हैं।

इस रोल को पाकर बेहद एक्साइटेड रश्मि गुप्ता ने कहा कि दंगल टीवी के नम्बर वन शो नथ में मेरी एंट्री हुई है। मैं बहुत उत्साहित हूं क्योंकि इसमे मेरा लुक बिल्कुल डिफरेंट है। इसमे मैं तारा के रूप में आ रही हूं, मेरा कॉस्टयूम और ज्वेलरी काफी यूनिक है। घाघरा काफी खूबसूरत है और मेरे पास हमेशा एक रामपुरी चाकू रहता है। यह गेटअप दर्शकों को आकर्षित करने वाला है क्योंकि सिर से पांव तक मैं ज्वेलरी में लदी हुई हूँ। यह लुक ऑडियंस को शाहरुख खान स्टारर फिल्म अशोका में करीना कपूर के लुक की याद दिला देगा। तारा फिलहाल बहुत ही पॉज़िटिव तरीके से घर मे एंट्री मार रही है। मैं नथ उतराई की कुप्रथा में फंस जाती हूं और अपने आप को बचाने के लिए मै सरपंच जी के पास आती हूँ और सरपंच जी से घर मे कुछ काम मांगती हूँ। शम्भू जो अब सरपंच बनने वाले हैं, मैं उनसे मदद की गुहार लगाती हूँ। इस शो में महुआ का रोल कर रही चाहत पाण्डेय मेरी बहुत अच्छी दोस्त हैं और हम शूट के दौरान काफी मस्ती भी करते हैं।

महुआ को जीवंत कर रही चाहत पाण्डेय ने बताया कि चुनाव आने वाले हैं और महुआ को लगता है कि शम्भू की जान खतरे में है, इसलिए वह साए की तरह शम्भू के साथ रहना चाहती है। हमारे शो में नए किरदार तारा की एंट्री हुई है, देखते हैं इस के आने से क्या नया ट्विस्ट आता है। तारा गांव की लड़की है और मदद मांगने के लिए हमारी हवेली में आती है अब देखना होगा कि वह सही में कोई मजबूर लड़की है या उसका इरादा कुछ और है। तारा का रोल करने वाली रश्मि मेरी अच्छी दोस्त है तो उसके साथ काम करके अच्छा लग रहा है।

चाहत ने आगे बताया कि वर्षों से अम्माँ जी राजनीति में थी लेकिन इस बार शम्भू चुनाव लड़ने के लिए आगे आए हैं। मैं बेहद खुश हूं कि हमारा शो नथ डेढ़ सौ एपिसोड पूरे कर चुका है, हम चाहते हैं कि इसी तरह यह 500-1000 एपिसोड कम्प्लीट कर ले। सभी दर्शकों का दिल से शुक्रिया।

लखनऊ में फोरलेन आउटर और दोहरीकरण से ट्रेनों को मिलेगी रफ्तार

आनंद राय

लखनऊ । राजधानी लखनऊ में फोरलेन आउटर और रेलवे लाइन के दोहरीकरण (डबलिंग) से ट्रेनों को रफ्तार मिलेगी। इससे ट्रेनों को बेवजह आउटर पर नहीं रुकना पड़ेगा और यात्रियों का समय भी बचेगा। रेलवे बोर्ड के निर्देश पर उत्तर और पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन ने ट्रेनों व यात्रियों का लोड कम करने के लिए बाईपास योजना बनाई है। इसके तहत उत्तर रेलवे ने लखनऊ के उतरेटिया से ट्रांसपोर्टनगर के बीच 12 किलोमीटर लम्बे एलिवेटड रूट की डबलिंग की है। पहले इस रूट पर माल गाड़ियों का संचालन होता था, लेकिन रेलवे प्रशासन ने डबलिंग कर रूट को मजबूत कर दिया है। यह बाईपास तैयार हो गया है, जिस पर माल गाड़ियों का ट्रायल बढ़ाया गया है। इस पर कुल 120 करोड़ रुपये के आसपास खर्च किया गया है। इस बाईपास से अयोध्या और रायबरेली रूट से आने वाली ट्रेनों को चारबाग स्टेशन पर लाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। ट्रेनों को सीधे ट्रांसपोर्टनगर के रास्ते आगे भेजा जा सकेगा। इस रूट पर फिलहाल चारबाग और लखनऊ जंक्शन स्टेशन की करीब 29 नॉन-प्रीमियम ट्रेनों को शिफ्ट करने की योजना है।पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन के मुताबिक, लखनऊ के चारबाग से दिलकुशा और आलमनगर के बीच फोरलेन आउटर बनाने की योजना पर कार्य किया जा रहा है। बाराबंकी से मल्हौर के बीच तीसरी लाइन बिछाई जाएगी। इसके लिए बजट मिल चुका है। डालीगंज से मल्हौर रेलवे स्टेशन के बीच डबलिंग का कार्य किया जा रहा है। 13 किलोमीटर लम्बे रूट पर 145 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इसका 60 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। ऐशबाग से मानकनगर रेलवे स्टेशन के बीच बाईपास का कार्य चल रहा है। 3.8 किलोमीटर लम्बे इस बाईपास पर 81 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। इस बाईपास के बन जाने से गोरखपुर रूट की ट्रेनों को सीधे कानपुर की ओर रवाना किया जा सकेगा और लखनऊ जंक्शन नहीं भेजना पड़ेगा। फोरलेन आउटर और डबलिंग से लखनऊ में ट्रेनों को रफ्तार मिलेगी। इससे ट्रेनों को बेवजह आउटर पर नहीं रुकना पड़ेगा और यात्रियों का समय भी बचेगा। दरअसल, कोरोना से पहले आम दिनों में चारबाग रेलवे स्टेशन पर प्रतिदिन करीब सवा लाख से अधिक यात्रियों और 180 ट्रेनों की आवाजाही थी। वहीं लखनऊ जंक्शन पर करीब 50 हजार यात्रियों और 45 ट्रेनों का आवागमन होता था। इससे कई ट्रेनों को लाइन नहीं मिलने की वजह से आउटर पर रुकना पड़ता है। इससे ट्रेनें लेट हो जाती हैं और यात्रियों को दिक्कतें होती हैं।

रवानगी से पूर्व अधिकारियों को समझाइश : नियम व नियत सही रखें

कुलदीप त्यागी

झांसी । तीसरे चरण के मतदान के मतदान के लिए शुक्रवार को पुलिस लाइन ग्राउण्ड में मण्डल में भेजे जा रहे पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों को ब्रीफ किया गया। ब्रीफिंग करते समय डीआइजी, जिलाधिकारी, सीडीओ, एसएसपी और समस्त प्रशासन मौजूद रहा। समस्त सेक्टर पुलिस अधिकारी, जोनल पुलिस अधिकारी, पुलिस कर्मचारीगण को विधानसभा 2022 चुनाव के चलते मंडल में रवाना होने से पहले ब्रीफिंग करते हुए अधिकारियों ने बताया कि नियम व नियत सही रखे तो चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न होंगे। छोटी बात पर न उलझे, जहां लगे कि हस्तक्षेप होना चाहिए, वहां समय से एक्शन भी ले। सभी लोग अपनी टीम और सहयोगियों से सामंजस्य बनाकर रखे। 20 फरवरी के मतदान के लिए 19 फरवरी को सुबह 8 बजे भोजला मंडी से चुनाव स्थलों पर जोनल टीमें रवाना होंगी। टीमें मौजूदा स्थल पर जनता से विनम्रता से बात करे,अगर अभद्रता करता है तो मोबाइल से रिकॉर्ड कर ले। बाद में उसके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। मतदाता को अंतिम समय तक मतदान करवाने की पूरी व्यवस्था रहे। दिव्यांग और महिलाओं, बुजुर्गों का ध्यान रखना है। मोबाइल हमारा मित्र और समस्याओं का जनक भी है। संकल्प लेकर चले कि ड्यूटी के समय फ्री होने पर ही मोबाइल का इस्तेमाल सिर्फ चुनाव के सम्बंध में ही करें। सोशल, मीडिया फ़ेसबुक वाट्सएप नहीं देखना है। कोई प्रॉब्लम होने पर 9494417455, 9454401893 इन पर नम्बरों पर सम्पर्क कर सकते है। 200 मीटर तक नहीं लगेगा बस्ता, 500 मीटर तक नहीं खुलेगी दुकान सभी को निर्देशित किया गया कि मतदान केंद्र से 200 मीटर की दूरी तक बस्ता नहीं लगना चाहिए। इसके अलावा 500 मीटर तक कोई दुकान नहीं खुली होना चाहिए।

औरैया : चुनाव ड्यूटी में जा सुरक्षाकर्मियों से भरी बस का हुआ स्टेरिंग फ़ेल, जवानों की जान पर बनी

संवाददाता

औरैया। चुनाव ड्यूटी में सुरक्षाकर्मियों को लेकर आ रही बस का स्टेरिंग गुरुवार की रात फ़ेल हो गया। स्टेरिंग फ़ेल होने के कारण बस गड्ढे में गिर गई। वही, जवानों ने अपनी जान कूदकर बचाई। गनीमत रही कि किसी जवान को चोट नहीं आई। सूचना पर पुलिस फोर्स पहुंच गई और सभी को सुरक्षित बचाया। औरैया तृतीय चरण में बीस फरवरी को चुनाव होना है। चुनाव ड्यूटी के लिए झांसी से पुलिस फोर्स बस से औरैया आ रही थी। जैसे ही बस शेरगढ़ घाट यमुना पुल पार कर आगे बढ़ी तभी औरैया में देवकली पुलिस चौकी के समीप रात अचानक बस का स्टेरिंग फ़ेल हो गया। स्टेरिंग फ़ेल होने से बस अनियंत्रित होकर खड्ड में गिर गई और उसमें सवार जवानों में अफरा-तफरी मच गई। इस दौरान किसी तरह से जवानों ने बस से कूदकर अपनी जान बचाई। हादसे के दौरान बस एक पेड़ से भी जा टकराई। फिलहाल सभी जवान सुरक्षित बाहर आ गए, कोई भी चोटहिल अथवा घायल नहीं हुआ। हादसे की सूचना पर पहुंची जिले की पुलिस ने सभी जवानों को उनकी ड्यूटी स्थान पर सुरक्षित पहुंचाया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि किसी जवान को चोट नहीं आई है। हादसा टल गया है, यदि बस पलट जाती तो बड़ी दुर्घटना घट सकती थी।

हार के डर से सामने आ रही है अखिलेश की बौखलाहट : प्रेम शुक्ला

विवेक राय

लखनऊ । भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रेम शुक्ला ने कहा कि विपक्ष की बौखलाहट साबित करता है कि उप्र में एक बार से 300 पार के साथ भाजपा सरकार बनने जा रही है। अखिलेश यादव हार के डर से इतना घबरा गए हैं कि उन्हें अपने वयोवृद्ध पिता मुलायम सिंह यादव को भी चुनाव प्रचार में उतारना पड़ रहा है। यह वही अखिलेश यादव हैं जिन्होंने नामांकन के वक्त यह कहा था कि करहल में चुनाव प्रचार करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।प्रेम शुक्ला ने शुक्रवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय पर प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि आजादी के सात दशक बाद जिनके घर में बिजली पहुंची है, वह लोग भाजपा का जबरदस्त समर्थन कर रहे हैं। केंद्र की मोदी और उत्तर प्रदेश की योगी सरकार सरकार में 44 लाख मकान दिए गए। विधवा पेंशन 500 से बढ़ाकर एक हजार किया गया। पहले उपचार के लिए अर्थ के अभाव में परेशानी होती थी। अब आयुष्मान भारत कार्ड दिया गया। उससे पांच लाख तक का मुफ्त में इलाज की व्यवस्था दी गई है। योगी सरकार में सुशासन के डंडे से माफिया में डर है। योगी सरकार में अपराधियों पर बुलडोजर चलाया गया है अवैध संपत्ति जब्त की गई है। वहीं पिछली सरकारों में अपराधियों को संरक्षण दिया जाता था। भाजपा प्रवक्ता शुक्ला ने कहा कि अखिलेश ने नामांकन के वक्त कहा था कि अब हम करहल में प्रचार करने नहीं आएंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के साथ ही करहल की जनता भी अखिलेश को नकार रही है। अखिलेश को अपने ''अब्बा जान'' मुलायम सिंह यादव को प्रचार के लिए ले जाना पड़ रहा है। मुलायम सिंह को याद दिलाना पड़ा कि अखिलेश यहां से चुनाव लड़ रहे हैं। तब उन्होंने जनता से वोट की अपील की। इससे यह बात भी साबित हो रही है कि उन्हें जबरन ले जाया गया है।

उन्होंने कहा कि भाजपा पांच वर्ष बाद जब चुनाव में जाती है तो पूरे कार्यकाल की रिपोर्ट प्रस्तुत करती है। आज उत्तर प्रदेश में 33 मेडिकल कालेज बन रहा है। देश का पहला राज्य है जहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक साथ नौ मेडिकल कालेज का उद्घाटन किया। 70 साल में केवल 13 मेडिकल कालेज ही बन पाए थे। पांच अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा हो गया। इसके बावजूद अखिलेश भारतीय जनता पार्टी को भारतीय झूटी पार्टी कह रहे हैं। उन्हें कम अक्ल अखिलेश कहा जाए तो ज्यादा नहीं होगा। इसके साथ ही प्रेम शुक्ला ने योगी सरकार के विकास कार्यों के बारे में विस्तार से रखा। उन्होंने बताया कि ढाई करोड़ किसानों को पीएम सम्मान निधि योजना के तहत छह हजार रुपये सालाना दिया जा रहा है। एक्सप्रेसवे का जाल बिछाया गया है। अब यूपी से आम आदमी पलायन नहीं करेगा। अब केवल माफिया ही पलायन करेगा।

भाजपा नेता एवं केंद्रीय राज्यमंत्री शांतनु ठाकुर ने कहा कि भाजपा ही एक पार्टी है जिसके नेतृत्व में भारत का सम्पूर्ण विकास करेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार ने अब तक की सरकारों में सबसे बेहतर काम किया है। प्रदेश की जनता इसे महसूस भी कर रही है। यही वजह है कि इस बार भी भाजपा को 300 के पार सीटें मिलने जा रही हैं।

योगी सरकार के जलशक्ति मंत्री डॉ. महेंद्र सिंह ने कहा कि जिन क्षेत्रों में दो चरण के चुनाव सम्पन्न हुए वहां दंगाइयों का बोलबाला था। योगी सरकार में कोई दंगा नहीं हुआ। अब तीसरे चरण में जिन क्षेत्रों में मतदान होना है, वहां की जनता माफिया, भूमाफिया से पीड़ित थी। हर क्षेत्र में भाजपा सरकार में विकास हुआ है। बुंदेलखंड क्षेत्र की पानी की समस्या को दूर किया जा रहा है। जनता खुश है। लोगों को इंतजार है कि जल्द से जल्द मतदान कर भाजपा सरकार बनाएं।

वृंदावन बांकेबिहारी मंदिर : चूहों का आंतक, चबूतरे का फर्श धंसा

संवाददाता

मथुरा । विश्व प्रसिद्ध बांकेबिहारी मंदिर में बने चबूतरे का फर्श एक बार फिर धंस गया है। यहां चूहों ने मंदिर चबूतरा को खोद-खोदकर खोखला कर दिया। चबूतरे का फर्श कई जगह से धंसने की स्थिति में हैं। इस बात की भनक लगते ही मंदिर प्रबंधन ने फर्श पर लगे पत्थरों को हटवाकर देखा तो जमीन में चूहों ने करीब एक से दो फुट गहरे गड्ढे कर रखे हैं। प्रबंधन द्वारा गुरुवार को फर्श की मरम्मत का कार्य शुरू कराया गया है। विदित रहे कि दो साल पहले आंगन का फर्श धंस चुका था

गौरतलब हो कि बांके बिहारी मंदिर के आंगन में भी दो साल पहले फर्श धंसने की शिकायत आई थी। इसी दौरान कोरोना की पहली लहर आ गई और लॉकडाउन लग गया। इसी दौरान मंदिर प्रबंधन ने आंगन का फर्श खुलवा कर दोबारा जमीन में पिलर डालकर सही कराया। बांके बिहारी मंदिर के चार गेट हैं। मंदिर में प्रवेश करने से पहले श्रद्धालुओं को चबूतरे पर पहुंचना होता है। गेट नंबर-1 के पास चबूतरे पर फर्श में कुछ दिन से धमक महसूस हो रही थी। मंदिर प्रबंधन ने गुरुवार को जब फर्श के पत्थर हटाए, तो वहां पोल निकला। मंदिर प्रबंधन ने जानने की कोशिश की कि आखिर फर्श धंस क्यों रहा है? पत्थर हटाने का बाद वहां मंदिर से आने वाली नाली से पानी का रिसाव होता भी मिला। मंदिर की नाली पत्थरों की बनी है, जो काफी पुरानी है। मंदिर की धुलाई और अन्य कार्यों में प्रयोग होने वाला पानी नाली के जरिए मंदिर से बाहर आता है। लगातार पानी आने से रिसाव शुरू हो गया था। मंदिर के प्रबंधक मुनीश शर्मा ने बताया कि उनके पास मौजूद दस्तावेजों के अनुसार मंदिर का निर्माण 1864 में हुआ था। पहले फर्श में लाल पत्थर लगा था। बाद में सफ़ेद और काला मार्बल लगवाया गया। वर्तमान में मंदिर के अंदर और बाहर चबूतरे पर सफ़ेद और काला मार्बल ही लगा है। बांके बिहारी मंदिर में हर महीने लाखों श्रद्धालु दर्शन करने आते हैं। ऐसे में फर्श के धंसने से कोई बड़ा हादसा न हो, इससे पहले ही मंदिर प्रबंधन इसे दुरुस्त कराने में जुट गया है। मंदिर के प्रबंधक मुनीश कुमार ने बताया कि भीड़ को देखते हुए इस काम को जल्द से जल्द पूरा कराया जाएगा।

गंगा में गिरा तेज रफ्तार अनियंत्रित कंटेनर, चालक और परिचालक घायल

कानपुर । लखनऊ से कानपुर आ रहा तेज रफ्तार एक कंटेनर गंगा पुल पर अचानक अनियंत्रित हो गया और रेलिंग तोड़ते हुए सीधे नदी में जा गिरा। हादसे में चालक और परिचालक घायल हो गये। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया।

चकेरी थाना क्षेत्र के जाजमऊ गंगा पुल पर लखनऊ की ओर से एक कंटेनर तेज रफ्तार से आ रहा था। पुल जब पार करने वाला ही था तभी कंटेनर अनियंत्रित हो गया और सीधे गंगा नदी में जा गिरा। हालांकि जिस जगह पर गिरा वह नदी का किनारा था, जिससे पानी में डूबने से कंटेनर बच गया। लेकिन हादसे में चालक और परिचालक कंटेनर में फंसे रहे। हादसे को देख स्थानीय लोग दौड़े और चालक और परिचालक को निकालने लगे। इसी बीच पुलिस को जानकारी दी गई और स्थानीय लोगों के सहयोग से पुलिस ने दोनों को बाहर निकालकर इलाज के लिए अस्पताल भेजा।

बाबा चित्र-विचित्र के भजनों की धुन पर झूमे श्रोता, ऊर्ज़ामंत्री ने भी गाया भजन

संवाददाता

मथुरा । वृंदावन में सप्त देवालयों में से एक ठा. राधारमण मंदिर में ठाकुरजी के सेवा लाड़ोत्सव की धूम मची हुई है। देशी-विदेशी भक्त भगवान के इस महाउत्सव में भावविभोर हो जमकर डुबकी लगा रहे हैं। यहां लाड़ोत्सव के दौरान प्रदेश के ऊर्ज़ामंत्री ने भाव विभोर होकर ठाकुर राधारमण मंदिर में ठाकुरजी के दर्शन किए वहीं भजन गायक बाबा रसिका पागल के शिष्य बाबा चित्र विचित्र के साथ ठाकुजी को लाड़ दिखाया है। उनकी आवाज सुनकर वहां मौजूद श्रोतागण भक्ति भाव में डूब गए। ठाकुरजी के लाड़ोत्सव अंतर्गत हरिदासीय सम्प्रदाय के प्रख्यात भजन गायक बाबा रसिका पागल के शिष्य बाबा चित्र-विचित्र ने सुरीली आवाज से राग सेवा के माध्यम से ठाकुरजी को लाड़ लढ़ाया। ठा. राधारमण मंदिर में आदित्यम सेवा संस्थान द्वारा आयोजित सेवा लाड़ोत्सव में सुबह से ही धार्मिक अनुष्ठानों के साथ ठाकुरजी के दर्शन को श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। शाम को मंदिर के पट खुले तो सांस्कृतिक आयोजनों का आनंद लेने के लिए भक्तों का सैलाब मंदिर में जुट गया। मंदिर सेवायत आदित्य गोस्वामी के सान्निध्य में ठाकुर का विशेष श्रंगार कर महा आरती उतारी गई। जिसके दर्शनों के लिए भक्त खासे लालायित नजर आए। मंदिर परिसर ठाकुर राधा रमणलाल जू के उदघोषों से गुंजायमान हो उठा। ठाकुरजी को छप्पन भोग निवेदित कर लाड़ लड़ाया गया।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास बैठक में साधु-संतों ने की कॉरिडोर बनाने की मांग

संवाददाता

मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास ने वृंदावन में गुरुवार दोपहर साधु संतों की अगुवाई में बैठक की जिसमें में श्री कृष्ण जन्मभूमि कॉरिडोर बनाने का प्रस्ताव रखा गया। जिसको सभी ने ध्वनि मत से पारित कर दिया।

गुरुवार वृंदावन के रमणरेती क्षेत्र स्थित चित्रकूट आश्रम में श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास द्वारा एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मौजूद न्यास के पदाधिकारी और साधु संतों ने काशी कॉरिडोर की तरह मथुरा में श्री कृष्ण जन्मभूमि कॉरिडोर बनाने का प्रस्ताव रखा। जिस पर बैठक में मौजूद सभी लोगों की सहमति मिलने के बाद निर्णय लिया गया कि कॉरिडोर बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखा जाएगा।

बैठक में सभी वक्ताओं ने एक स्वर में श्री कृष्ण जन्मभूमि कॉरिडोर की स्वीकृति दी। बैठक के अंत में सभी ने संकल्प लिया कि जब तक कॉरिडोर का निर्माण नहीं होगा तब तक वह चैन से नहीं सोएंगे और जन-जन को जागरूक करेंगे। श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास के अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि श्री कृष्ण जन्मभूमि की 13.37 एकड़ भूमि हैं। जिस पर 2.5 एकड़ में मस्जिद बनी हुई है । वहीं, बाकी हिस्से में मंदिर है। श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास ने एक केस पूरी 13.37 एकड़ जमीन को श्री कृष्ण जन्मस्थान की बताते हुए मथुरा कोर्ट में 23 दिसंबर 2020 को एक याचिका दाखिल की थी। जिस पर सिविल जज सीनियर डिवीजन की कोर्ट में सुनवाई चल रही है।

श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास के बैनर तले आयोजित बैठक में संत आदित्यानंद महाराज, गोविंदानंद तीर्थ, स्वामी सत्य मित्रानंद, भैया जी महाराज, परमेश्वर दास महाराज, महंत मोहिनी शरण महाराज, जूना अखाड़े से नवल योगी महाराज, राजस्थान के भीलवाड़ा से आईं गोरखनाथ पीठ की महिला संत डॉ मधुरा , भरत दास महाराज, आचार्य बद्रीश आदि उपस्थित रहे । बैठक का संचालन धर्माचार्य मनोज मोहन शास्त्री ने किया।

चौथा टी20 मैच जीतने के लिए ऑस्ट्रेलिया को टक्कर देगी श्रीलंकाई टीम

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया की टीम शुक्रवार को यहां मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में श्रीलंका के खिलाफ जीत हासिल करने के लिए मैदान पर उतरेगी। हालांकि, टीम ने पांच मैचों की सीरीज में 3-0 से कब्जा कर लिया है। वहीं, श्रीलंका की टीम चौथा मैच जीतने और क्लीन स्वीप से बचने के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम को कड़ी टक्कर देगी।

15 फरवरी को कैनबरा के मनुका ओवल में कम स्कोर वाले मैच में छह विकेट से जीत के बाद मेजबान टीम ने पांच मैचों की श्रृंखला में 3-0 की बढ़त ले ली है। पहले दो मैचों में अपना सर्वश्रेष्ठ देने के बावजूद, श्रीलंका तीसरे टी20आई में आंशिक रूप से वापसी करने में विफल रहा क्योंकि उनके कई खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया आने के बाद से कोविड-19 की चपेट में आ गए हैं।

श्रीलंकाई गेंदबाजों ने पूरी सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया है लेकिन बल्लेबाजों का अच्छा प्रदर्शन नहीं रहा है।

पहले टी20 आई में, श्रीलंका ऑस्ट्रेलिया को मैच में टक्कर देता रहा, लेकिन बल्लेबाजों के अच्छा प्रदर्शन नहीं करने के बाद वह मैच हार गई। पथुम निसांका एकमात्र टीम के बल्लेबाज रहे, जिन्होंने श्रृंखला में अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन दूसरे टी20 आई में उनकी 73 रनों की शानदार पारी तब बेकार गई जब टीम सुपर ओवर में मैच हार गए। श्रीलंका के लिए तीसरे टी20 में मजबूती से बाहर आने की उम्मीदें थीं, लेकिन गेंदबाजों ने उन्हें परेशान करना जारी रखा, जिससे मेजबान टीम एक बार फिर से खिलाड़ियों पर हावी हो गई।

तीसरे मैच से पहले कोविड-19 से संक्रमित होने के बाद वानिंदु हसरंगा की अनुपस्थिति टीम के लिए एक बड़ा झटका बन गई। महत्वपूर्ण समय पर विकेट लेने की उनकी क्षमता ने श्रीलंका को पहले दो टी20 आई में बल्लेबाजों पर दबाव बनाने में मदद की थी। हसरंगा की अनुपस्थिति में, महेश दीक्षाना ने लंका के गेंदबाजी आक्रमण का नेतृत्व कर शानदार प्रदर्शन किया लेकिन अन्य गेंदबाजों से टीम को कोई समर्थन नहीं मिला।

श्रीलंका के पास अंतिम दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में जीत के लिए चरित असलंका, दनुष्का गुणातिलक और कुसल मेंडिस जैसे बल्लेबाजों के लिए अपने बल्ले से योगदान देना महत्वपूर्ण होगा। हालांकि मेजबान टीम ने सीरीज तो जीत ली है, लेकिन जीत उनके लिए आसान नहीं है।

लगातार तीसरी हार के साथ भारतीय महिला टीम ने वनडे श्रृंखला गंवाई

क्वींसटाउन। अनुभवी तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी के तीन विकेट के बावजूद भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ लगातार तीसरे वनडे मैच में हार से बच नहीं सकी और मेजबान टीम ने तीन विकेट से जीत दर्ज करके पांच मैचों की श्रृंखला में 3 . 0 की अजेय बढत बना ली।

दूसरे वनडे से बाहर रही झूलन ने शानदार गेंदबाजी करके न्यूजीलैंड के शीर्षक्रम के तीन विकेट लिये। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 49 . 3 ओवर में 279 रन बनाये थे। जवाब में न्यूजीलैंड ने पांच गेंद बाकी रहते सात विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

भारतीय टीम दौरे पर पहली जीत की ओर बढती दिख रही थी जब 35वें ओवर में न्यूजीलैंड के छह विकेट 171 रन पर गिर गए लेकिन लौरेन डाउन (नाबाद 65) ने टीम को पांच गेंद बाकी रहते लक्ष्य तक पहुंचा दिया।

महिला एक दिवसीय क्रिकेट के इतिहास में यह दूसरे सबसे बड़े लक्ष्य का पीछा करके मिली जीत है।

न्यूजीलैंड ने आखिरी 15 ओवरों में 105 रन बनाये और आखिरी दस ओवर में 64 रन जोड़े जबकि उसके चार ही विकेट बाकी थे। भारतीय गेंदबाज उसके निचले क्रम को आउट नहीं कर सके।

डाउन और कैटी मार्टिन (35) ने सातवें विकेट के लिये 76 रन की साझेदारी की।

न्यूजीलैंड को आखिरी दो ओवरों में 18 रन की जरूरत थी। झूलन ने 49वें ओवर में 12 रन दे डाले। आखिरी ओवर में डाउन ने दीप्ति शर्मा को पहली ही गेंद पर छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई। इससे पहले डाउन को 10 के स्कोर पर जीवनदान भी मिला था। भारत ने पहले दो वनडे 62 रन और तीन विकेट से गंवाये थे जबकि टी20 मैच में 18 रन से पराजय मिली थी।

झूलन ने कीवी पारी की तीसरी ही गेंद पर कप्तान सोफी डेवाइन को खाता खोले बिना आउट कर दिया। इसके बाद सूजी बेट्स (पांच) को क्लीन बोल्ड किया। न्यूजीलैंड का स्कोर तीसरे ओवर में दो विकेट पर 14 रन था।

इसके बाद झूलन ने एमी सैटर्थवेट (59) को आउट करके केर के साथ उनकी तीसरे विकेट की 103 रन की साझेदारी को तोड़ा। केर 31वें ओवर में आउट हुई। न्यूजीलैंड का स्कोर 35 ओवर में छह विकेट पर 175 रन था।

इससे पहले एस मेघना, शेफाली वर्मा और दीप्ति शर्मा के अर्धशतकों की मदद से भारत ने पहले बल्लेबाजी के लिये भेजे जाने पर 279 रन बनाये। यह न्यूजीलैंड के खिलाफ उसका सर्वोच्च स्कोर है।

बांग्लादेश दौरा : अफगानिस्तान टीम को राहत, सभी खिलाड़ियों की कोरोना रिपोर्ट निगेटिव आई

चटगांव। बांग्लादेश दौरे पर आई अफगानिस्तान क्रिकेट टीम को बड़ी राहत मिली है। बांग्लादेश के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला से पहले किए गए दूसरे रैपिड एंटीजन टेस्ट में अफगानिस्तान के सभी खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ की कोरोना रिपोर्ट निगेटिव आई है।

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने एक बयान में कहा कि अफगानिस्तान और बांग्लादेश के बीच एकदिवसीय श्रृंखला की शुरुआत से पहले राहत भरी खबर है। अफगानिस्तान के सभी खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ के सदस्यों की बुधवार को किए गए दूसरे रैपिड एंटीजन टेस्ट की रिपोर्ट निगेटिव आई है। बोर्ड के अनुसार मंगलवार सुबह अफगानिस्तान टीम के कुछ सदस्य कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद खिलाड़ी 15 फरवरी से सिलहट में पृथकवास पर थे जहां एकदिवसीय श्रृंखला से पहले उन्हें हफ्ते भर की ट्रेनिंग और अनुकूलन शिविर में हिस्सा लेना था। कुछ सदस्यों के पॉजिटिव पाए जाने के बाद टीम को मंगलवार को अपना अभ्यास सत्र रद्द करना पड़ा था। अब कोविड-19 परीक्षण के नतीजे निगेटिव आने के बाद अफगानिस्तान की टीम ने गुरुवार से तैयारी शुरू कर दी है।

उल्लेखनीय है कि एकदिवसीय श्रृंखला का पहला मैच 23 फरवरी को चटगांव में खेला जाएगा।

मुश्ताक ने पाकिस्तान दौरे के लिये आस्ट्रेलिया को धन्यवाद दिया

कराची। पाकिस्तान के मुख्य कोच सकलेन मुश्ताक ने ऐतिहासिक श्रृंखला के लिये पाकिस्तान का दौरा करने पर आस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम को धन्यवाद दिया है। आस्ट्रेलियाई टीम 24 साल बाद पाकिस्तान दौरे पर 27 फरवरी को पहुंचेगी और यहां उसे तीन टेस्ट, तीन वनडे और एक टी20 मैच खेलना है। मुश्ताक ने कहा,'' मैं 24 साल बाद पाकिस्तान आने के लिये आस्ट्रेलिया को धन्यवाद देता हूं। मुझे यकीन है कि यह रोचक श्रृंखला होगी।'' उन्होंने कहा,'' पाकिस्तान में सभी चाहते हैं कि क्रिकेट टीमें यहां आकर खेलें।हम खुल दिल से पूरी दुनिया का इस्तकबाल करते हैं।''

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में न्यूजीलैंड ने शिकंजा कसा

क्राइस्टचर्च । हेनरी निकोल्स के आठवें टेस्ट शतक की मदद से न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन पहली पारी में 387 रन की बढत बना ली जबकि दूसरी पारी में भी मेहमान टीम ने तीन विकेट 34 रन पर गंवा दिये।

निकोल्स के शतक, विकेटकीपर टॉम ब्लंडेल के 96 रन, कोलिन डे ग्रांडहोमे के 45 और दक्षिण अफ्रीका मूल के नील वेगनेर के 49 रन की मदद से न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 482 रन बनाये। दक्षिण अफ्रीका टीम पहली पारी में 95 रन पर आउट हो गई थी।

पहले दिन 23 रन देकर सात विकेट लेने वाले मैट हेनरी ने 11वें नंबर पर 58 रन की पारी खेली। हेनरी और ब्लंडेल ने आखिरी विकेट के लिये 96 रन जोड़े।

दूसरे दिन का खेल समाप्त होने से पहले नौ ओवर दक्षिण अफ्रीका पर भारी पड़े। दूसरी पारी की दूसरी ही गेंद पर उसने सारेल एरवी का विकेट गंवा दिया। कप्तान डीन एल्गर खाता खोले बिना आउट हो गए जबकि एडेन मार्कराम दो रन ही बना सके।

दक्षिण अफ्रीका का स्कोर चार रन पर तीन विकेट था जिसके बाद तेम्बा बावुमा (22) और रासी वान डेर डुसेन (नौ) ने पारी को संभाला।

इससे पहले निकोल्स ने न्यूजीलैंड के लिये 105 रन बनाये। उन्होंने 267 मिनट तक क्रीज पर डटकर बल्लेबाजी की और तीसरे विकेट के लिये वेगनेर के साथ 80 रन जोड़े। न्यूजीलैंड ने तीन विकेट पर 116 रन से आगे खेलना शुरू किया था और ऐसे समय में एक विकेट और गिरने पर तस्वीर कुछ और होती।

कांबली ने रणजी में शतक लगाने पर ढुल की तारीफ कर कहा, टीम इंडिया के लिए खेलना तय

नई दिल्ली। भारत के पूर्व क्रिकेटर विनोद कांबली को लगता है कि अगर युवा खिलाड़ी यश ढुल घरेलू मैचों में लगातार अच्छा प्रदर्शन करते रहे, तो वह निश्चित तौर पर टीम इंडिया के लिए खेलेंगे।

यश ने गुरुवार को तमिलनाडु के खिलाफ चल रहे रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप एच मैच में शतक लगाया था।

कांबली ने यश की प्रशंसा करते हुए कहा कि बल्लेबाज टीम इंडिया की सीनियर जर्सी पहनने से सिर्फ एक अच्छा सीजन दूर है।

कांबली ने कहा, यश ढुल ने प्रथम श्रेणी मैचों में अपनी शैली में आगमन की घोषणा की है। उन्होंने शतक हासिल करने के लिए बहुत ही संयम के साथ पारी खेली, मुझे यकीन है कि लगातार घरेलू प्रदर्शन और एक अच्छे आईपीएल सीजन के साथ, इस युवा खिलाड़ी के लिए भारत के लिए खेलना तय है। बधाई हो मिस्टर ढुल।

टॉस जीत कर तमिलनाडु ने पहले गेंदबाजी करने का विकल्प चुना, जिसके बाद यश ने बल्लेबाजी की शुरुआत करते हुए 16 चौकों की मदद से सिर्फ 133 गेंदों पर अपना शतक बनाया। यश 50वें ओवर में 113 रन बनाकर आउट हो गए, जिससे दिल्ली ने पहले दिन 291/7 रन बनाए। इस महीने की शुरुआत में यश ने फाइनल में इंग्लैंड को हराकर भारत को रिकॉर्ड पांचवां आईसीसी अंडर-19 विश्व कप का खिताब दिलाया था।

आईपीएल में खेलेंगे उत्तराखंड के दो खिलाड़ी

आर्यन और अनुज दिखा चुके हैं अंडर-19 टीम में अपने जौहर

श्रेयस मनोरम

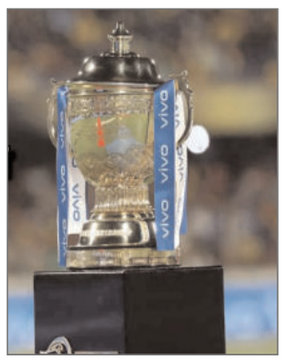

देहरादून । भारत में आईपीएल को क्रिकेट का त्योहार कहा जाता है। इस बार भी क्रिकेट के इस त्योहार के लिए तैयारियां जोरों शोरो से की जा रही हैं। खिलाड़ियों की नीलामी की प्रक्रिया भी पूरी हो चुकी है। नैनीताल जनपद के लिए आईपीएल की नीलामी खासा अच्छी रही है। इस बार नैनीताल जिले के दो खिलाड़ी, आर्यन जुयाल और अनुज रावत आईपीएल टीमों में चुने गए हैं।

बता दें कि आर्यन और अनुज अंडर-19 टीम के लिए भी साथ खेल चुके हैं। उत्तर प्रदेश टीम से खेलने वाले दाएं हाथ के बल्लेबाज हल्वानुनी निवासी आर्यन जुयाल को पहली बार किसी आईपीएल टीम में चुना गया है। उन्हें पांच बार की आईपीएल विजेता टीम मुंबई इंडियंस ने 20 लाख रुपए में खरीदा है। इसके अलावा दूसरी अच्छी खबर नैनीताल के रामनगर से आई है। जहां के अनुज रावत को विराट कोहली की टीम आरसीबी ने खरीदा है। घरेलू क्रिकेट में दिल्ली से खेलने वाले बाएं हाथ के विकेट कीपर-बल्लेबाज अनुज रावत को 3.40 करोड़ में खरीदा गया है। नैनीताल जिले के ये दो होनहार खिलाड़ी आज आईपीएल में अपनी जगह बनाने में कामयाब हो गए हैं। दरअसल, साल 2018 में जब भारतीय अंडर-19 टीम श्रीलंका दौरे पर गई थी तो टेस्ट में अनुज रावत को कप्तान और आर्यन जुयाल को उपकप्तान बनाया गया था। यह सीरीज भारत ने 2-0 से अपने नाम की थी। इसके अलावा वनडे मुकाबलों के लिए अंडर-19 टीम का कप्तान आर्यन जुयाल को बनाया गया था।

जोकोविच का दुबई पहुंचने पर गर्मजोशी से स्वागत

दुबई। कोरोना का टीका नहीं लगवाने के कारण आस्ट्रेलिया ओपन नहीं खेल सके सर्बिया के टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच का बृहस्पतिवार को दुबई पहुंचने पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया और वह दुबई एक्सपो में भी गए। जोकोविच यहां ड्यूटी फ्री टेनिस चैम्पियनशिप खेलने आये हैं। उन्होंने एक्सपो 2020 में सर्बिया के पवेलियन का भी दौरा किया और प्रशंसकों के साथ सेल्फी खिंचवाई। पवेलियन में उनकी चैरिटी नोवाक जोकोविच फाउंडेशन के लिये एक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया था। यह फाउंडेशन सर्बिया में बाल शिक्षा के लिये काम करता है।

पीकेएल 8 : यूपी योद्धा ने यू मुंबा को हराकर प्लेऑफ में जगह बनाई

बेंगलुरू। यूपी योद्धा के दृढ़ रक्षा और खेल प्रबंधन ने उन्हें गुरुवार को यहां वीवो प्रो कबड्डी लीग सीजन 8 में यू मुंबा को 35-28 से हराकर प्लेऑफ में पहुंचने में मदद की।

सुरेंद्र गिल 8 अंकों के साथ योद्धा के शीर्ष स्कोरर थे, जिसमें डिफेंडर आशु सिंह, शुभम कुमार और सुमित ने 3-3 अंक लिए। हार का मतलब मुंबई के अभियान के लिए पर्दा था। वे प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने वाली चौथी टीम बन गईं।

मुंबई के रेडर अजित कुमार और अभिषेक सिंह को कप्तान नीतेश कुमार द्वारा मार्शल किए गए यूपी डिफेंस के लिए कोई रास्ता नहीं मिला। यू मुंबा को प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए जीत की दरकार थी, लेकिन योद्धा ने ही फ्रंट फुट पर शुरुआत की। परदीप नरवाल ने मैच के अपने पहले रेड में टोन सेट करने के लिए 3 अंकों का सुपर रेड बनाया। मुंबई डिफेंस में हताशा देखी जा सकती है, क्योंकि उन्होंने अनावश्यक गलतियां कीं। 8वें मिनट में अजित कुमार के 2-पॉइंट रेड ने उन्हें मिनी-रिवाइवल दिया लेकिन योद्धा दबाव पर ढेर करते रहे। दोनों डिफेंस ने मैट पर आक्रामक पोजीशनिंग का विकल्प चुना और परिणामस्वरूप, रेडर बोनस अंक के लिए संघर्ष करते रहे। हाफ टाइम में 3 मिनट शेष रहते रिंकू के प्रदीप नरवाल पर सुपर टैकल ने उन्हें योद्धा के करीब रहने में मदद की।

भुवनेश्वर में हॉकी प्रो लीग के खेलों में दर्शकों के स्टेडियम के भीतर जाने पर लगी रोक

भुवनेश्वर। हॉकी इंडिया (एचआई) और अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने यहां कलिंगा हॉकी स्टेडियम में होने वाले आगामी डबल-हेडर वीकेंड प्रो लीग 2021/2022 मैचों के लिए दर्शकों को अनुमति नहीं देने का फैसला किया है।

भारतीय पुरुष और महिला टीमें 26 और 27 फरवरी को स्पेन के खिलाफ खेलेंगी, जिसके बाद 12 और 13 मार्च को जर्मनी के खिलाफ मैच होंगे। पुरुष टीम फिर 19 और 20 मार्च को अर्जेंटीना से डबल हेडर में भिड़ेगी। पुरुष और महिला टीमें भी दो और तीन अप्रैल को इंग्लैंड से खेलेंगी।

हॉकी इंडिया द्वारा शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा गया है कि भुवनेश्वर (उड़ीसा) में खेल की लोकप्रियता और स्टेडियम में भीड़ ने उन्हें मैचों के लिए दर्शकों को अनुमति देने की अपनी योजना पर पुनर्विचार करने को कहा है।

एचआई के बयान में कहा गया है, इस क्षेत्र में खेल की व्यापक लोकप्रियता और स्टेडियम में अपेक्षित भीड़ के साथ आयोजकों का मानना है कि, लोगों की संख्या को नियंत्रित करना और फिर गृह मंत्रालय द्वारा निर्धारित कोविड-19 दिशानिर्देशों और प्रोटोकॉल का पालन करना, यह संभव नहीं होगा। मौजूदा कोविड-19 महामारी की स्थिति के कारण सामाजिक गड़बड़ी एक प्राथमिकता है और प्रशंसकों और एथलीटों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने की आवश्यकता है।

बयान में आगे कहा गया है कि, कलिंगा हॉकी स्टेडियम, भुवनेश्वर में एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2021/2022 के आगामी घरेलू टूर्नामेंट हॉकी इंडिया और एफआईएच 26 फरवरी से शुरू होगा। एचआई ने कहा कि स्टेडियम केवल मान्यता प्राप्त परिचालन कर्मचारियों, टूर्नामेंट के प्रतिभागियों और प्रायोजकों को अनुमति देगा।

एचआई ने कहा, आयोजकों के लिए, टूर्नामेंट में भाग लेने वाली टीमों और सहयोगी स्टाफ के स्वास्थ्य और उनकी सुरक्षा सर्वोपरि है। जबकि स्टेडियम केवल मान्यता प्राप्त परिचालन कर्मचारियों, टूर्नामेंट के प्रतिभागियों के लिए खुला होगा।

कैमरून ग्रीन के ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर बनने में मदद करूंगा : मिचेल मार्श

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के हरफनमौला खिलाड़ी मिच मार्श ने माना है कि कैमरून ग्रीन के आने के बाद से टेस्ट टीम में उनके चयन की संभावना कम हो गई है। वहीं, उन्होंने कहा, मैं ग्रीन के ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर बनने में मदद करूंगा।

मार्श सीमित ओवरों की टीम में ऑस्ट्रेलिया में अच्छे प्रदर्शन के लिए शीर्ष पर रहे हैं और पिछले साल संयुक्त अरब अमीरात में अपना पहला टी20 विश्व कप जीतने वाली टीम के लिए मुख्य खिलाड़ी थे, जिसके बाद उन्हें टेस्ट टीम के लिए लगातार नजरअंदाज किया गया।

22 वर्षीय ग्रीन ने चौथे और पांचवें एशेज टेस्ट में छह विकेट लेने और दो अर्धशतक बनाने के बाद टीम में जगह पक्की कर ली है। दूसरी ओर, 30 वर्षीय मार्श ने 32 टेस्ट खेले हैं, जिसमें बल्लेबाजी का उनका 25 का औसत और गेंदबाजी से 38 का औसत रहा है।

मार्श ने शुक्रवार को सेन डब्ल्यूए के गिल्ली एंड गॉस के हवाले से कहा, मुझे शायद कैमरून ग्रीन की जरूरत है, ग्रीन एक शानदार युवा खिलाड़ी हैं, जिसे मैं एक महान ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर बनने में मदद करूंगा।

जबकि उनका टेस्ट रिकॉर्ड अप्रभावी है, मार्श ने ऑस्ट्रेलिया के टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन कर 50 गेंदों में 77 रन बनाए थे, जिसके लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच के खिताब से नवाजा गया था। वह उम्मीद कर रहे थे कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया अगले महीने पाकिस्तान के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए उनके टी20 विश्व कप के प्रदर्शन के आधार पर उनका चयन करेगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

चयनकर्ताओं के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने हाल ही में मार्श के टेस्ट टीम में तत्काल वापसी के सुझावों को खारिज कर दिया, लेकिन उन्हें टीम मार्श ने कहा, मेरे जैसे लोगों के लिए यह बहुत बड़ी प्रेरणा है, मैं केवल 30 वर्ष का हूं और ऐसे बहुत से लोग हैं जिन्होंने अभी-अभी ऑस्ट्रेलियाई के लिए खेलना शुरू किया है और शानदार करियर बनाया है। मुझे निश्चित रूप से उम्मीद है कि मैं टेस्ट स्तर पर एक और मौका मिलता है, मैंने वास्तव में अच्छी तैयारी करने और खेल का आनंद लेने के लिए वास्तव में कड़ी मेहनत की है।

गैंग रेप में दोषी करार हुआ ये दिग्गज खिलाड़ी, इंटरनेशनल अरेस्ट वॉरेंट जारी

ब्राजील। ब्राजील की फुटबॉल टीम के पूर्व स्ट्राइकर रोबिनियो को इटली की अदालत ने गैंग रेप में दोषी करार दिया है और उसके खिलाफ इंटरनेशनल अरेस्ट वॉरेंट जारी कर दिया है। ब्राजील का यह खिलाड़ी यूरोप के कई नामी फुटबॉल क्लब में खेल चुका है, उसने मैनचेस्ट सिटी, एसी मिलान जैसे क्लबों के लिए भी अपना खेल दिखाया है। इटली के न्याय मंत्रालय ने बुधवार को जानकारी दी कि उसे गैंग रेप में दोषी करार दिया है और वैश्विक एजेंसी इंटरपोल को उसे अरेस्ट करने को कहा है।

इटली की जस्टिस मिनिस्ट्री ने इंटरपोल से कहा है कि वह रोबिनियो को अरेस्ट कर उसे सौंप दे। इटली ने इंटरपोल से इसलिए मदद मांगी है क्योंकि ब्राजील ने इस खिलाड़ी को दोषी करार नहीं दिया है, जिसका मतलब है कि वह ब्राजील में गिरफ्तार नहीं होगा, रोबिनियो अब तभी गिरफ्तार हो सकेगा, जब वह विदेशी यात्रा पर होगा। अदालत ने उसे 9 साल की सजा सुनाई है।

38 वर्षीय यह फुटबॉलर मौजूदा समय में ब्राजील में रह रहा है और उसने हमेशा इन आरोपों से इनकार किया है, इस फुटबॉलर को साल 2017 में मिलान की एक कोर्ट ने रोबिनियो समेत ब्राजील के 5 लोगों को एक महिला के साथ गैंग रेप में दोषी पाया था। अपील कोर्ट ने साल 2020 में इन 6 लोगों को दोषी करार दिया, जिसे इटली के सुप्रीम कोर्ट ने पिछले महीने मान्यता दी है।

रोबिनियो समेत इन 6 लोगों पर आरोप है कि उन्होंने एक डिस्कोथक्यू में महिला के साथ अल्कोहल लेने के बाद गैंग रेप किया था, रोबिनियो ने ब्राजील की ओर से 100 इंटरनेशनल मैच खेले हैं। जबकि वह रियाल मैड्रिड और मैनचेस्टर सिटी और एसी मिलान के लिए भी खेल चुका है।